Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 18 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 210 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

सिद्ध पुरुषों की अलौकिक शक्तियों में जो दिखलाई पड़ता है, वह मन की एकाग्रता का ही तो चमत्कार है। संगठित मानस ही आत्मा का योग होता है।

– अमृतलाल नागर

Anushka Sharma Reacts To Brutal...

SHARE

सेंसेक्स	:	80,436.84
निफ्टी	:	24,541.15

SARAFA

सोना	:	6,850
चांदी	:	91.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आतंकी तहव्वुर राणा को लाया जा सकता है भारत

NEW DELHI : अमेरिका की एक अदालत ने तहव्वुर राणा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। राणा पर मुंबई में हुए आतंकी हमले में शामिल होने का आरोप है। अब इसको भारत वापस लाया जाना लगभग तय माना जा रहा है। बता दें कि अमेरिकी अदालत ने प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ उसकी अपील को खारिज कर दिया है। 15 अगस्त को अमेरिकी अदालत ने अपने फैसले में कहा कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत उसे भारत भेजा जा सकता है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक राणा ने नाइंथ सर्किट कोर्ट में पिछले साल एक याचिका दायर की थी। जिसमें उसमे मांग की थी कि सुनवाई तक उसे भारत को न सौंपा जाए। बताते चलें कि इससे पहले मई 2023 में भी एक अमेरिकी अदालत ने राणा की तरफ से दायर याचिका को खारिज कर दिया था।

6 बच्चियों से रेप के दोषी को 28 साल की सजा

NEW DELHI : ताइवान में एक टीचर को 6 बच्चियों का रेप करने के मामले में 28 साल जेल की सजा सुनाई गई है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक 30 साल के किंडरगार्टन टीचर माओ चुन शेन पर छह लड़कियों से रेप के 11 मामलों, शोषण के 207 मामलों और अश्लील तस्वीरें-वीडियो बनाने के 6 मामलों में दोषी ठहराया गया था। ताइपे के कोर्ट ने कहा कि माओ को कुल 224 मामलों में दोषी पाया गया है, जिसमें कानून के हिसाब से उसकी कुल सजा 1252 साल और 6 महीने होगी। हालांकि, उसे 28 साल की सजा सुनाई गई। माओ अभी इसके खिलाफ अपील कर सकता है। माओ को पिछले साल जुलाई में ताइपे पिरामिड स्कूल में बच्चों का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उस पर 2022 में पहला केस दर्ज हुआ था। हालांकि, तब सबूत न मिलने पर जांच बंद कर दी गई थी। बाद में कई केस सामने आने पर पिछले साल उसके स्कूलों में पढ़ाने पर बैन लगा दिया गया। खास बात यह है कि माओ ताइपे पिरामिड स्कूल की ओनर का बेटा है।

भारत लौटीं 'योद्धा' पहलवान विनेश फोगाट

AGENCY NEW DELHI : शनिवार की सुबह पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचकर खेल से पहले ही अयोग्य करार दी गई भारत की योद्धा पहलवान विनेश फोगाट स्वदेश पहुंचीं। दिल्ली एयरपोर्ट से बाहर निकलीं तो उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही विनेश अपनी मां से लिपटकर रोने लगी। ओलंपिक मेडल विजेता पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया भी उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थे। विनेश जब साक्षी मलिक के गले लगीं उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे। मीडिया के माइक बार-बार विनेश की तरफ आगे बढ़े लेकिन, विनेश भावुक थीं और वो कुछ बोल नहीं सकीं। विनेश फोगाट के स्वागत में कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा भी दिखे। खुली मर्सडीज कार की छत पर विनेश फोगाट के साथ दीपेंद्र हुड्डा भी नजर आए। जाट संगठनों के अलावा किसान संगठनों के कार्यकर्ता भी उनके स्वागत के लिए मौजूद रहे।

हुआ जोरदार स्वागत, एयरपोर्ट से बाहर निकलीं तो आंखों में छलके आंसू

- ओलंपिक मेडल विजेता पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया थे एयरपोर्ट पर मौजूद
- खुली मर्सडीज कार की छत पर विनेश के साथ दीपेंद्र हुड्डा नजर आए
- जाट संगठनों के अलावा किसान संगठनों के कार्यकर्ता भी स्वागत में रहे उपस्थित

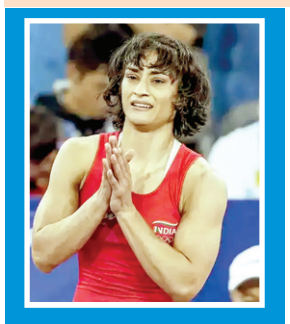

अपनी मां से लिपटकर रोने लगीं पहलवान

विनेश चैंपियन हैं : बजरंग पूनिया

विनेश फोगाट का स्वागत करने पहुंचे बजरंग पूनिया ने कहा, विनेश चैंपियन हैं इसीलिए उनका चैंपियन जैसा स्वागत हो रहा है। मेडल मिलना, ना मिलना भाग्य की बात है। लेकिन उन्होंने जो सड़क से पोडियम तक का सफर तय किया है वो पूरे देश ने देखा है। विनेश का स्वागत करने पहुंचीं पहलवान साक्षी मलिक ने कहा, आज बहुत बड़ा दिन है। विनेश ने जो भारत के लिए किया है, जो महिलाओं के लिए किया है वो बहतरीन है। उन्होंने कहा, मैं बस ये उम्मीद करती हूं कि आप लोग उसे प्यार और सम्मान देंगे। उसने एक ऐसे पहलवान को हराया है जो कभी हारी ना हो। वो हमारे लिए चैंपियन हैं। ये कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है बल्कि ये एक पहलवान और चैंपियन का स्वागत है। बता दें कि गोल्ड मेडल के मैच से पहले विनेश का वजन 50 किलोग्राम से थोड़ा अधिक था, जिससे उन्हें ओलंपिक से बाहर कर दिया गया। सिल्वर मेडल की मांग वाली उनकी अपील को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ऑफ स्पोर्ट्स ने बुधवार को खारिज कर दिया था।

मुख्यमंत्री हेमंत 21 को लाभुकों से करेंगे बात

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 21 अगस्त को पलामू में मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों से बात करेंगे और लाभुकों के लिए राशि भी जारी करेंगे। जेल से निकलने के बाद हेमंत सोरेन का यह पहला पलामू दौरा होगा। 2022-23 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चार बार पलामू का दौरा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारी शुरू कर दी है। पलामू पुलिस स्टेडियम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्यक्रम निर्धारित है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर शहर की साफ-सफाई के साथ-साथ विधि-व्यवस्था को लेकर भी निर्देश जारी किए गए हैं। झारखंड लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी को सीएम के कार्यक्रम में शामिल होने वाली महिलाओं के लिए भोजन का प्रबंध करने का निर्देश दिया गया है। पलामू के अलावा गढ़वा और लातेहार भी जाएंगे। मुख्यमंत्री के पलामू दौरा प्रमंडल स्तर का होगा, जिसमें पलामू के अलावे गढ़वा और लातेहार में भी आयोजित मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

बड़ा फैसला, बिना संघ लोक सेवा आयोग का एग्जाम दिए बनिए IAS

नई पहल

AGENCY NEW DELHI : यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन यानी संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने नई पहल करते हुए एक नए तरीके से आईएएस बनने का मौका प्रदान किया है। यह बड़ा फैसला है। हालांकि ऐसा इसके पहले भी हुआ है। यूपीएससी ने लैटरल एंट्री के जरिए विभिन्न मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव के पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया है। इस प्रक्रिया से निजी क्षेत्र के कर्मचारी और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने वाले भी आईएएस बन सकते हैं। यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया गया है। लैटरल एंट्री के जरिए केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में योग्य उम्मीदवारों की सीधी भर्ती होगी। यह पहल उन लोगों के लिए एक बड़ा अवसर है जो आईएएस बनने का सपना देखते हैं,लेकिन परीक्षा पास नहीं कर पाते हैं।

- लैटरल एंट्री के जरिए संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव बनने का मिल रहा मौका
- 45 सीटों के लिए आयोग की ओर से निकाली गई है वैकेंसी

हालांकि, इस प्रक्रिया के द्वारा पहले भी उम्मीदवार चयनित किए गए हैं, लेकिन इस बार यूपीएससी ने इसे और व्यापक बनाया है। यह कदम यूपीएससी की कार्यप्रणाली को लेकर हाल ही में उठे विवादों के बाद आया है। यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. मनोज सोनी ने कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था।

आवश्यक अनुभव और पात्रता

संयुक्त सचिव स्तर के पद के लिए 15 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। निदेशक के पद के लिए 10 और उप सचिव के पदों के लिए सात साल की नौकरी का अनुभव होना अनिवार्य है। केंद्र सरकार में कार्यरत कर्मचारी इस भर्ती के लिए योग्य नहीं होंगे। यानी वे आवेदन नहीं कर सकेंगे। राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यरत ऐसे कर्मचारी जो उक्त पदों के समकक्ष पदों पर काम कर रहे हैं, वे आवेदन कर सकते हैं। इनके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्वायत्त निकाय, वैधानिक निकाय, यूनिवर्सिटी, मान्यता प्राप्त शोध संस्थान, निजी कंपनी, अंतरराष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत लोग लैटरल एंट्री वाले पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। संयुक्त सचिव पद के लिए आयु सीमा 40 वर्ष से 55 वर्ष के बीच होनी चाहिए। सातवें वेतन आयोग के अनुसार, इन्हें पे लेवल 14 में रखा जाएगा। यानी इन्हें डीए मिलाकर 2,70,000 रुपये का मासिक वेतन मिलेगा। नियमानुसार, यात्रा भत्ता और मकान का किराया भी दिया जाएगा। निदेशक पद के लिए आयु सीमा 35 वर्ष से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इन्हें पे लेवल 13 में शामिल किया जाएगा।

डॉक्टर रेप-मर्डर मामले में व्यापक हो रहा आक्रोश का स्वर

हड़ताल से झारखंड सहित पूरे देश में चरमराया हेल्थ सिस्टम

PHOTON NEWS TEAM : शनिवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कोलकाता में एक महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में देश भर में 24 घंटे की देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की थी। इस हड़ताल के कारण झारखंड सहित पूरे देश में हेल्थ सिस्टम चरमरा गया। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने इस मामले में सक्रियता दिखाते हुए डॉक्टरों से जल्द से जल्द काम पर लौटने की अपील की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि फोर्डा, आईएमए और सरकारी अस्पतालों के आरडीए की तरफ से बताई गई चिंताओं के मद्देनजर स्वास्थ्य मंत्रालय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कमेटी का गठन कर रहा है। केंद्र सरकार की ओर से बताया गया है कि नवगठित कमेटी स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को लेकर सभी संभव कदमों का ब्योरा देगी। इस कमेटी को सुझाव देने के लिए अलग-अलग प्रतिनिधियों और राज्य सरकारों का भी स्वागत है।

- केंद्र की डॉक्टरों से जल्द काम पर लौटने की अपील
- सुरक्षा के लिए कमेटी का गठन कर रहा स्वास्थ्य मंत्रालय

आईएमए से जुड़े हैं 3.30 लाख डॉक्टर

बता दें कि आईएमए से जुड़े 3.30 लाख से ज्यादा डॉक्टर सदस्य हैं। देश भर में डॉक्टरों की हड़ताल का असर दिखने लगा है और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने कहा कि वे तब तक हड़ताल पर रहेंगे जब तक सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाया जाना चाहिए और मृत महिला डॉक्टर के परिवार को न्याय मिलना चाहिए।

रिम्स और सदर अस्पताल के बाहर डॉक्टरों ने किया प्रदर्शन

RANCHI : कोलकाता में महिला डॉक्टर से हुई दरिंदगी मामले में झारखंड के डॉक्टर्स हड़ताल पर हैं। सभी जिले में चिकित्सकों ने प्रदर्शन किया। इस कड़ी में शनिवार को राजधानी रांची के रिम्स और सदर अस्पताल के बाहर डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। वे बंगाल में हुई घटना पर न्याय के साथ साथ राज्य सरकार से सुरक्षा की भी मांग कर रहे थे। इस दौरान वे एक, दो, तीन, चार बंद करो ये अत्याचार जैसे नारे लगा रहे थे। सभी के हाथों में एक तख्ती है जिसमें हेट क्राइम्स में आरोपियों को न बचाने की अपील की गयी है। रांची के रिम्स और सदर अस्पताल के बाहर डॉक्टरों ने जोरदार प्रदर्शन कर कोलकाता की महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना पर न्याय की मांग की। सभी लोग मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट के साथ साथ क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट में संशोधन की मांग कर रहे हैं। इस

दौरान वे वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगा रहे हैं। राज्यभर में हो रहे प्रदर्शन के कारण मरीजों को परामर्श नहीं मिल पा रहा है। इमरजेंसी सेवा को छोड़ सभी प्रकार की सेवाएं ठप हैं। बता दें कि रिम्स में 13 अगस्त से ही जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (जेडीए) के बैनर तले मेडिकल के छात्र आंदोलन कर रहे हैं। इस वजह से राज्य के सबसे बड़े अस्पताल में ओपीडी बंद है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की हड़ताल को झारखंड के 11,000 से ज्यादा डॉक्टरों का समर्थन मिला है। इस वजह से रविवार की सुबह तक इमरजेंसी सेवा को छोड़ सभी प्रकार की सेवाएं ठप

हिमंता ने चम्पाई सोरेन के बीजेपी में शामिल होने के कयासों पर लगाया विराम

PHOTON NEWS DEOGHAR : शनिवार को असम के मुख्यमंत्री-सह- झारखंड बीजेपी के विधानसभा चुनाव सहप्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन के बीजेपी में आने के कयासों पर विराम लगा दिया है। देवघर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में हिमंता ने कहा कि मैं चम्पाई सोरेन के बारे में कोई लूज कमेंट नहीं करना चाहता। वे न तो मेरे संपर्क हैं और न ही पार्टी के संपर्क में हैं। बताते चलें कि शुक्रवार को राजनीति के गलियारों में इस बात की चर्चा तेज हो गई थी कि चम्पाई सोरेन झाममो के केंद्रीय नेतृत्व से नाराज चल रहे हैं और वे बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। चर्चा यह भी थी कि पीएम मोदी के झारखंड दौरा होने के समय वे बीजेपी का दाम थाम लेंगें। मीडिया से बातचीत में चम्पाई सोरेन ने यह भी कहा था कि इंतजार कीजिए। फिर मीडिया कर्मियों ने पूछा था कि अप दिल्ली जा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि मैं तो अपने समक्ष हूं।

हत्या करने वाला हो गया फरार : हिमंता ने सोशल मीडिया एक्स में पोस्ट करते हुए लिखा है कि 11 अगस्त की आधी रात को गैंगरेप के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे दोषी मोहम्मद शाहिद अंसारी ने आदिवासी पुलिस हवलदार चौहान हेम्ब्रम की हत्या कर दी और हजारीबाग मेडिकल कॉलेज से फरार हो गया। पुलिस अभी तक आरोपी को पकड़ नहीं पाई है और अबतक पीड़ित परिवार से कोई मिलने नहीं गया है। मुझे सूचना मिली है कि सुबह 4:30 बजे के आसपास पुलिस ने उनकी पत्नी और बच्चों को उनके घर से उठा लिया। कुछ ही मिनटों बाद, उन्होंने अन्य परिवार के सदस्यों को भी उठा लिया और घर को बंद कर दिया।

हेमंत पर हमला

हिमंता बिस्व सरमा ने एक बार फिर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने हेमंत सोरेन पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया है। कहा है कि हेमंत सरकार तुष्टीकरण की सीमा पार कर गई है। आदिवासी पीड़ित परिवार के साथ भी अन्याय कर रही है। इससे पहले हिमंता अपने झारखंड दौरे के दूसरे दिन बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के साथ चार्टर विमान से देवघर पहुंचे। वहां से वे सड़क मार्ग से बेंगाबाद पहुंचे, जहां उन्होंने चौहान हेम्ब्रम के परिजनों से मुलाकात की।

आतंकवाद, अतिवाद समाज के लिए गंभीर खतरा : प्रधानमंत्री

NEW DELHI : शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विश्वभर में अनिश्चितता के माहौल के बीच वैश्विक दक्षिण के देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी विभाजन और आतंकवाद जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होना चाहिए। भारत द्वारा वर्चुअल माध्यम से आयोजित तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आपसी व्यापार, समावेशी विकास और सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए ग्लोबल साउथ के साथ अपनी क्षमताओं को साझा करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चारों ओर अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया अभी तक कोविड के प्रभाव से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है। दूसरी ओर युद्ध की स्थिति ने हमारी विकास यात्रा के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। जलवायु परिवर्तन, हेल्थ सिक्योरिटी, फूड सिक्योरिटी और ऊर्जा सिक्योरिटी की चिंताएं भी हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, अतिवाद और अलगाववाद हमारे समाजों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। टेक्नोलॉजी विभाजित करना और टेक्नोलॉजी से जुड़ी नई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। पिछले सदी में बने ग्लोबल गवर्नेंस और फाइनेंशियल संस्थान इस सदी की चुनौतियों से लड़ने में असमर्थ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समय की मांग है कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर एक स्वर में एक साथ खड़े रहकर एक दूसरे की ताकत बनें।

स्वदेशी एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम के उत्पादन का रास्ता साफ

NEW DELHI : एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) परीक्षण में फायरिंग से जुड़े आकलनों की समीक्षा में भी पूरी तरह खरी उतरी है। उत्पादन का रास्ता साफ होने के बाद अब भारतीय सेना इन तोपों को अपने शस्त्रागार में शामिल करने को तैयार है। इसीलिए सेना ने 400 टोड आर्टिलरी गन सिस्टम के लिए टेंडर जारी करके निर्माण करने के लिए भारतीय कंपनियों को आमंत्रित किया है, जो भारत में विकसित और डिजाइन की गई निर्मित बंदूकें पेश करेंगी। डीआरडीओ ने भारतीय सेना में पुरानी तोपों को बदलने के लिए पूरी तरह स्वदेशी आधुनिक 155 मिमी. आर्टिलरी गन की परियोजना 2013 में शुरू की थी।

रामगढ़ में हादसा, रांची के थे मृतक, एक का रिम्स में चल रहा इलाज

पेड़ से टकराई अनियंत्रित कार, तीन की गई जान

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ जिले के बासल थाना क्षेत्र के गेगदा के निकट पतरातू-रामगढ़ फोरलेन पर सड़क हादसे में रांची के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे रिम्स में भर्ती कराया गया है। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गयी थी। इससे ड्राइवर समेत तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। रांची के धुर्वा इलाके से सफेद रंग की क्रेटा कार से चार लोग पिठोरिया के रास्ते रामगढ़ की ओर जा रहे थे। शुक्रवार की रात लगभग 12:00 बजे गेगदा (कटहल टोला) के निकट तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गयी और आम के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

जबरदस्त टक्कर के बाद सफेद रंग के वाहन के उड़ गए परखच्चे

इलाज के दौरान दो लोगों ने तोड़ा दम

सड़क हादसे में कार में सवार चालक मनीष कुमार (38 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि कार पर सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पहुंची बासल पुलिस ने सभी को पतरातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान एक घायल शुभम (28 वर्ष) पिता सुरेंद्र कुमार ने दम तोड़ दिया। अन्य दो घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रिम्स भेजा गया। पतरातू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की नर्स ने बताया कि रिम्स जाने के क्रम में एक घायल मोइउद्दीन उर्फ भोला की मौत की सूचना मिली है, जबकि घायल मृत्युंजय (27 वर्ष) पिता प्रकाश सिंह को रिम्स में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

स्ट्रांग आर्मी टारगेट पर जाकर नष्ट हो जाते हैं ये घरेलू मानव रहित ड्रोन

दुश्मनों की खैर नहीं, स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन रखेगा नजर

AGENCY NEW DELHI : अपनी सैन्य शक्ति को और प्रबल बनाने के लिए भारत स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन बना रहा है। यह ड्रोन 1,000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकेगा। इसमें घरेलू इंजन लगाया जा रहा है। ये मानव रहित ड्रोन टारगेट पर जाकर नष्ट हो जाते हैं। नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज ये ड्रोन बना रही है। इस तरह के ड्रोन रूस-यूक्रेन और गाजा में इजराइल-हमास संघर्ष में इस्तेमाल हो रहे हैं। यूक्रेन ने इनका उपयोग रूस की पैदल सेना और बख्तरबंद वाहनों को टारगेट करने के लिए बड़े पैमाने पर किया है। ड्रोन लंबे समय तक टारगेट के इलाके में उड़ सकते हैं। इनमें विस्फोटक लगा होता है। दूर बैठा कोई भी व्यक्ति इन्हें कंट्रोल कर सकता है। इससे यह दुश्मन के रडार और डिफेंस से बचकर टारगेट पर हमला कर सकता है।

- नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज कंपनी बना रही है ये ड्रोन
- लंबाई 2.8 मीटर, विंग स्पैन करीब 3.5 मीटर और वजन 120 किलोग्राम
- 1000 किमी की रेंज, रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्ध में हो रहा इस्तेमाल

कहां से आया कामिकाजे शब्द

कामिकाजे जापानी शब्द है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हमला करने वाली एक स्पेशल यूनिट से जुड़ा है। इसमें पायलट अपने लड़ाकू विमान क्रैश करके अपने साथ दुश्मनों का खात्मा कर दिया करते थे। तब से किसी भी आत्मघाती अभियान के लिए कामिकाजे नाम जुड़ गया। रिसर्च को लीड कर रहे नेशनल एयरोस्पेस लेबोरेटरीज के डायरेक्टर डॉ. अभय पाशिलकर ने कहा- भारत पूरी तरह से स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन विकसित कर रहा है। 21वीं सदी के नए युग की ये वॉर मशीने गेम-चेंजिंग हैं।

लगातार 9 घंटे की उड़ान भरने की क्षमता

भारतीय कामिकाजे ड्रोन की लंबाई करीब 2.8 मीटर और विंग स्पैन करीब 3.5 मीटर होगा। इसका वजन करीब 120 किलोग्राम होगा और 25 किलोग्राम विस्फोटक अपने साथ ले जा सकेगा। डॉ. पाशिलकर ने मीडिया को बताया- इसकी उड़ान क्षमता करीब 9 घंटे होगी यानी एक बार लॉन्च होने के बाद लगातार मंडरा सकता है। सीएसआईआर ने कामिकाजे ड्रोन पर प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरतों को पूरा करेंगे।

कला-साहित्य

लघु कथा

माधवी उपाध्याय
जमशेदपुर, झारखंड

स्नेह की छाँव!

भाई-बहन के नेह बंधन को समर्पित पावन रक्षाबंधन का पर्व समीप आ गया। रमा इस त्यौहार की व्याकुलता से प्रतीक्षा करती है। इस बार भी प्रत्येक वर्ष की भाँति राखी पर अपने भैया राकेश स्वागत की तैयारियों में जुट गई। भिन्न-भिन्न प्रकार की मिठाई बनाते ही पूरा घर उसकी मिठास में मानों पग गया था। रमा और राकेश एक ही शहर में कुछ किलोमीटर की दूरी पर रहते थे, अतः भाई-बहन एक दूसरे से मिलते-जुलते रहते थे।

देखते-देखते राखी का वो शुभ दिन भी आ गया। रमा ने खानें के लिए अपने भैया की पसंद की वो हर व्यंजन बनाई, जो भैया को बचपन से बहुत पसंद थी।

वह बहुत खुश थी। पलक झपकते ही वो शुभ मुहूर्त भी आ गया। रमा के भैया राकेश आ चुके थे। रमा नें बहुत हीं मनोयोग से राखी की थाल सजाई थी, उसमें घी का दीपक जलाकर रख दिया। अपने भैया को सुंदर आसन पर बिठाया, रोली-चन्दन का टीका लगा, फिर रक्षासूत्र बांधकर भैया की आरती उतारी, मुँह मीठा कराया और भैया की लम्बी उम्र और सुखी जीवन की ईश्वर से कामना की ...। अब भैया राकेश की बारी थी.ेराकेश अपनी प्यारी बहन रमा को उपहार स्वरुप कपड़े और कुछ रुपये हाथों में देते हुए रमा के सिर पर सस्नेह अपनें हाथों को फेरा, किंतु इस बार भैया के दिये उपहार में वो प्यार नहीं झलक रहा था, जो रमा को बचपन से मिलता आया था। रमा अनुभव कर रही थी कि भैया के दिये इस महंगे उपहार में वो बात नहीं थी, जो बचपन में दिये दस रुपये के नोट में छलकता थो कहीं न कहीं रमा भाई-बहन के स्नेह के इस अटूट बंधन में कुछ अधूरेपन का अहसास कर रही थी।

रमा भैया के दिये उपहार लेते हुए बोली... भैया! यह उपहार तो क्षणिक खुशी देता है, मुझे तो बस आपसे आजीवन वो बालपन वाला स्नेह की छाँव चाहिए, कहते हुए रमा की ऑखें भर आई...!

कैनवास-कूची

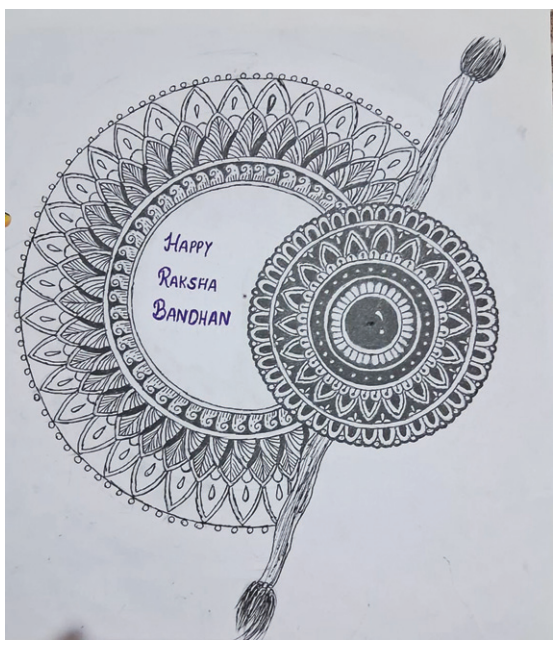

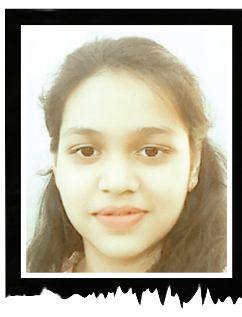

आकांक्षा उपाध्याय
गोरखपुर

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बर्फीले पहाड़ व सुंदर झील, स्वर्ग से कम नहीं लद्दाख

घुमक्कड़ की पाती यह देश की सबसे सुंदर और सुकून देने वाली जगहों में गिनी जाती है। इस जगह पर घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है। इस जगह पर आकर बर्फीले पहाड़ और खूबसूरत झीलों को देखना सैलानियों के मन को खुश कर देता है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

लद्दाख को अपनी खूबसूरती के साथ-साथ साहसिक गतिविधियों के लिए भी जाना जाता है। इस जगह पर आपको पहाड़ की जो प्राकृतिक छटा और खूबसूरती दिखाई देती है, वह कहीं और नहीं मिलेगी। यह देश की सबसे सुंदर और सुकून देने वाली जगहों में गिनी जाती है। इस जगह पर घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है। इस जगह पर आकर बर्फीले पहाड़ और खूबसूरत झीलों को देखना सैलानियों के मन को खुश कर देता है। लद्दाख की यात्रा में आपको कई मंदिरों और मठों को भी देखा जा सकता है। रोड ट्रिप के लिए लद्दाख सबसे अच्छा माना जाता है। यही वजह है कि इस जगह पर जाना हर किसी का सपना होता है। इस जगह पर जाना मेरा भी हमेशा से ही एक सपना था। कई बार प्लान हुआ, पर किसी ना किसी वजह से कैंसिल हो गया। लेकिन इस बार तो मुझे जाना ही जाना था, इसलिए एक सप्ताह पहले से ही इस जगह पर जाने की मैंने तैयारी शुरू कर दी।

लद्दाख का इतिहास बहुत ही दिलचस्प है। आपको बता दें कि यह डोगरा शासन के तहत आया और 1846 में जम्मू और कश्मीर राज्य में शामिल किया गया था। लद्दाख की संस्कृति और कार्य प्रणाली अभी भी तिब्बत से काफी मिलती जुलती है। चीन-सिख युद्ध जो कि 1841-42 के दौरान हुआ था, उसमें किंग साम्राज्य ने लद्दाख पर हमला किया था, लेकिन चीनी-तिब्बती सेना हार गई थी। वर्तमान में यह भारत का अभिन्न अंग है और देश के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों में शुमार किया जाता है।

पर्यटन के साथ साथ लद्दाख की संस्कृति काफी विविधतापूर्ण और समृद्ध है। इस जगह का खानपान, पर्व और त्यौहार सभी को पसंद आती है। लोक कलाओं की दृष्टि से देखा जाए तो लद्दाखी लोग संगीत, साहित्य व नृत्य में काफी प्रतिभाशाली हैं। यहाँ के पर्व और त्योहारों के अवसर पर यहाँ के लोग अपनी कलाओं का भरपूर प्रदर्शन करते हैं। लद्दाख प्रदेश पर तिब्बती बौद्ध धर्म के अलावा भी अन्य सांस्कृतिक प्रभाव दिखाई देता है। मुझे भी यह देखना था।

ऐसे पहुंचें लेह-लद्दाख

दिल्ली से लेह की सीधी उड़ान लगभग 1.5 घंटे लेती है। हम शाम को ही लेह पहुंच गए फिर वहाँ से लद्दाख पहुंच गए। इस जगह पर घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है। इस जगह पर आकर लोग सबसे ज्यादा रोड ट्रिप करना पसंद करते हैं। जिसमें कार राइडिंग से लेकर बाइकिंग तक की साहसिक गतिविधियाँ शामिल हैं। लद्दाख के गांव बहुत ही खूबसूरत हैं, लोग इन गाँवों को देखने के लिए जाते हैं। होमस्टे में रुकना पसंद करते हैं, खानपान, जीवन से परिचित होते और फोटोग्राफी करते हैं। हमने भी इस जगह की जमकर फोटोग्राफी की फिर पैंगोंग झील की तरफ बैठ गए।

लेह पैलेस देखना न भूलें

वापस लौटे तो हमने लेह पैलेस देखने का प्लान बनाया। लेह पैलेस लेह-लद्दाख का एक प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है, जहां हर साल लाखों लोग आते हैं। यह हमारे देश भारत की बड़ी ऐतिहासिक सम्पदाओं में से एक है। इस जगह की खूबसूरती देखते ही बनती है। इस भव्य और आकर्षक संरचना के बारे में जो जानकारी मिलती है उसके मुताबिक इसका निर्माण राजा सेंगगे नामग्याल ने 17 वीं शताब्दी में एक शाही महल के रूप में करवाया था और इस हवेली में राजा और उनका पूरा राजसी परिवार रहता था। लेह पैलेस अपने समय में बनाई गई नगर की सबसे ऊँची इमारतों में से एक है। इस महल में कुल नौ मंजिलें हैं, जिससे पूरे शहर का खूबसूरत और मनोरम दृश्य दिखाई देता है।

मन मोह लेगी पैंगोंग झील

हिमालय में लेह-लद्दाख के पास स्थित पैंगोंग झील देश के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में गिनी जाती है। इस जगह की खूबसूरती बहुत बेमिसाल है, जिसकी वजह से इस जगह को देखने के लिए हर साल लाखों लोग पहुंचते हैं। इस जगह पर कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है, जिसकी वजह से इस झील को काफी लोकप्रियता मिली है। यह झील अपनी प्राकृतिक सुंदरता, क्रिस्टल क्लीयर वॉटर और खूबसूरत पहाड़ियों की वजह से जानी जाती है। इसे देखना हमेशा-हमेशा के लिए हमारे यात्रा अनुभवों में रह जाता है। लद्दाख का तापमान हमेशा -5 डिग्री सेल्सियस से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। सर्दियों में यह झील तो पूरी तरह से जम जाती है। इसकी वजह से इस जगह पर हमेशा सर्दी रहती है और साहसिक पर्यटन के अनुकूल बना जाती है।

नदी ओढ़ लेती है बर्फीली चादर

हमारा मन चादर ट्रेक जाने का भी था। यह एक ऐसा ट्रेक है, जिसे देखने और जानने की इच्छा हर घुमक्कड़ के मन में रहती है। सैलानी इस जगह को देखने और ट्रेक करने के लिए दुनिया के कोने-कोने से आते हैं। इस ट्रेक को चादर ट्रेक इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहाँ बहने वाली जांस्कर नदी सर्दियों के दौरान नदी से बर्फ की सफेद चादर में बदल जाती है, जिस पर ट्रेकिंग की जाती है। यह ट्रेक लेह-लद्दाख के सबसे कठिन और सबसे साहसिक ट्रेक में से एक है। बावजूद इसके लोगों का क्रेज कम नहीं होता, लोग इस जगह पर चलना और डर और साहस का अनुभव एक साथ करना पसंद करते हैं।

पहाड़ी पर आसानी से चढ़ सकेंगे

इस जगह से लौटने के बाद हमने तय किया कि सुबह मैग्नेटिक हिल देखने के लिए जाएँगे। लद्दाख स्थित मैग्नेटिक हिल को ग्रेविटी हिल भी कहा जाता है और यह देश के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। यह जगह लेह शहर से तकरीबन 30 किमी दूर समुद्र तल से तकरीबन 14,000 फीट की ऊंचाई पर की ऊँचाई पर स्थित है। इस जगह पर ऐसा पाया गया है कि वाहन गुरुत्वाकर्षण बल या फिर किसी और वजह से अपने आप पहाड़ी की तरफ बढ़ते हैं। लद्दाख में मैगनेटिक हिल का यह रहस्य दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है। इसी जगह पर पहाड़ी के पूर्वी हिस्से में तिब्बत से निकलने वाली सिंधु नदी बहती है जो कि लद्दाख के सैलानियों के लिए एक खूबसूरत पड़ाव है। इस जगह पर नदी की खूबसूरती को देखना मन को तरोताजा कर देता है।

फुकताल मठ में मिलेगा सुकून

हमारा आखिरी गंतव्य फुकताल मठ था। फुकताल मठ को फुगताल मठ के नाम से भी जाना जाता है। यह मठ लद्दाख में जांस्कर क्षेत्र के दक्षिणी और पूर्वी भाग में स्थित है। फुकताल मठ उन उपदेशकों और विद्वानों की जगह मानी जाती है जो प्राचीन काल में इस जगह पर रहते थे। बताया जाता है कि यह जगह ध्यान करने की जगह हुआ करती थी। साथ ही साथ इस जगह पर शिक्षा और मनोरंजन से जुड़ी तमाम तरह की गतिविधियाँ आयोजित की जाती थीं। यह एकमात्र ऐसा मठ है जहाँ पर पैदल यात्रा करके पहुंचा जा सकता है इसलिए ट्रेकिंग से प्रेम करने वाले लोगों के लिए एक बहुत खास जगह बन गई है। इस मठ में मानव जीवन और उससे जुड़े अच्छे कामों के लिए प्रार्थना की जाती है। हमने भी इस जगह पर प्रार्थना की और वापस लौट आए।

सितंबर-अक्टूबर में जाना बेहतर

आप भी इस जगह पर जाना चाहते हैं तो बता दूं कि लद्दाख का नाम ऑल टाइम फेवरेट डेस्टिनेशन की लिस्ट में आता है, इस जगह पर हर मौसम का अपना ही मजा है। परंतु सितंबर से अक्टूबर में लद्दाख में कई तरह के पर्व और त्योहार आते हैं। इस दौरान यदि आप यात्रा करते हैं तो घूमने के साथ कई फेस्टिवल का लुत्फ भी उठा पाएंगे।

सुधा गोयल 'नवीन'

बचपन की यादें

कुछ मीठी कुछ कड़वी यादें, नहीं भूलती बचपन की यादें।
शाम-सबेरे छत पर जाना, मुक्त कंठ से गाना गाना
कोयल के स्वर से स्वर मिलाना, फिर खुद से शरमा जाना।

गुड़िया की शादी में भैया का,
बारात लेकर आना।
हल्दी-मेहंदी-ज्यौनार का, घर घर न्यौता भिजवाना,
चूड़ी बिन्दी लहंगा चूनर का,
दहेज भी जुटाना,
फिर विदा की घड़ी में, बाल्टी भर-भर आँसू बहाना,
फिर
भईया का मुस्काना।

कड़ी घूप में भईया के संग, कैथा-आम औह्न इमली खाना,
सूखे पत्तों की खड़खड़ में
हंसना और बस हंसते जाना।

रक्षाबंधन पर भैया के माथे तिलक लगाना, लेकर उपहार भैया से, उसको खूब चिढ़ाना,

दादी औ मां का हम बहनों पर खूब रौब जमाना,
भैया को आंचल में छुपा कर, लाड़ करते जाना।

सारा बदला लेते थे हम, रक्षाबंधन जब आता ।
पूछ हमारी खूब होती और भैया झुंझलाता।

कमरे में सिगड़ी जला, जाड़ा दूर भगाना,
समय बिताने को भैया संग, नाटक का प्लान बनाना,
देश की खातिर कुछ करने मरने की, नेता बन कसमें खाना।
कुछ मीठी कुछ कड़वी यादें, नहीं भूलती बचपन की यादें।

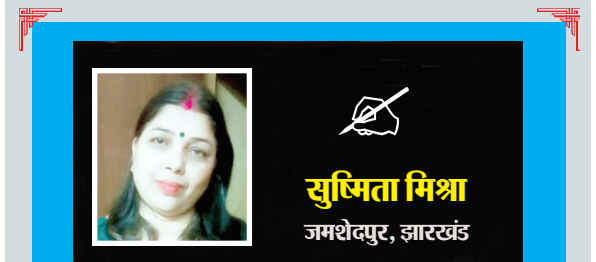

सुष्मिता मिश्रा
जमशेदपुर, झारखंड

राजा भैया

भाई-बहन के स्नेह का त्योहार
रक्षाबंधन कहलाता है
हर वर्ष सावन मास की
पूर्णिमा को यह आता है।

रोली, मिठाई, राखी से
बहन सजाती सुंदर थाल
लाल तिलक से खिल उठता है
राजा भैया का सुंदर भाल।

प्रेम के अनमोल धागे से
बहन सजाती भाई की कलाई
दीर्घायु का आशीष देकर
उसे खिलाती पकवान-मिठाई।

बहन की रक्षा करने का
भाई भी करता है वादा
युगों-युगों तक कायम रहे
सनातनी की यह मर्यादा।

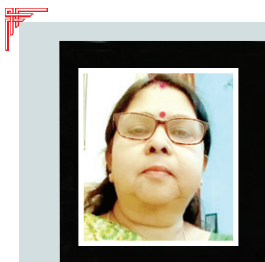

पद्मा मिश्रा
जमशेदपुर

अनुराग का दीपक

आज श्रावण पूर्णिमा है, .मधुर मंगल गान गाओ,
कर समर्पित स्नेह-मन का, भावना के सुर सजाओ।
कर्म ही पथ का बने संबल।
सफलता चरण चूमें,
भ्रातृ तेरे द्वार पर निशि दिन,
निरंतर, .भाव भीनी आरती के गीत गूँजें,
है यही आशीष की बेला, सु-मंगल -गान गाओ।
श्रावणी राखी सुशोभित हो कलाई,
बहन के अनुराग का दीपक है भाई,
हों शताधिक वर्ष जीवन के, ह्रदय
की प्रार्थना में स्वर मिलाओ,
हो सुसज्जित भाल पर,यह,
कुमकुमी-टीका,
अमर हो राखी बहन की, प्यार भाई का।
बांधकर रिश्तों का बंधन .एक नया रिश्ता बनाओ।
दूर होकर भी नहीं जो टूटती है,
भाईयों के प्यार को जो गूंथती है,
बांधती हूँ नेह-नाते,विश्वास का
आँगन सजाओ,
आज श्रावण पूर्णिमा है, मधुर मंगल गान गाओ।।

BRIEF NEWS

मां काली सेना का भव्य जागरण आज

RANCHI : मां काली सेना रांची महानगर के सौजन्य से सावन की अंतिम सोमवारी के उपलक्ष्य पर रविवार को अल्बर्ट एक्का चौक में जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस भव्य जागरण को स्काई इवेंट के ऑर्गेनाइजर राकेश सोनी के जरिये किया जा रहा है। मां काली सेना के प्रवक्ता नमन भारतीय ने शनिवार को बताया कि इस बार रामगढ़, टाटानगर और बोकारो के कलाकारों द्वारा भव्य जागरण एवं टाटानगर के नामी कलाकार पधार रहे हैं। इसमें जीवंत झांकियां भी होंगी। यह जानकारी सेना प्रमुख भोलू सिंह ने दी।

महिला पर्यवेक्षिका की सोनाहातू परियोजना में प्रतिनियुक्ति का आदेश

RANCHI : रांची सदर की महिला पर्यवेक्षिका अंजना दास के विरूद्ध अवैध वसूली करने की प्राप्त शिकायत पर उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा के जरिये शनिवार को कार्रवाई की गयी है। उपायुक्त की ओर से वस्तुस्थिति की गम्भीरता को देखते हुए तत्काल महिला पर्यवेक्षिका की सोनाहातु परियोजना में प्रतिनियुक्ति का आदेश दिया गया है इससे पहले अवैध वसूली करने की शिकायत प्राप्त होने पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के जरिये महिला पर्यवेक्षिका अंजना दास से कारण पृच्छा की गयी थी, जो कि असंतोषप्रद पाया गया। साथ ही बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सदर से स्पष्ट मन्तव्य के साथ मांगा गया प्रतिवेदन भी निर्धारित अवधि तक प्राप्त नहीं हुआ। महिला पर्यवेक्षिका पर लगाए गए आरोप संदेहास्पद प्रतीत होने पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सदर को पत्र प्राप्ति के 12 घण्टे के अन्दर स्पष्ट मन्तव्य के साथ जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का आदेश उपायुक्त की ओर से दिया गया है। सीडीपीओ, रांची सदर को तत्काल प्रभाव से संबंधित महिला पर्यवेक्षिका को अविलम्ब प्रतिनियुक्त परियोजना में योगदान के लिए विरमित करने का आदेश भी दिया गया है।

रांची विवि में इंटरमीडिएट में नामांकन 24 से

RANCHI : रांची विवि अंतर्गत इंटरमीडिएट में नामांकन प्रक्रिया 24 अगस्त से शुरू होगी। इसके लिए 24 अगस्त को एडमिशन पोर्टल खोला जायेगा। शनिवार को रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने एडमिशन को लेकर नोटिफिकेशन जारी करवाया। बता दें कि इससे पहले एबीवीपी ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा का लगभग देढ़ घंटे तक घेराव किया था। इस दौरान नामांकन प्रक्रिया शुरू नहीं होने से गुस्साए एबीवीपी के सदस्यों तथा विद्यार्थियों ने विवि प्रशासन के खिलाफ जम कर नारेबाजी भी की थी। सभी इंटर में नामांकन प्रक्रिया शुरू करने के लिए धरने पर बैठ गए थे। अंत में कुलपति को नोटिफिकेशन जारी करना पड़ा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से परिजनों को दिया गया आश्वासन

हवलदार चौहान हेम्ब्रम के आश्रित को मिलेंगे 1.29 करोड़ और नौकरी

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हजारीबाग जिला बल के हवलदार स्वर्गीय चौहान हेम्ब्रम के परिजनों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने हवलदार चौहान हेम्ब्रम की पत्नी जोमोती देवी, पुत्र महेश हेम्ब्रम और पुत्री स्वाति हेम्ब्रम सहित अन्य परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की।

सीएम ने हवलदार चौहान हेम्ब्रम के परिजनों को भरोसा दिलाया कि उन्हें हर हाल में न्याय मिलेगा। मुख्यमंत्री ने परिजनों से कहा कि राज्य सरकार की ओर से डीजीपी सहित वरीय पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि दोषी को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि आश्रित को सरकारी नौकरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हवलदार स्वर्गीय चौहान हेम्ब्रम के परिवार में एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने परिजनों से कहा कि जल्द ही अनुकंपा के आधार पर वर्ग 3 या 4 में नियुक्ति के लिए सभी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इस निमित्त अधिकारियों के निर्देश दिया जा चुका है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करते चौहान हेम्ब्रम के परिजन

इस प्रकार दी जाएगी राशि

हजारीबाग जिलाबल के हवलदार स्व चौहान हेम्ब्रम के कर्तव्य के दौरान मृत्यु होने के बाद राज्य सरकार द्वारा इनके आश्रित को लगभग 1 करोड़ 29 लाख रुपये दिए जाएंगे। देय राशि इस प्रकार हैं–गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के संकल्प संख्या– 4179 / दिनांक 09 जुलाई 24 के आलोक में 60 लाख रुपये क्षतिपूर्ति भुगतान, एसबीआई के माध्यम से किए गए पुलिस सैलरी पैकेज का लाभ 50 लाख रुपए, उपादान की राशि 11 लाख 25 हजार रुपये, उपार्जित अवकाश वेतन 5 लाख 62 हजार 500 रुपए, भविष्य निधि की राशि 1 लाख रुपये , ग्रुप बीमा की राशि 37 हजार रुपये, परोपकारी कोष से आवश्यक वित्तीय सहायता 30 हजार रुपये एवं पारिवारिक पेंशन 9 हजार रुपये। बता दें कि गिरिडीह जिले के ताराटांड़ थाना क्षेत्र के पिंडाटांड़ गांव के निवासी चौहान हेम्ब्रम हजारीबाग जिलाबल में हवलदार के पद पर कार्यरत थे। ड्यूटी (कर्तव्य) के दौरान 12 अगस्त 2024 को एक अपराधी द्वारा उनकी हत्या कर दी गई थी।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की तारीख का विरोध

सीएम आवास घेरने निकले छात्रों को पुलिस ने मोरहाबादी में रोका

मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जाते छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : जेएसएससी के द्वारा सीजीएल परीक्षा की तारीख की घोषणा के बाद एक बार फिर छात्र आक्रोशित हो गए हैं। छात्रों ने 21 और 22 सितंबर को घोषित परीक्षा तिथि को कंफर्म करते हुए उस दिन आयोजित होने वाली दूसरी परीक्षाएं स्थगित करने की मांग की है। इस मांग के समर्थन में शनिवार को रांची के मोरहाबादी बापू वाटिका के समीप बड़ी संख्या में छात्रों का जुटान हुआ और यहां से छात्रों का समूह मुख्यमंत्री आवास घेराव करने के लिए निकल पड़ा। हालांकि इस दौरान मोरहाबादी के पास पुलिस बैरिकेडिंग के समीप छात्रों को रोक दिया गया। इसके बाद नाराज छात्र सड़क पर बैठ गए और सरकार और जेएसएससी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान विभिन्न जिलों से रांची पहुंचे छात्रों ने कहा कि सरकार साजिश के तहत जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की ऐसी तारीख निकाल रही है, ताकि छात्र परीक्षा देने से वंचित रह जाएं। छात्रों ने कहा कि जिस दिन सीजीएल परीक्षा लेने की घोषणा की गई है उसी दिन अन्य चार महत्वपूर्ण परीक्षाएं भी हैं।

आरपीएफ ने शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नामकुम स्टेशन से एक आरोपित को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम विक्की कुमार है। वह बिहार के गया का रहने वाला है। इसके पास से शराब की 11 बोतलें ब्लेंडर प्राइड व्हिस्की बरामद की गईं है।

आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक रवि शेखर ने शनिवार को बताया कि रांची रेल मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में नामकुम स्टेशन पर जांच की गयी। जांच के दौरान देखा गया कि एक यात्री गाड़ी संख्या 18624 हटिया इस्लामपुर एक्सप्रेस ट्रेन में सफेद रंग के कार्टून के साथ चढ़ा। संदेह के आधार पर उसे रोका गया और कार्टून की जांच की गई। जांच के दौरान कार्टून से 11 बोतल ब्लेंडर प्राइड व्हिस्की बरामद की गईं। इसके बाद विक्की कुमार को गिरफ्तार किया गया । पूछताछ में उसने बताया कि सभी शराब की बोतलें उसने नामकुम से खरीदी थीं और बिहार में अधिक कीमत पर बेचने जा रहा था।

आरपीएफ की गिरफ्त में आरोपी।

बकरी बाजार में दुर्गा पूजा पंडाल बनाने के लिए किया गया भूमि पूजन

RANCHI : भारतीय युवक संघ ने बकरी बाजार में दुर्गा पूजा पंडाल बनाने के लिए शनिवार को भूमि पूजन किया। राजधानी रांची में 66 वर्षों से भारतीय युवक संघ, बकरी बाजार परिसर में दुर्गा पूजा महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाता आ रहा है । इस बार भारतीय युवक संघ के जरिये पहले से भी भव्य और विशाल पंडाल का स्वरूप देखने को मिलेगा। भारतीय युवक संघ के संरक्षक शंभू अग्रवाल ने पूजा स्थान पर भूमि पूजन कर पूजा पंडाल के निर्माण का श्रीगणेश कराया। इस अवसर पर आचार्यो के द्वारा विधिवत भगवान विश्वकर्मा का आह्वान करते जरिये हुए भूमि पूजन किया गया। शनिवार से पूजा पंडाल का निर्माण प्रारंभ हो गया। सचिव निर्मल मोदी ने बताया की पंडाल का स्वरूप काल्पनिक है एवं राजस्थानी थीम पर आधारित है।

रांची में सेक्स रैकेट गिरोह के खिलाफ स्पाई सिस्टम एक्टिव, मची खलबली

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में संगठित तरीके से चलाए जा रहे अनैतिक देह व्यापार के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए रांची पुलिस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। यही वजह है कि 3 महीने के भीतर 70 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जो इस गंदे धंधे में शामिल थे। अब रांची पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार को पूरी तरह से खत्म करने के लिए स्पाई सिस्टम एक्टिव किया है। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि राजधानी रांची में पश्चिम बंगाल से लड़कियों को लाकर बड़े पैमाने पर देह व्यापार करवाया जा रहा है। 70 से ज्यादा की गिरफ्तारी के बावजूद पुलिस को यह सूचना मिली है कि अभी भी अनैतिक देह व्यापार के कारोबारी रांची में एक्टिव हैं। ऐसे में अनैतिक देह व्यापार में शामिल लोगों पर पूरी तरह से नकेल कसने के लिए रांची पुलिस ने अपने स्पाई नेटवर्क को भी एक्टिव कर दिया है। सादे लिबास में पुलिसकर्मियों और कुछ मुखबिरों को रांची एसएसपी ने एक्टिव किया है। स्पाई नेटवर्क के जरिए पुलिस रांची के वैसे सभी संभावित ठिकाने जहां से सेक्स रैकेट का संचालन किया जा रहा है या होने की संभावना है, उन सभी जगह पर नजर बनाए हुए है। जैसे ही स्पाई के द्वारा सूचना दी जा रही है, पुलिस त्वरित रूप से उस ठिकाने पर छापेमारी कर रही है। 14 अगस्त को स्पाई नेटवर्क के द्वारा मिली सूचना के आधार पर ही अरगोड़ा थाना क्षेत्र के होटल मौर्या ने रेड कर छह लड़कियों सहित 10 को गिरफ्तार किया गया था। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि राजधानी से हर हाल में इस गंदे धंधे पर ब्रेक लगाया जाएगा। पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि राजधानी के सभी थाना प्रभारी को यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में पड़ने वाले होटलों की नियमित चेकिंग करें।

होटल मालिकों को भी चेतावनी

रांची पुलिस के द्वारा सभी छोटे-बड़े होटल मालिकों को भी यह निर्देश दिया गया है कि वह अपने यहां किसी भी तरह का अनैतिक देह व्यापार न होने दें।सेक्स रैकेट में पिछले दिनों पकड़ी गई लड़कियों से पूछताछ से यह खुलासा हुआ है कि होटल मालिक ही उन्हें कोलकाता और दूसरे शहरों से अनैतिक देह व्यापार करवाने के लिए रांची बुलाते हैं। ऐसे आधा दर्जन से अधिक होटल मालिकों और उनके मैनेजर की गिरफ्तारी हाल के दिनों में की गई है। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर अनैतिक देह व्यापार में कोई होटल का मालिक और मैनेजर शामिल पाया जाता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

संस्कृत साहित्य में निबद्ध श्लोक भारतीय ज्ञान परंपरा के संवाहक : धनंजय द्विवेदी

PHOTON NEWS RANCHI : संस्कृत विभाग, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची, संस्कृत भारती, रांची और झारखण्ड संस्कृत अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संस्कृत सप्ताह के दूसरे दिन शनिवार को श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति युवाओं की रुचि और ज्ञान को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस प्रतियोगिता में श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची, रांची विश्वविद्यालय, रांची, मारवाड़ी कालेज, राची तथा रांची महिला महाविद्यालय, रांची के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आरम्भ में श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने श्लोकों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत साहित्य में निबद्ध श्लोक भारतीय ज्ञान परंपरा के संवाहक हैं। मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. राहुल कुमार ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने गीता, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, कादम्बरी, रघुवंश से श्लोकों का चयन किया और उनका पाठ किया। विद्यार्थियों ने शुद्धता, भाव और गहराई के साथ श्लोकों का उच्चारण किया जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। निर्णायक मंडल में डॉ. धनंजय वासुदेव द्विवेदी, डॉ. श्रीमित्रा, सोनी कुमारी एवं पृथ्वीराज सिंह सम्मिलित थे। निर्णायकों ने श्लोकों के उच्चारण, ध्वनि, शुद्धता, और उनके अर्थ की व्याख्या के आधार पर प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया।

कार्यक्रम में उपस्थिति अतिथि। ● फोटोन न्यूज

कांग्रेस नीति और सिद्धांतों की पार्टी : राजेश ठाकुर

RANCHI : कांग्रेस नीति और सिद्धांतों की पार्टी है। संगठन में आलाकमान का निर्णय सर्वोपरि और हमेशा संगठन की बेहतरी के लिए होता है। ये बात शनिवार को प्रदेश कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कही। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर केशव महतो कमलेश एवं विधायक दल नेता पद पर डॉ. रामेश्वर उरांव के मनोनयन का स्वागत किया।ठाकुर ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर काम करने का मौका देने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर के प्रति आभार जताया।

मकतब का निजाम समय की बड़ी जरूरत : आजाद

PHOTON NEWS RANCHI : वर्तमान हालात में मुसलमानों के लिए जरूरी है कि वे अगली पीढ़ियों को धर्म से जोड़े रखने की पद्धति पर विचार करें और ऐसा रास्ता अपनाएं कि हमारे बच्चे दीनी, दुनियावी शिक्षा में आगे रहें। उनकी धार्मिक पहचान भी पूरी तरह स्थापित हो। सबसे उपयोगी और परीक्षित विधि मकतब की प्रणाली है। उपरोक्त उल्लिखित हाफिज मुहम्मद आजाद हुसैन पैगाम तालीम-ए-कुरान केलिग्राफी मस्जिद अल-हरम मक्का ने कहा। हाफिज आजाद मक्का से दो वर्ष बाद शनिवार को उन्होंने पैगाम तालीम कुरान के अंदर में चलने वाले विभिन्न मकतब में पठन-पाठन की समीक्षा की। अल्हम्दुलिल्लाह, शिक्षा और प्रशिक्षण प्रणाली को उत्कृष्ट पाया, छात्रों के प्रति शिक्षकों का अच्छा व्यवहार देखा और शिक्षकों का अच्छा व्यवहार भी देखा।

सीएम हेमंत सोरेन की कोर्ट में उपस्थिति से छूट वाली याचिका पर सुनवाई टली

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समन की अवहेलना से जुड़े मामले में उनकी ओर से दाखिल व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट से संबंधित याचिका पर शनिवार को सुनवाई टल गई। विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की कोर्ट नहीं बैठी। इस कारण सुनवाई टल गई। इससे पूर्व 22 जुलाई को ईडी की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया है। हेमंत सोरेन की ओर से उनके अधिवक्ता ने पांच जुलाई को उक्त मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति में छूट से संबंधित याचिका दाखिल की है। मामले में हेमंत सोरेन के खिलाफ उपस्थिति को लेकर समन जारी है। तीन जून को सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा ने यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया था।

राजधानी के सभी इलाकों में पिंक ऑटो परिचालन को लेकर ट्रैफिक एसपी को दिया गया निर्देश

शहर में पिंक ऑटो नेटवर्क को लेकर डीजीपी एक्टिव

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में महिला यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी। डीजीपी के निर्देश पर राजधानी में चलने वाले पिंक ऑटो का पूरे शहर में विस्तार किया जा रहा है। पिंक ऑटो राजधानी में चलने वाली एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें चालक से लेकर यात्री तक सभी महिलाएं होती हैं। अब तक राजधानी रांची के एक ही रूट में चलने वाली पिंक ऑटो का नेटवर्क अब पूरी राजधानी में दिखेगा। रांची के सभी रूट पर पिंक ऑटो का परिचालन करने के लिए खुद डीजीपी अनुराग गुप्ता ने निर्देश जारी किए हैं। फिलहाल राजधानी के अरगोड़ा इलाके में ही पिंक ऑटो चलती हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पिंक ऑटो के परिचालन को लेकर बेहद ही महत्वपूर्ण आदेश जारी किए हैं। डीजीपी के अनुसार राजधानी के सभी इलाकों में पिंक ऑटो का परिचालन को लेकर रांची के ट्रैफिक एसपी को यह निर्देश दिया गया है कि वह खासकर महिला कॉलेज, शिक्षण संस्थान के साथ-साथ वैसे स्थान जहां महिलाओं की संख्या अधिक है, वहां पिंक ऑटो चलाने के लिए परमिट जारी करें। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि पिंक ऑटो के ठहराव के लिए पुलिस को सभी स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और कार्यालय के बाहर पार्किंग की व्यवस्था करने का भी निर्देश जारी किया गया है। राजधानी के सभी मार्गों पर पिंक ऑटो के परिचालन से कामकाजी महिलाओं के साथ-साथ स्कूल और कॉलेज आने-जाने वाली लड़कियों के लिए बेहद सुविधा हो जाएगी।

महिलाओं में खुशी

पिंक ऑटो को लेकर किए गए डीजीपी के पहल के बाद महिला ऑटो ड्राइवर में खुशी का माहौल है। सभी ने एक स्वर में डीजीपी अनुराग गुप्ता को धन्यवाद दिया है। महिला ऑटो ड्राइवर के अनुसार उनके ऑउटो में सिर्फ महिलाएं बैठती हैं। कई बार पुरुष ऑटो में बैठकर जाने में महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन अगर हर रूट में पिंक ऑटो चलेंगी तो महिलाओं और घर के बेटियों को स्कूल, कॉलेज और अपने कार्यालय जाने में बेहद आसानी होगी।

रोजगार में होगी बढ़ोतरी

पिंक ऑटो चालकों का मानना है कि पूरे शहर में पिंक ऑटो के विस्तार से रोजगार में भी बढ़ोतरी होगी। महिला ऑटो ड्राइवर के अनुसार अगर उन्हें स्कूल कॉलेज के पास पार्किंग की व्यवस्था मिलती है तो वह प्राथमिकता के आधार पर छुट्टी के समय स्कूल और कॉलेज के बाहर मुस्तैद रहेंगी। वहां से बाहर निकलने वाली लड़कियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुचांया जाएगा।

क्या है पिंक ऑटो कांसेप्ट

राजधानी रांची के एक सीमित इलाके में पिंक ऑटो का परिचालन होता है। पिंक ऑटो एक ऐसी यातायात व्यवस्था है जिसमें ऑटो की ड्राइवर भी महिलाएं होती हैं और उसमें बैठने वाला हर यात्री भी महिला होती हैं। पिंक ऑटो में पुरुषों का बैठना मना है।

'राज्य सरकार जल्द करे विस्थापन आयोग का गठन'

RANCHI : माकपा ने राज्य सरकार से विस्थापन आयोग का गठन जल्द करने की मांग की है। माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा झारखंड में विस्थापन आयोग का गठन किए जाने की घोषणा को लागू किए जाने का आग्रह किया है। माकपा ने पहले ही इस घोषणा का स्वागत करते हुए पिछले विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए थे। पार्टी ने मुख्यमंत्री से मांग की थी कि इस विस्थापन आयोग को केवल खनन मामलों तक ही सीमित नहीं रखा जाए। क्योंकि, झारखंड में खनन मामलों के अलावा एचईसी, बोकारो स्टील प्लांट सहित कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उद्योगों की स्थापना सहित कई डैम और सिंचाई परियोजनाओं और सेना की छावनियों के निर्माण सहित कई अन्य परियोजनाओं से भी किसानों का परिवार सहित विस्थापन हुआ है।

सीडीपीओ सहित सात महिला पर्यवेक्षिकाओं से जबाव तलब

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अनुश्रवण में लापरवाही पर उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को कार्रवाई की है। योजना के अनुश्रवण में लापरवाही एवं लक्ष्य अनुरूप उपलब्धि प्राप्त नहीं करने पर रांची सदर की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित सात महिला पर्यवेक्षिकाओं को शो-कॉज किया गया है। साथ ही संतोषप्रद स्पष्टीकरण पाये जाने तक सभी का वेतन भी स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना अन्तर्गत शहरी क्षेत्र में लाभुकों की संख्या अनुरूप आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी संबंधित अंचल अधिकारी के पास जमा नहीं होने की सूचना पर सत्यापन कराया गया। वार्ड-36 अरगोड़ा एवं नगड़ी अंचल के सत्यापन के क्रम में सेविकाओं द्वारा इंट्री हुए आवेदन को अपने पास रखने, अर्हत्ताधारी लाभुकों का सर्वेक्षण नहीं करने तथा महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा क्षेत्र भ्रमण नहीं किए जाने का मामला संज्ञान में आया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गयी है। सदर सीडीपीओ सहित सात महिला पर्यवेक्षिका को शो-कॉज करते हुए सभी से स्पष्टीकरण की मांग की गयी है कि किन परिस्थितियों में योजना का अनुश्रवण नियमित रूप से नहीं किया गया।

वेतन पर लगी रोक

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा।

समाचार सार

जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में लगा राखी मेला

JAMSHEDPUR : मानगो स्थित जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में शनिवार को एक्टिविटी सेल की ओर से राखी मेला लगाया गया। सेल की डॉ. अर्चना कुमारी गुप्ता, प्रो. सुदेष्णा बनर्जी व प्रो. मलिका हेजाब के मार्गदर्शन में लगे मेले का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. सत्यप्रिय महालिक ने किया। प्रदर्शनी में कॉलेज की छात्रा भवानी सिंह, सोनिया सिंह, लक्ष्मी कुमारी, निकिता कुमारी, सबा परवीन व तसनीमा जबीं ने स्टॉल लगाए थे। इस दौरान कॉलेज की महिला शिक्षिकाओं ने प्राचार्य डॉ. सत्यप्रिय महालिक को रक्षा सूत्र बांधा। प्राचार्य ने सभी को रक्षा का वचन और शुभकामना दी। यह आयोजन विद्यार्थियों के रचनात्मक कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया, जिसे सभी ने सराहा। मेले में उपस्थित होकर कॉलेज के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. पीके पाणि, डॉ. वीके मिश्रा, डॉ. अनिल चंद्र पाठक, डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, प्रो. एससी दास, डॉ. मोनीदीपा दास, प्रो. कुमारी प्रियंका, प्रो. शोभा मुवाल, डॉ. सुरभि सिन्हा, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. सुनीता गुड़िया, प्रो. हरेंद्र पंडित, डॉ. विद्या राज, डॉ. संजू, डॉ. मीनाक्षी वर्मा आदि ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाया।

घरेलू महिलाओं ने लगाई फैशन प्रदर्शनी

JAMSHEDPUR : सोनारी स्थित सबुज संघ में घरेलू महिलाओं ने फैशन प्रदर्शनी लगाई है, जो रविवार को भी खुली रहेगी। प्रदर्शनी की संयोजक सुजीता दत्ता ने बताया कि यहां 15 स्टॉल लगे हैं, जिसमें साड़ी, कुर्ती, बेडकवर, ज्वेलरी, कॉस्मेटिक, फूड, बैग, हस्तशिल्प, मसाला पापड़, हैंडमेड फूड आइटम हैं। शनिवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन समाजसेवी पूरबी घोष ने किया।

टाटा मोटर्स में आज-कल रहेगी छुट्टी

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स, जमशेदपुर प्लांट में सोमवार को ब्लॉक क्लोजर लिया गया है। कंपनी द्वारा जारी सर्कुलर में बताया गया है कि 31 जुलाई को किए गए काम के बदले सोमवार को ब्लाक क्लोजर लिया गया है। वहीं रविवार को साप्ताहिक अवकाश है। ऐसे में कर्मचारियों को लगातार दो दिनों की छुट्टी मिलेगी।

चार नई रेल लाइन के फाइनल सर्वे की राशि स्वीकृत

JAMSHEDPUR : रेलवे बोर्ड ने दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के तहत 4 नई रेल लाइन निर्माण के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दी है। स्वीकृति के साथ ही लोकेशन सर्वे के लिए 1.46 करोड़ रुपये स्वीकृत की गई है। इसके अंतर्गत टाटा यार्ड से टाटा-बादामपहाड़ रूट कनेक्टिविटी के लिए 10 लाख रुपये, महुदा-कानूडीह सेक्शन के लिए 44.80 लाख रुपये, जकपुर-बेनापुर डबलिंग के लिए 22 लाख रुपये और रूपसा फ्लाईओवर, जो खड़गपुर-बांगरीपोसी को जोड़ेगी, के सर्वे पर 70 लाख रुपये खर्च होंगे।

पूरे कोल्हान में हड़ताल पर रहे डॉक्टर, परेशान हुए मरीज

JAMSHEDPUR : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म व हत्या से चिकित्सकों के बीच आक्रोश है। इसे लेकर पूरे कोल्हान में डॉक्टर हड़ताल पर रहे, जिससे ओपीडी बंद होने से मरीज परेशान हुए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) के बैनर तले हड़ताल पर रहे चिकित्सकों ने सरकारी व निजी अस्पतालों में ओपीडी के साथ-साथ पैथोलाजी और रेडियोलाजी सेंटर भी बंद रखा। चिकित्सकों ने साकची स्थित आइएमए भवन और इंडियन डेंटिस्ट्स एसोसिएशन ने बिष्टुपुर में रैली निकाल कर विरोध दर्ज कराया। टाटा मुख्य अस्पताल के चिकित्सकों ने काला बिल्ला लगाकर ओपीडी में काम किया।

पलामू में बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

PALAMU : जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची रोड रेडमा में पंकज धर्म कांटा के पास शनिवार को राइडर बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते युवक सड़क किनारे गिरा और उसके सिर में गंभीर चोटे आई। उसे एमआरएमसीएच में भर्ती किया गया, जहां से उसे रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने हथियार बेचने व खरीदवाने वाले दोनों को किया गिरफ्तार

सुसाइड के लिए युवक ने 22 हजार में खरीदी थी पिस्तौल

पुलिस गिरफ्त में दोनों आरोपी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : तरहसी थाना क्षेत्र के गुरहा के रहने वाले आमिर खान पिता शमशेर खान ने हथियार खरीद कर सुसाइड की थी। हथियार बेचने और खरीदवाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उनकी पहचान जिले के मनातू के बंशीखुर्द निवासी नवाब खान पिता रईस खान और चैनपुर के शाहपुर के रहने वाले सोनू शाह उर्फ देवा पिता मुमताज खान के रूप में हुई है। नवाब हथियार बेचवाने में मेडिएटर की भूमिका निभाई थी, जबकि सोनू ने 22 हजार रुपए में 7 चक्रीय बंदूक बेचा था। नवाब को इसके लिए 1000 का कमीशन मिला था। सोनू को यह हथियार मेदिनीनगर के शास्त्री नगर की रहने वाली नमिता देवी ने रखने के लिए दिया था। बता दे कि नमिता देवी की कुछ महीने पहले सद्दीक चौक के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सोनू का नमिता देवी के साथ गैर कानूनी कार्यों में सांठ गांठ थी। तरहसी के थाना प्रभारी नीरज कुमार ने शनिवार को बताया कि 15 अगस्त को आमिर खान के द्वारा गोली मारकर आत्महत्या कर लेने की घटना के बाद अनुसंधान के दौरान घटना में इस्तेमाल सात चक्रीय बंदूक बरामद किया गया था। अवैध हथियार होने के कारण मामला दर्ज कर इसकी खरीद बिक्री के बारे में छानबीन शुरू की गई। पेशे से ड्राइवर आमिर खान की मुलाकात बंशीखुर्द के नवाब खान से हुई थी। नवाब ने बातचीत के क्रम में हथियार की आवश्यकता होने पर उससे संपर्क करने की बात कही थी। इधर, पत्नी से विवाद होने और लगातार इस मामले को लेकर पंचायती होने के कारण आमिर खान खुद से तंग आ गया था और उसने आत्महत्या की प्लानिंग कर ली थी। आमिर ने 12 अगस्त को नवाब खान से हथियार दिलाने की बात कही। नवाब पहले से चैनपुर के शाहपुर के रहने वाले सोनू शाह उर्फ. देवा से संपर्क में था। 5 प्रतिशत कमीशन पर हथियार दिलाने की बात कहकर 14 अगस्त को नवाब आमिर को लेकर शाहपुर पहुंचा औ? देवा से सात चक्रीय देसी बंदूक एवं दो गोली दिलवायी। बदले में आमिर खान ने सोनू शाह के फोन पे नंबर पर 22 हजार ट्रांसफर किए थे तथा 1000 रुपए नवाब खान को मिला था। आमिर ने जब आत्महत्या की तो उसके मोबाइल फोन को पुलिस ने जप्त करते हुए अनुसंधान में लाया तो पता चला कि उसने हथियार खरीदने के लिए पहले नवाब से संपर्क किया और फिर 22 हजार रुपए में सोनू उर्फ देवा से देसी बंदूक खरीदी थी। इसी के आधार पर दोनों की गिरफ्तारी हुई।

कर्मियों की मांग पूरा कर हड़ताल कराएं खत्म : सीटू

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे कर्मचारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODERMA : अपने लंबित मांगों को लेकर पिछले 22 जुलाई से समाहरणालय एवं उसके अधीन विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के पक्ष में शनिवार को समाहरणालय स्थल पर धरना दे रहे हड़ताली कर्मियों को सीटू ने अपना समर्थन देकर एकजुटता का आह्वान किया। राज्य सरकार से जनहित में कर्मचारियों की मांगों को तर्कसंगत एवं कर्मचारी हितैषी समाधान करने की मांग किया और हड़ताल को तुरंत समाप्त करने का आग्रह किया है। सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों का निराकरण न किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस हड़ताल के कारण कर्मचारियों के साथ साथ राज्य की जनता के हित भी प्रभावित हो रहे हैं। सरकार द्वारा अनुमोदित समिति की सिफारिश के अनुसार कर्मचारियों के वेतन ग्रेड का संशोधन, पदों का सृजन, पदोन्नति के लिए मौजूदा निर्धारित समय अवधि में कमी, मॉडिफाइड एश्योर्ड करियर प्रोगेशन (एमएसीपी) के अनुसार पदोन्नति सुनिश्चित करने, पदनामों का गरिमापूर्ण और भव्य नामकरण, विभागीय परिक्षाओं तथा कर्मचारियों का उपरी वर्गीकरण के मानदंडों में संशोधन, कार्य और जिम्मेदारियों का तर्कसंगत पुनर्निर्धारण, संविदा कर्मियों को नियमित करने तथा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की सेवा सरकारी कर्मचारियों के रूप में सुनिश्चित करने जैसी हड़ताली कर्मचारियों की मांगों के प्रति सीटू की राज्य कमिटी समर्थन और एकजुटता देते हुए तमाम ट्रेड यूनियन, जनवादी संगठन तथा समाज के सभी लोगों से इस हड़ताल को समर्थन करने का अपील करता है।

15 लाख के इनामी नक्सली का पोस्टर जारी माओवादी नितेश का चेहरा आया सामने

PHOTON NEWS PALAMU : खूंखार माओवादी नितेश यादव का पहली बार चेहरा नजर आया है। नितेश यादव झारखंड बिहार में 100 से भी अधिक नक्सली हमले का आरोपी है। जबकि 25 से अधिक जवानों के शहीद होने की घटनाओं में शामिल रहा है। पलामू पुलिस से 15 इनामी माओवादियों का पोस्टर जारी किया। पोस्टर में पहली बार नितेश यादव का चेहरा नजर आया है। पुलिस पलामू के पिपरा, हरिहरगंज, नौडीहा बाजार, हुसैनाबाद, पांडु, मनातू, रामगढ़, छतरपुर, चैनपुर रामगढ़ के इलाके में इन पोस्टरों को लगवा रही है। पोस्टर के माध्यम से आम लोगों को सूचना देने का आग्रह किया गया है और नंबर भी जारी किया गया है। पुलिस ने नक्सलियों का नाम पता बताने वाले लोगों की पहचान छिपाने की बात कही है। नितेश यादव बिहार के गया के डुमरिया थाना क्षेत्र के तरवाडीह का रहने वाला है। पोस्टर के माध्यम से नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की जा रही है। पुलिस लगातार यह बात बोल रही है कि कमांडर आत्मसमर्पण करें। पुलिस एवं सुरक्षाबलों का अभियान लगातार चल रहा है। माओवादियों के रीजनल कमेटी सदस्य और 15 लाख के इनामी नितेश यादव उर्फ इरफान, 10 लाख इनामी गोरदाई यादव उर्फ संजय, 10 लाख इनामी विवेक यादव उर्फ सुनील, 10 लाख इनामी मनोहर गंझू, जेजेएमपी के सुप्रीमो 10 लाख इनामी पप्पू लोहरा उर्फ सोमेद लोहरा, टीपीसी का रीजनल कमांडर 15 लाख इनामी आक्रमण गंझू, 10 लाख इनामी शशिकांत गंझू, उज्ज्वल उर्फ हरिवंश, निशांत यादव, मुखदेव यादव और अखिलेश यादव के नाम शामिल हैं।

तुष्टीकरण और झूठ की राजनीति अब और नहीं चलेगी : संजय सेठ

कार्यकर्ताओं के साथ रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में गिरती कानून व्यवस्था और युवाओं को ठग कर सत्ता पर काबिज हेमंत सरकार के विरोध में 23 सितंबर को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के नेतृत्व में प्रदेश भर के भाजपा कार्यकर्ता सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। इसके लिए शनिवार को मंडल अध्यक्ष राम लगन राम के नेतृत्व में गोंदा मंडल (कांके) में एक बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि तुष्टीकरण और झूठ की राजनीति अब और नहीं चलेगी। कांके विधायक समरी लाल ने कहा कि सरकार ने जो युवाओं को नौकरी के नाम पर ठगने का काम किया है, आनेवाली 23 तारीख को पूरे प्रदेश के युवा सरकार से अपना रिपोर्ट कार्ड मांगेंगे। महानगर जिला महामंत्री बलराम सिंह ने कहा गठबंधन की सरकार ने जनता को 8500 रुपये का लालच देकर ठगने का काम किया और फिर मंईयां योजना के नाम पर फिर एक लॉलीपॉप पकड़ने का काम कर रही है। बैठक में युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रोमित नारायण सिंह, वार्ड संख्या 1 के पार्षद नकुल तिर्की, राम प्रसाद जालान, जिला मंत्री विकास रवि, जिला आईटी संयोजक नयन परमार सहित जितेंद्र सिंह, नरेंद्र पांडे, बलराम प्रसाद, राजेश रजक, राजू रजक, सत्येंद्र सिंह, राजा भट्टाचार्यजी, आनंद कुंवर, भोला नायक, संतोष रवि, करण नायक, पूनम बाला, छाया, रजनी, गीता, अनिता, नितेश सिंह, सुमित, रंजीत कुमार, छोटन लोहरा, शंकर करमाली, विक्की, जगत, मुकेश, अभिषेक, नारायण नायक, प्रदीप लकरा, मनोज, राजेंद्र, बिनोद सिंह, सूरज वर्मा काजल, विशाल इत्यादि सैकड़ो कार्यकताओं की मौजूदगी रही। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री कुंदन सिंह और धन्यवाद ज्ञापन राजेश कुमार ने किया।

टेल्को में फंदे पर लटका मिला युवती का शव

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : टेल्को थाना अंतर्गत प्रेमनगर निवासी 19 वर्षीय राखी गोराई का शव उसके घर में फंदे पर लटका पाया गया। राखी के हाथ-पैर बंधे हुए थे। घटना शुक्रवार दोपहर की बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उसे तत्काल फंदे से उतरकर टीएमएच ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। राखी के पिता जोगेंद्र गोराई साकची में एक कपड़े की दुकान में काम करते हैं, जबकि छोटा भाई स्कूल में पढ़ता है। घटना के वक्त पिता काम पर गए थे, वहीं भाई स्कूल गया था। राखी की मां गीता गोराई किसी काम से घर से बाहर गई थी, इसी बीच यह घटना घटी। पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज किया है।

रक्षाबंधन के दिन था राखी का जन्मदिन

जोगेंद्र गोराई ने बताया कि उनकी बेटी ग्रेजुएट कॉलेज से बीसीए की पढ़ाई कर रही थी। 19 अगस्त को उसका जन्मदिन था। जन्मदिन के लिया नए कपड़े भी खरीद लिए थे, बेटी ने मोबाइल फोन खरीदने की इच्छा जताई थी। पत्नी मोबाइल खरीदने के लिए साकची गई थी, लेकिन कुछ कागजात कम पड़ रहे थे। इसके लिए गीता ने घर के नंबर पर फोन किया पर राखी ने फोन नहीं उठाया। गीता ने पड़ोसी को फोन कर राखी से बात करने को कहा। पड़ोस में रहने वाली महिला जब घर गई तो उसने पाया कि घर का दरवाजा खुला हुआ है। दरवाजे पर हल्का सा धक्का मारने पर वह खुल गया। उसने पाया कि राखी फंदे पर लटकी हुई है।

अज्ञात युवक की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कराईकेला थाना क्षेत्र के बरडीह गांव के पास एक अज्ञात युवक को धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गई है। उसकी उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। इस घटना से क्षेत्र में काफी दहशत है। घटना की सूचना मिलते ही शनिवार सुबह कराईकेला के थाना प्रभारी अंकित कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे, जिसके बाद उन्होंने छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। युवक के गले में जख्म के निशान हैं. जिससे प्रतीत होता है कि युवक की हत्या गला रेत कर की गई है। पुलिस आसपास के गांवों में पूछताछ कर उसकी पहचान करने में जुटी है।

महिला डॉक्टर के रेप-हत्या के खिलाफ सड़क पर प्रदर्शन

प्रदर्शन करतीं महिला चिकित्सक। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : कोलकाता में ट्रेनी महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में शनिवार को ओपीडी बंद कर शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज समेत जिले के होमियोपैथी चिकित्सको ने ओपीडी कार्यों का बहिष्कार किया। इस दौरान चिकित्सक सड़क पर उतरकर हत्याकांड में संलिप्त दोषियों को अविलंब गिरफ्तार कर कार्रवाई की मांग की। चिकित्सकों ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लोगों की सुरक्षा को लेकर सरकार को गंभीर होना चाहिए। आए दिन किसी न किसी चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद उनकी हत्या की घटना बेहद निन्दनीय है। दोषियों को पकड़ कर कठोर सजा देने की हम मांग करते हैं। ओपीडी बंद रहने के कारण दूर-दराज से आए मरीज व उनके परिजन इधर-उधर भटकते नजर आए।

मालगाड़ी के सील डिब्बे को तोड़कर लूट ले गए चावल के 200 बोरे

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल में राजगांगपुर व सोनाखान रेलवे स्टेशन के बीच 12 अगस्त को खड़ी मालगाड़ी का डिब्बे का सील तोड़ कर करीब 200 बोरा चावल चुरा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। चोरों ने एफसीआई के 50 केजी वाले करीब 200 बोरी चावल चोरी कर लिया है। इसकी कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई जा रही है। इस संबंध में राजगांगपुर आरपीएफ थाने में चावल चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई है। जानकारी होने के बाद आरपीएफ सक्रिय हुआ, लेकिन अब तक चोर गिरोह के किसी सदस्य की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस संबंध में चक्रधरपुर मंडल सुरक्षा आयुक्त पी शंकर कुट्टी को फोन किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

पुराना नगर भवन में युवा सह नगर सम्मेलन समारोह का हुआ आयोजन, कई लोग पार्टी में हुए शामिल

सत्ता के लिए भत्ता दे सकती है सरकार : सुदेश

PHOTON NEWS LOHARDAGA : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि सरकार ने जनता की उम्मीदों को तोड़ा है। जनता ने इन्हें सेवा का अवसर दिया था लेकिन उस अवसर का प्रयोग इन्होंने अपनी विरासत बनाने और खुद का विकास करने के लिए किया। अपने भविष्य को लेकर चिंतित युवा जेएसएससी परीक्षा की तिथि को बदलने समेत अन्य मांगों को लेकर आज धरने पर बैठे हैं और सरकार के पास उनकी बात सुनने तक का समय नहीं है। युवाओं के सपनों को बेचने वाली इस सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में युवा हित के लिए कोई काम नहीं किया। सरकार सत्ता के लिए युवाओं को भत्ता दे सकती है। सुदेश कुमार महतो लोहरदगा के पुराना नगर भवन में शनिवार को आयोजित युवा सह नगर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कई युवाओं ने पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की। उन्होंने कहा कि राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार, अपराध, अराजकता, बेरोजगारी और पलायन इस सरकार की पहचान बन गई है। सरकार का विकास धरातल पर नहीं सिर्फ विज्ञापनों पर दिखाई देता है। इनकी गलत नीतियों और विकास को लेकर इच्छाशक्ति की कमी के चलते राज्य विकास के मानकों पर पिछड़ गया है। वोट कमाने वाली चीज है पर सरकार वोट खरीदने की तैयारी कर रही है।

महतो ने कहा कि खनन के साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में भी लोहरदगा में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को हकीकत में बदलने के लिए बेहतर नेतृत्व की आवश्यकता है। यहां की जनता ने बड़ी उम्मीद के साथ प्रशासनिक अनुभव रखने वाले नेता को अपना मत दिया लेकिन उन्होंने इस क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया। पिछले पांच सालों में यहां लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था भी बिगड़ी है। यह समय झारखंड आंदोलनकारी कमल किशोर भगत के सपनों को आवाज देने और उसे हकीकत में परिवर्तित करने का है। हमारा संकल्प लोहरदगा को उसकी क्षमता अनुरूप तैयार करना का है। लोहरदगा पार्टी कार्यालय स्थित आजसू पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष सह लोहरदगा के पूर्व विधायक झारखंड आंदोलनकारी कलम किशोर भगत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सुदेश कुमार महतो ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कमल दा के विचारों और उनके द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों को पूरा करना हमारा दायित्व। जीवन भर उन्होंने राज्यहित के लिए कार्य किया। उनके सोच के अनुरूप विकसित लोहरदगा बनाने के लिए हर एक कार्यकर्ता कमर कस ले।

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने दिया व्याख्यान

न्यूक्लियर एनर्जी साफ-सुथरी, उत्पन्न नहीं होने देती कार्बन : डॉ. डी.असवाल

कार्यक्रम में उपस्थित प्रबुद्धजन। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में शनिवार को भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) हेल्थ सेफ्टी एंड एन्वायरमेंट ग्रुप के निदेशक डॉ. डी. असवाल ने व्याख्यान दिया। डॉ. असवाल ने कहा कि रेडिएशन को लेकर लोगों के मन-मस्तिष्क और समाज में कई तरह की भ्रांतियां हैं। ऐसा नहीं है कि हर तरह का रेडिएशन नुकसानदेह होता है।

गामा किरणों के बारे में बताया कि यह हमारे वातावरण में मौजूद है, लेकिन इससे नुकसान नहीं पहुंचता। यदि इसका स्तर बढ़ जाए, तभी यह नुकसानदेह है। न्यूक्लियर एनर्जी के संबंध में उन्होंने कहा कि यह सबसे साफ सुथरी एनर्जी है एवं इससे कार्बन डायक्साइड गैस उत्पन्न नहीं होती है। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है। इससे दुर्घटना की संभावना कम होती है। उन्होंने बार्क के संदर्भ में बताया कि भारत में यह एक ऐसा संस्थान है, जिसने विज्ञान को उन्नत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने छात्राओं को यह आश्वासन दिया कि उनके लिए बार्क का भ्रमण करने का अवसर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कुछ पाठ्य सामग्री भी दी। इससे पूर्व यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रो. राजेंद्र कुमार जायसवाल ने स्वागत भाषण दिया, जबकि कुलपति प्रो. (डॉ.) अंजिला गुप्ता ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। अध्यक्षीय भाषण में कुलपति ने कहा कि यदि बार्क के साथ एमओयू हो जाए तो यूनिवर्सिटी की छात्राएं अधिक लाभान्वित हो पाएंगी। इस अवसर पर कई वैज्ञानिक, सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित थीं।

पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए आदर्श क्षेत्र है येलोस्टोन नेशनल पार्क

ये लोस्टोन क्षेत्र समुद्रतल से औसतन 8000 फिट ऊंचा है, यहाँ की कई चोटियां तो 13,000 फीट ऊंची हैं, 8983 वर्ग किमी के इलाके में बर्फ से ढकी पहाड़ी चोटियां , शुद्धतम जल से लबालब झीलें और नदियां , भरपूर वन्य जीवन, वनस्पतियाँ तो हैं ही साथ ही यह धरती मां की जीवंत प्रयोगशाला भी है, जिस में विकास और विनाश के रहस्य अध्ययन करने का पूरा पूरा अवसर है. सिएटल से येलोस्टोन जाने के लिए सड़क मार्ग से स्पोकेन होकर 14 घंटे लगते हैं, फ्लाइट से जाना आसान है, इसलिए करीबी एयरपोर्ट अलास्का से यह दूरी कोई 1000 मील है.पूरा रास्ता वाशिंगटन राज्य के बर्फीले पहाड़ों, हरे भरे मैदानों से हो कर गुजरता है, मीलों मीलों में फैले खेत आबादी का पता नहीं, पूरी खेती बड़ी यंत्रीकृत है। यह राज्य साल में इतना गेंहू पैदा कर लेता है जो पूरे अमरीका के लिए काफी होता है.दरअसल बोजमैन येलोस्टोन जाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, यहाँ से पार्क का प्रवेश द्वार केवल 90 मील रह जाता है.

ऐतिहासिक कालखंड

पार्क का क्षेत्र तीन अमरीकी राज्यों मोंटाना, व्योमिंग और आइडाहो में फैला हुआ है.इस इलाके को विभिन्न कबीलों और जनजातियों ने 11,000 वर्षों से अपना आवास बनाया थाये लोग आखेट करते थे, झरनों, नदियों से मछलियां पकड़ते थे , विभिन्न जड़ी बूटियों को खाने और उपचार के काम में लेते थे , ये लोग तापीय झरनों का पानी उपचार और धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल करते थे.अमरीका में आये यूरोपीय लोगों को अठाहरवीं शताब्दी की प्रारम्भ में इस विलक्षण इलाके का पता लगा.1830 के आस पास ओस्बोर्न रसेल ने इस इलाके के बारे में काफी विस्तार से लिखा, उसके आलेख से प्रभावित होकर 1869 में एक अध्ययन टीम डेविड ई कोलमेन के नेतृत्व में यहाँ आयी , टीम ने येलोस्टोन झील के अप्रतिम सौंदर्य, कैन्यन विस्तार, तापीय बेसीन और रॉक बनावट के बारे में अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। इसके अगले वर्ष चार्ल्स कुक और फॉल्सम की खोजी टीम ने भी ऐसी ही रिपोर्ट प्रस्तुत की , इसके आधार पर 1872 में राष्ट्रपति ग्रांट और अमरीकी सीनेट ने इस इलाके को संरक्षित क्षेत्र अर्थात नेशनल पार्क घोषित कर दिया। इस पार्क को दुनिया का पहला संरक्षित क्षेत्र होने का भी गौरव हासिल है। उस समय एक सीनेटर ने कहा था कि यह क्षेत्र अमरीका के फेफड़ों के लिए ताजा हवा का काम करेगा। प्रारम्भ में इसकी देखभाल अमरीकी सेना के पास रही बाद में १९१६ में नेशनल पार्क सर्विस की स्थापना के बाद से पार्क उसके अधीन कर दिया गया.

कहानी की शुरुआत

एक अनुमान के हिसाब से पृथ्वी अब से कोई 4600 करोड़ वर्ष पहले बनी तब से लेकर 5400 लाख वर्ष पूर्व तक के काल की चट्टानों से येलोस्टोन का इलाका बना है.ये सारी चट्टानें टीटान,बेरटूथ, विंड रिवर और ग्रॉस वेंट्रे इलाकों में हैं.5400 लाख से लेकर 660 लाख वर्ष के काल में अमरीका का पश्चिमी इलाका समुद्र, रेतीले पहाड़ों , विस्तृत मैदानों से आछादित था, इसके बाद पहाड़ बनने की प्रक्रिया से रॉकी माउंटेन क्षेत्र विकसित हुआ.यहाँ पर्वत बनने और पृथ्वी की सतह ऊँची नीची होने के कारण हिलने डुलने और बर्फ जमने से येलोस्टोन इलाका अस्तित्व में आया.500 लाख वर्ष पहले पार्क के उत्तरी और पूर्वी इलाके में अब्सरोका श्रंखला कई ज्वालामुखी फटने से अस्तित्व में आयी.लेकिन उस ज्वालामुखी प्रक्रिया का सम्बन्ध आज की येलोस्टोन ज्वालामुखी गतिविधियों से नहीं है। एक अनुमान के अनुसार 300 लाख वर्ष पूर्व आज का पश्चिम पूर्व पश्चिम धुरी के साथ खिंचता गया। खिंचने की यह प्रक्रिया 170 लाख वर्ष पहले कुछ और बढ़ गयी और अभी तक जारी है जिसके कारण नए ,बेसिन बने है , उत्तर-दक्षिण पर्वत श्रंखला और उसकी लम्बी घाटी भी इसी प्रक्रिया से बनी है.इस तरह से पूरा दक्षिण का क्षेत्र जिसमें येलोस्टोन भी शामिल है निर्मित हुआ है.165 लाख वर्ष पहले आज के समूचे आइडहो, ओरेगॉन और नेवाडा इलाके में ज्वालामुखी विस्फोटों का सिलसिला निरंतर चलता रहा.वहां से पिघला हुआ लावा प्रवाहित हो कर दक्षिण आइडहो से येलोस्टोन की ओर आ गया। उत्तरी अमरीका की प्लेट इस पिघलते हुए लावा पर खिसक कर दक्षिण पश्चिम दिशा में आ गयी जिससे येलोस्टोन क्षेत्र भी पिघले लावा के समीप आ गयी , तबसे ज्वालामुखी इस क्षेत्र के अंदर लगातार सक्रिय है.

येलोस्टोन लेक

यह लेक 136 वर्ग मील के क्षेत्र में फैली है और इसका घेरा 110 मील का है , समुद्र तल से 7,732 फीट की ऊंचाई पर अवस्थित यह लेक इलाके का सबसे बड़ा जलभंडार है, लेक की गहराई कहीं कहीं 392 फीट तक चली गयी है , जाड़ों में लेक पर 3 फीट बर्फ की चादर जम जाती है. हाँ,जहाँ जहाँ लेक में गर्म सोते हैं वहां बर्फ नहीं जमती है। लेक दिसंबर में जमती है और मई या फिर जून के प्रारम्भ में पिघल जाती है। लेक में कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस , रेडसीडे शाइनर, लांगनोज सकर्स मछलियां पाई जाती है.लेक का पानी इतना साफ है कि फिशिंग ब्रिज से कटथ्रोट ट्राउट, लोंगनोज डेस मछली आसानी से देखी जा सकती हैं.अन्य किस्म बहुत छोटे आकार की होती हैं अतः उन्हें स्पॉट करना ब्रिज से संभव नहीं है. येलोस्टोन नदी पार्क की दक्षिण पूर्वी अब्सरोका पर्वत श्रंखला यौंत शिखर के ढलान से अपना सफर शुरू करके 671 मील चल कर मोंटाना और नार्थ डकोटा सीमा पर मिसौरी नदी में मिल जाती है, अंतत मिसोरी गल्फ आफ मेक्सिको में अटलांटिक सागर से विलीन हो जाती है.लेक के किनारे विशेषकर फिशिंग ब्रिज के आस पास के कीचड वाले इलाके में सुबह शाम मूज देखने को मिल जाते हैं।

येलोस्टोन इतना महत्वपूर्ण क्यों है

येलोस्टोन की प्राकृतिक प्रक्रिया पूरी तरह से संरक्षित तापीय इको प्रणाली में कार्यरत है और अभी तक इसमें मानवीय दखलंदाजी बहुत कम हुई है. इस लिए पृथ्वी के निर्माण और संचालन प्रक्रिया को समझने के लिए यह क्षेत्र आदर्श है, यही नहीं यहाँ 11,000 वर्षों से मानवीय गतिविधियां निर्बाध रूप से चल रही हैं इस लिए मानव जाती के इतिहास और वास्तुशिल्प का सिलसिलेवार लेखा जोखा मौजूद है. यहाँ भूगोलविद और अन्य वैज्ञानिक लैंडस्केप स्तर पर बदलाव से इको - प्रणाली पर प्रभाव से लेकर सूक्ष्म जीव संरचनाओं के अध्ययन में जुटे हुए हैं जिनका प्रभाव केवल पार्क ही नहीं पूरी दुनिया पर पड़ने वाला है.

प्रकृति की अपनी प्रयोगशाला

पृथ्वी की निचली सतह से पिघली हुई चट्टानें पिछले 20 लाख वर्षों से येलोस्टोन में ऊपरी सतह के बेहद करीब हैं जिसके कारण ऊपरी सतह के बहुत करीब कहीं पिघली तो कहीं ठोस चट्टानों के कक्ष बन गए हैं, पिघली चट्टानों की गर्मी से धरती की ऊपरी सतह लगातार फैलती और ऊंची उठती रहती है, इसी कारण इस क्षेत्र में भूकंप भी निरंतर आते रहते हैं.जगह जगह आये क्रैक्स में से पिघली चट्टानों की गर्मी, राख और गैस वायुमंडल तक फव्वारे जहाँ तहँ से निकलती रहती है.जहाँ जहाँ पिघले हुए लावा के भूमिगत चैम्बर खाली हो गए हैं वहां जमीन धंस गयी है और काल्डेरा यानी ज्वालामुख-कुंड बन गए हैं. कुल मिला कर येलोस्टोन में तीन विशाल काल्डेरा हैं जो भूगर्भ शास्त्रियों को इतने समीप से प्रकृति के रहस्यों का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करते हैं.

प्रकृति का थर्मामीटर

येलोस्टोन में किये जा रहे अध्ययन से पता चला है कि प्रकृति में प्रतिकूल ताप पर भी जीवन संभव है, इससे लगता है कि अन्य ग्रहों पर भी किसी न किसी रूप में जीवन होने की संभावनाएं हैं. 1968 में शोधकर्ता थामस ब्रॉक ने पहली बार येलोस्टोन के उच्च तापीय स्प्रिंग में माइक्रोब खोज कर चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में धमाका किया था, इस शोध से जीवन सम्बन्धी अन्य रहस्यों को भी धीरे धीरे अनावृत करने का काम काफी आगे बढ़ा है.

मिडवे गाइजर बेसिन के अन्य गाइजर और पूल

येलोस्टोन के मध्य गाइजर बेसिन भले ही आकार में छोटे हैं लेकिंग उनमें काफी विविधता है , इनमें से हम एक्सेलसियर गाइजर, विशाल गाइजर क्रेटर, फिरोजी पूल और ओपल पूल देख पाए। फायर होल नदी के पास में घूमते हुए विविध किस्म के गैसीय पार्टिकल की गंध का अनुभव भी हुआ बताते हैं कि सन 1800 के आस पास एक्सेलसियर गाइजर से 300 फिट की ऊंचाई तक गैसीय पदार्थ निकला करते थे , इस पूरे क्षेत्र में इसी लिए घूमते समय पूरी सावधानी की सलाह दी जाती है क्या पता कब गैसीय पदार्थ फव्वारे की तरह निकल पड़ें ऐसा इसलिए भी कि 1985 में यहीं पर अचानक दो दिन तक लगातार इरप्शन हुआ जिसकी ऊंचाई 80 फिट तक नापी गयी।

मिडवे गाइजर बेसिन कहाँ हैं?

ये गाइजर ओल्ड फेथफूल से करीब ही उत्तर में हैं, यहाँ जाने के लिए हमने तो पश्चिम प्रवेश द्वार से ग्रैंड लूप रोड पर 25 मील ड्राइव किया, यहाँ दोपहर में जबरदस्त भीड़ रहती है , हमारे कुछ मित्रों ने सलाह दी थी कि सुबह सवेरे पहुंचना आसान है, उनकी सलाह मान कर हम इन्हे आराम से देख पाए. येलोस्टोन का ग्रैंड कैनियन यहाँ का ग्रैंड कैनियन सच में देखने वाली जगह है , यह पार्क के उत्तरी पूर्वी किनारे पर है, समीप में छोटा सी आबादी कैनियन विलेज है.लगातार जंगल, पहाड़ देखते देखते यहाँ कुछ दुकानें, रेस्टॉरेंट , ठहरने के लिए कई लाज और पर्यटक केंद्र होने के कारण लगता है जैसे शहरी आबादी में पहुँच गए हों। ग्रैंड कैनियन हजारों वर्ष तक हवा, पानी और अन्य प्रकृतिक हलचलों का नतीजा है क्रैनियन 20 मील से भी अधिक लम्बा है और चौड़ाई कोई डेढ़ मील है, कैनियन की दीवारें 1000 फिट ऊंची हैं जिन्हे देख कर लगता है कि जैसे लाखों संगतराशों ने मिल कर इस अगढ़ रचना को मिल कर सैकड़ों हजारों साल में तराशा हो.इस कैनियन मार्ग से येलोस्टोन रिवर बहती है, यह व्योमिंग, मोनटाना, नार्थ डकोटा राज्यों से गुजर कर 600 मील का सफर तय करती है , यह पूरी तरह से स्वछंद है कहीं भी इस पर कोई डैम नहीं बनाया गया है। कैनियन विलेज के पास दो आब्सर्वेषां पाइंट हैं जहाँ से येलोस्टोन फॉल की विशालता और भव्यता को महसूस किया जा सकता है, फाल तक पहुँचने के लिए ट्रेल भी हैं, रास्ता जरा संकरा है, बहुत से सैलानी वहां जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाते.

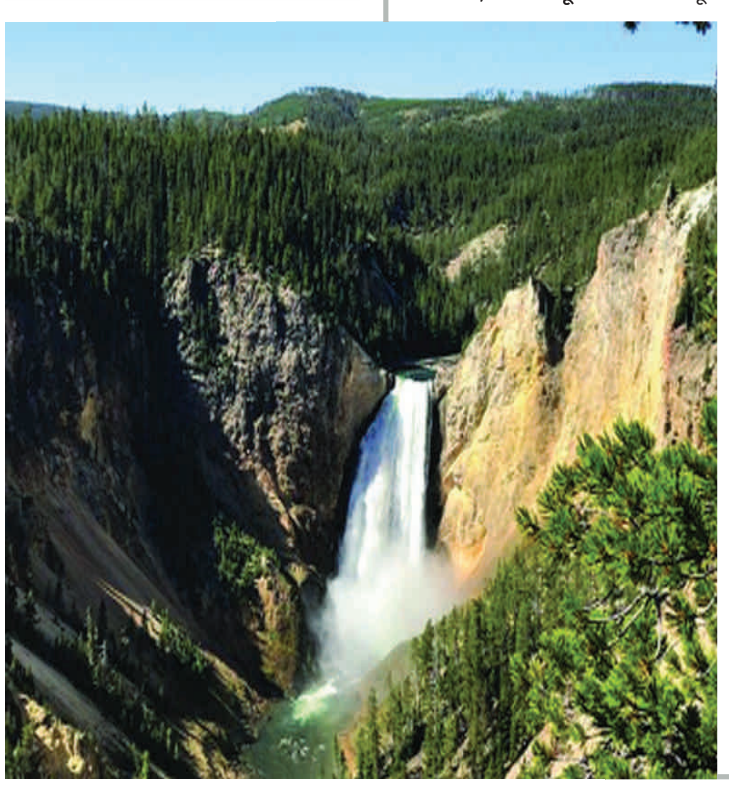

नारिस थर्मल गाइजर

नारिस गाइजर बेसिन येलोस्टोन पार्क के व्योमिंग क्षेत्र में हैं, ये पार्क का सबसे गर्म तापीय भाग है, इसमें तीन मुख्य बेसिन हैं : पोर्सलीन - इसमें दूधिया रंग के भाप भरे परिदृश्य हैं जो 075 मील की धूल भरी ट्रेल और बोर्डवॉक कैस्केड के जरिये देखे जा सकते हैं, यहाँ तापीय गतिविधियों के कारण पेड़ एक दम सूख गए हैं। बैक बेसिन - यह घने पेड़ों वाला क्षेत्र है जिसमें कई गाइजर और तापीय स्प्रिंग हैं , इसके चारों ओर 15 मील का धूल भरा ट्रेल और बोर्ड वाक है. सौ स्प्रिंग वाला मैदान - यह नारिस गाइजर बेसिन का ट्रेल के बाहर का इलाका है, यहाँ की हवा में जबरदस्त अम्लीय उपस्थिति है, जमीन पोली और खतरनाक है इस लिए पार्क अधिकारी सैलानियों को यहाँ आने के लिए हतोत्साहित करते हैं. नारिस बेसिन में सतह से 1000 फीट जबरदस्त भूगर्भीय तापीय गतिविधि चल रही है, नारिस तापीय प्रणाली में पार्क का सबसे अधिक तापक्रम 459 डिग्री फारेनहाइट रेकॉर्ड किया गया हैआश्चर्य की बात यह है कि इतने अधिक तापक्रम के वावजूद यहाँ सेजब्रश छिपकली आराम से रह लेती है.यहाँ अम्लीय ताल और उच्च तापक्रम वाले पानी के सतही किनारों पर हरे, गुलाबी और नारंगी रंग के अति सूक्ष्म जीव मजे से पनपते हैं, इन तालों से वहने वाले आयरन डाई आक्साइड, आर्सेनिक कम्पाउंड , सल्फर के कारन रंगों की छठा कुछ और निखार आती है, इन्ही के कारण पूरा क्षेत्र रंग बिरंगा नजर आता है.

ओल्ड फेथफुल इन

पार्क और उसके बाहर ठहरने के बहुत सारे विकल्प उपलब्ध हैं। हम पार्क के गेट से कोई 10 मील पहले रेनबो कैम्पिंग साइट पर एक आठ कमरे वाले बड़े घर में रुके थे जो काफी आरामदेह और किफायती रहा.लेकिन येलोस्टोन में ठहरने के लिए सबसे बेहतरीन जगह ओल्ड फेथफुल इन है जो ओल्ड फेथफुल गाइजर के ठीक सामने है। इसे राबर्ट सी रीमार ने 1904 में डिजाइन किया था , उस जमाने में यह 1,40,000 डालर की लागत में तैयार हुआ था.यह दुनिया भर में विशालतम लॉग स्टाइल संरचना है, इसकी लॉबी 74 फीट ऊंची है.इसमें लकड़ी के अलावा ज्वालामुखी से निकले हुए पदार्थों का भी इस्तेमाल किया गया है। यहाँ आने वाले सैलानियों में होटल में ठहरने से लेकर भोजन करने के लिए जबरदस्त क्रेज है. होटल पिछले सौ वर्षों से अतिथि सेवा और अच्छे भोजन के लिए सैलानियों में क्रेज से कम नहीं है.पूरी लकड़ी की संरचना होने के वावजूद इस होटल में ठहरने के लिए 140 कमरे मुख्य संरचना में हैं.1914 और 1927 में भवन विस्तार किये जाने परयहाँ कुल मिला कर 300 कमरे हो चुके हैं.होटल मई में खुलता है और अक्टूबर के प्रारम्भ तक खुला रहता है.

पार्क का वन्य जीवन

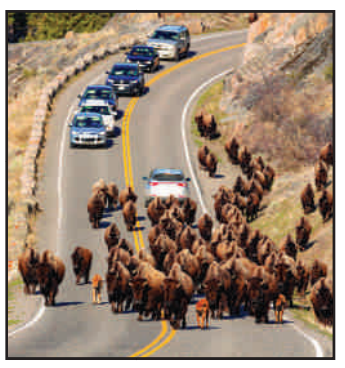

पार्क में वन्य जीवन भी काफी विविधता से भरा है काले और ग्रिजली भालू, यल्क, बायसन तो हैं ही साथ ही स्तनपायी जीवों की 60 से भी अधिक किस्में मौजूद हैं। पार्क में पक्षी जीवन भी काफी विविधता भरा है , यहाँ बाल्ड ईगल,ब्लैक बिलड मैगपाई, ग्रे जे, कव्वे का बड़ा भाई रैवेन, ऑस्प्रे, कनाडियन गीस, मैलर्ड डक, ट्रम्पेटेर हंस, सफेद पेलिकन, पहाड़ी ब्लू बर्ड बहुतायत से पाए जाते हैं.

पार्क के अन्य आकर्षक स्थल

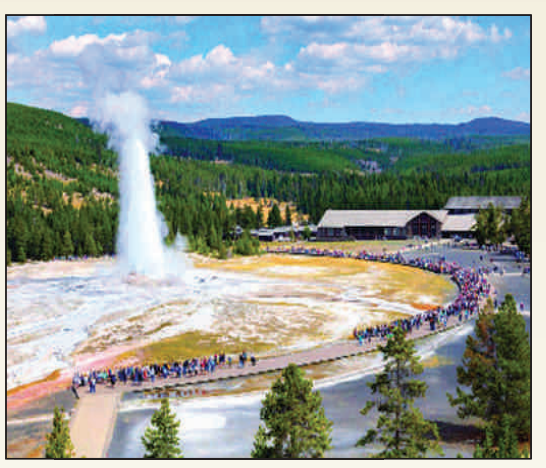

ओल्ड फैथफुल गाइजर

इस गाइजर को 1870 में वशबर्न और उनकी खोजी टीम ने ढूंढा था, इसका नामकरण इरप्शन की नियमितता को देखकर किया गया था. जब से यह खोजा गया है इसके 10 लाख से भी अधिक इरप्शन हो चुके हैं ! इरप्शन का अनुमान इतना सटीक होता है कि इसमें 10 से 20 मिनट का अंतर रहता है. विशेषज्ञों की माने तो एक बार के इरप्शन से 8,400 गैलन तक प्रवाहन होता है और स्रोत से निकलने वाले पानी का तापक्रम 204 डिग्री फारेनहाइट तक रहता है। गैस का तापमान 350 डिग्री फारेनहाइट तक पहुँच जाता है.

मैमथ हाट स्प्रिंग्स टेरेस

ये स्प्रिंग्स पश्चिमी प्रवेश द्वार के बिलकुल समीप ही हैं.दुनिया में कहीं भी मैमथ हाट स्प्रिंग्स जैसे फाउंटेन न तो प्रकृतिक रूप में देखने को मिलते हैं न ही कहीं मनुष्य द्वारा बनाये जा सके हैं। टेरेस की धवल और कहीं कहीं रंगीन चट्टानों से धीरे धीरे पानी बहता रहता है। ये स्प्रिंग प्रारम्भ से उन लोगों को आकर्षित करते रहे हैं जो अपनी विभिन्न बीमारियों का हल खनिज जालों में तलाशते रहे हैं। मैमथ हाट स्प्रिंग येलोस्टोन के गहरे वाल्कनीक बालों की बाह्य अभिव्यक्ति कहे जा सकते हैं, हालाँकि ये स्प्रिंग काल्डेरा क्षेत्र से बाहर हैं लेकिन फिर भी विशेषज्ञों की मने तो इनमें गर्म हवाओं का प्रवाहन येलोस्टोन के उन्हीं मग्नामैटिक प्रणाली से हैं जो यहाँ के अन्य तापीय क्षेत्रों को सक्रिय रखे हुए हैं.नारिस गाइजर बेसिन और मैमथ के बीच में फाल्ट लाइन है जिसके कारण उसके बीच में तापीय पानी बहता है.इस क्षेत्र में अनेक बासाल्ट इरप्शन हो चुके हैं, मैमथ क्षेत्र में गर्मी का स्रोत शायद बासाल्ट ही हैं। तापीय गतिविधि इस इलाके में कई हजार वर्षों से जारी है, टेरेस पहाड़ी पर ट्रेवरटाइन की मोटी चादर चढ़ी हुई है. मैमथ हाट स्प्रिंग टेरेस उस पहाड़ी से जहाँ आज हमने इसे देखा आगे परेड ग्राउंड तक चले गए हैं और आगे जा कर बॉयलिंग नदी में मिल जाते हैं। देखा जाय तो मैमथ हाट स्प्रिंग होटल और फोर्ट येलोस्टोन पुरानी टेरेस संरचना पर ही बने हुए हैं.जब 1891 में जब फोर्ट की जमीन पर निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था तो यह चिंता व्यक्त की गयी थी कि नीचे की खोखली हुई जमीन भवन का भर नहीं संभल पाएगी, आज भी परेड ग्राउंड में अनेक बड़े आकार के गहरे होल देखे जा सकते हैं।

ग्रैंड प्रिस्मैटिक

यह तो सही है कि ओल्ड फेथफुल ज्यादा प्रसिद्ध है लेकिन येल्लोस्टोन पार्क में सबसे ज्यादा फोटो ग्रैंड प्रिस्मैटिक हाट स्प्रिंग के लेते हैं , इसका कारण इसके चमचमाते इंद्रधनुषी रंग और इसका विशाल आकार है.पार्क अधिकारियों ने इसके इर्द गिर्द विशाल आकार का बोर्ड-वाक बनाया है हम इस बोर्ड-वाक पर चलते चलते चमकीले नीले, पीले और अन्य रंगों के इस स्प्रिंग को केवल मन्त्र मुग्ध हो कर निहारते रहे.अब तक प्रकृति का ऐसा नजारा कहीं भी देखने को है.ये स्प्रिंग्स 10 मंजली बिल्डिंग जितने गहरे हैं , अंदर दरकी हुई जमीन से पानी 121 फीट ऊपर उछाल मार कर आता है ग्रैंड प्रिस्मैटिक का आकार फुटबॉल के मैदान जितना बड़ा है , ग्रैंड प्रिस्मैटिक के विभिन्न किस्म के रंग अतिशय गर्म वातावरण में जीवित रहने वाले बैक्टीरिया के कारण है, बीच का नीला रंग सब रंगों में ज्यादा प्रधान है क्योंकि क्योंकि पानी नीली वेब-लेंथ को सबसे ज्यादा बिखराता है.जिसके कारण आँख को नीला रंग दिखता है.

विकसित भारत को गढ़ने के संकल्पों का उद्बोधन

ललित गर्ग

'विकसित भारत' की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस उद्बोधन भारत की भावी दशा-दिशा को रेखांकित करते हुए कह रहा है कि देश किन्हीं समस्याओं पर थमे नहीं, रूके नहीं, क्योंकि समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी है, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर। यही भावना सबल सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लालकिले की प्राचीर से 78वें स्वतंत्रता दिवस का अब तक का सबसे लम्बा 98 मिनट का 11वां राष्ट्रीय उद्बोधन एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की बानगी है। जो आजादी के अमृतकाल को अमृतमय बनाने के लिये लोगों को ऊंचे सपने देखने, बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने वर्तमान की वैश्विक एवं राजनैतिक चुनौतियों को भविष्य की अपनी दृष्टि पर हावी नहीं होने दिया। यह उद्बोधन भारत की भावी दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व गुरु बनाने एवं दुनिया की आर्थिक महाताकत बनाने का आह्वान है। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है। लालकिले से जब देश का प्रधानमंत्री बोलता है तो वह भारत के महान लोकतंत्र की उस आत्मा को साकार करता है जो इस देश के 140 करोड़ देशवासियों के भीतर बसती है। प्रधानमंत्री मोदी के सम्बोधन को वास्तविकता की रोशनी में नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत के रूप में देखा जाना चाहिए। धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता को जरूरी बताने के साथ-साथ प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक आपदा से लेकर रिफार्म्स तक, महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों से लेकर गवर्नेंस मॉडल, रोजगार, व्यापार, रक्षा, चिकित्सा समेत कई विषयों की चर्चा की। उन्होंने न्यायिक सुधारों पर आगे बढ़ने का भी संकेत दिया। इसके साथ ही वह विपक्ष को निशाना बनाने से नहीं चूके और सरकार का एजैंडा उन्होंने पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है। निश्चित ही अब तक हुए लालकिले की प्राचीर के उद्बोधनों में सर्वाधिक प्रेरक, संकल्पमय एवं विकसित भारत की इबारत लिखने वाला यह उद्बोधन रहा। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली महानायक का आह्वान है।

प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में खास एवं ऐतिहासिक होने की अनुगूंजें इस उद्बोधन में साफ सुनाई दी, जैसाकि उनके पूर्व के दो कार्यकाल इस लिहाज खास रहे हैं कि उनकी पार्टी के जिन लक्ष्यों को राजनीति की अन्य धाराएं लगभग नामुमकिन मानती थीं, उन्हें देश के अजेंडा का हिस्सा बनाते हुए हासिल कर लिया गया। चाहे वह अयोध्या में राममंदिर बनाने की बात हो या अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा खत्म करने की। तीसरे कार्यकाल में ऐसा ही एक और लक्ष्य है कॉमन सिविल कोड जो राष्ट्रीय स्तर पर लागू होना बाकी है। मोदी ने धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता के रूप में इसका जिक्र कर-के यह संकेत दिया है कि इसे देशवासियों के लिए स्वीकार्य बनाना और लागू करना उनकी सरकार की प्राथमिकता में काफी ऊपर है। उनके शब्दों में मौजूदा सिविल कोड एक तरह से साम्प्रदायिक नागरिक संहिता है। देश को ऐसे सिविल कोड की जरूरत है, जिससे धर्म के आधार पर भेदभाव से मुक्ति मिले। जब देश में अधिकतर मामलों में नागरिकों पर एक समान कानून लागू होते हैं तो फिर अलग-अलग धर्मों के अपने अलग-अलग लॉ भारत के संविधान पर सवालिया निशान लगाते दिखाई दे रहे हैं। मोदी देश में बार-बार होने वाले चुनावों को विकास की राह में बाधा मानते हैं और यह कोशिश करते रहे हैं कि पूरे देश में एक साथ चुनाव होने लगें। लेकिन हालिया लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटें कम होने के बाद उनकी पार्टी और सरकार का यह अजेंडा आगे बढ़ना मुश्किल भले ही माना जा रहा हो, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में इसका भी जिक्र करते हुए यह संकेत दिया कि इस दिशा में उनकी सरकार के प्रयास जारी रहेंगे। इन सबके साथ ही प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की खास उपलब्धियों और उसके सामने मौजूद चुनौतियों का जिक्र करना नहीं भूले।

अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं वाले इस बार के उद्बोधन एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि विकसित भारत के लक्ष्य को सामने रखा गया, उससे यही स्पष्ट हुआ कि वह अपने इस एजेंडे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के बाद भी वह अपने लक्ष्य से डिगे नहीं हैं। इसका पता इससे चलता है कि उन्होंने आंतरिक और बाहरी चुनौतियों की चर्चा करते समय बांग्लादेश के हालात का भी जिक्र किया और वहां के हिंदुओं एवं अल्पसंख्यकों को लेकर भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने एक ओर जहां जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति पर प्रहार किया, वहीं दूसरी ओर कोलकाता की दिल दहलाने वाली घटना को ध्यान में रखते हुए नारी सुरक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने यह कहकर देश की राजनीति में व्यापक परिवर्तन लाने की भी पहल की कि आने वाले समय में एक लाख ऐसे युवाओं को अपनी पसंद के राजनीतिक दलों में सक्रिय होना चाहिए, जिनके परिवार के लोग पहले कभी राजनीति में न रहे हों। निश्चित ही भारतीय राजनीति को परिवारवाद से मुक्ति एवं नए विचारों और नई ऊर्जा से ओतप्रोत युवा नेताओं की आवश्यकता है।

यह ऐतिहासिक उद्बोधन कोरा राजनीतिक उद्बोधन न होकर राष्ट्रीयता को समृद्ध एवं शक्तिशाली बनाने का सशक्त आह्वान है जो इस बात विश्लेषण करता है कि हम कहां से कहां तक पहुंच गए। अंतरिक्ष हो या समंदर, धरती हो या आकाश, देश हो या दुनिया आज हर जगह भारत का परचम फहरा रहा है, भारत ने जितनी प्रगति की है उसे देखकर हर देशवासी को भारतीय होने का गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय मोदी को दिया जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं है, इसकी चर्चा करना राजनीतिक नहीं, भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक समृद्धि का बखान है। हर भारतवासी मोदी के उद्बोधन से इसलिये भी प्रेरित एवं प्रभावित हुए है कि 'मिशन मोड' पर 'ईज ऑफ लिविंग' को पूरा करने के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए उसे आगे बढ़ा रहे है। उन्होंने व्यवस्थित मूल्यांकन, बुनियादी ढांचे और सेवाओं में सुधार के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने की बहुत जरूरी बात कही है। उन्होंने भारत में जीवन को आसान बनाने की अपेक्षा की, ताकि अमीरों एवं युवा प्रतिभाओं के पलायन को रोका जा सके। मोदी ने देश की जनता में जोश एवं संकल्प जगाते हुए ऐसा ही कुछ कहा जो जीवन की अपेक्षा को न केवल उद्घाटित करता है, बल्कि जीवन की सच्चाइयों को परत-दर-परत खोलकर रख देते हैं।

'विकसित भारत' की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस उद्बोधन भारत की भावी दशा-दिशा को रेखांकित करते हुए कह रहा है कि देश किन्हीं समस्याओं पर थमे नहीं, रूके नहीं, क्योंकि समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी है, उनको दृढ़ मनोबल और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर। यही भावना सबल सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा। हम भारत के लोग विश्व मंगल की कामना की पूर्ति तभी अच्छे से कर सकते हैं जब पहले राष्ट्र मंगल की भावना से ओतप्रोत हों। तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत ने पिछले 78 वर्षों में जो प्रगति की उडान अपनी विविधता को संजाये हुए भरी है उससे पूरी दुनिया हैरत में है। बड़े-बड़े देश अब भारत के लोगों के विकास, ज्ञान और उनकी मेहनत के दीवाने हैं। दुनिया के हर कोने में भारतीय अपना झंडा गाड़ रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान भी किया क्योंकि ये गरीब, पिछड़े, आदिवासियों और दलितों का हक छीनते हैं। उन्होंने नवाचार के इच्छुक उद्यमियों को विशेष रूप से संबोधित किया गया। भारत का निर्यात बढ़ना जरूरी है और इसके लिए ऐसे उत्पाद बनाने की जरूरत है, जिनकी विश्व स्तर पर मांग हो। देश में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ाने के मकसद से अगले पांच वर्षों में 75000 नई मेडिकल सीटें जोड़ने की घोषणा महत्वपूर्ण है। ऐसी ही घोषणाओं से भारत एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हो सकेगा।

संपादकीय

नापाक इरादों पर प्रहार

पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में विदेशी आतंकवादियों को भेज रहा है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए भाषण में यह कहा। आतंकवाद में उल्लेखनीय कमी की बात करते हुए उन्होंने कहा कि यहां किसी भी आतंकी संगठन का कोई शीर्ष नेतृत्व नहीं बचा है। हड़ताल और पथराव की घटनाएं इतिहास के पन्नों में सिमट गई हैं। पाकिस्तान पर प्रहार करते हुए सिन्हा ने कहा, जो देश अपने नागरिकों को दो वक्त का खाना मुहैया कराने तक में असमर्थ है, वह अस्थिरता पैदा करने और शांति भंग करने के लिए यहां विदेशी आतंकियों को भेज रहा है। बीते दिनों आतंकी हमलों में शहीद हुए अधिकारियों, सैनिकों और नागरिकों के बलिदान का उन्होंने स्मरण किया। स्थानीय लोगों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करने की भी बात की। सिन्हा ने बताया कि नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले आतंकवादी नेटवर्क पर हमला कर रहे हैं। उधर जम्मू में उधमपुर जिले में आतंकवादी मुठभेड़.में शहीद कैप्टन दीपक सिंह को सेना और पुलिस ने श्रद्धांजली दी। डोड़ा के अस्सार में एक दिन पहले ही कैप्टन शहीद हुए थे। अंदेशा है कि ऊपरी इलाकों खासकर जंगलों में आतंकी छिपे हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि पिछले दिनों हुए हमलों में आतंकियों ने अल्पाइन क्वेस्ट लोकेशन एप्लीकेशन का प्रयोग किया था जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी सेना, नौ सेना और वायु सेना करती है। इसके जरिए घने जंगलों के नदी-नालों और पहाड़ी गुफाओं की सटीक लोकेशन मिल जाती है। कठुआ एनकाउंटर में मारे गए आतंकवादियों के पास मिली चीजों पर पाकिस्तानी जगहों के नाम और पते उर्दू में अंकित थे। जब-जब पाकिस्तान में आंतरिक उथल-पुथल होती है, वे अवाम का ध्यान बांटने के लिए सीमा से घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों में तेजी लाने लगते हैं। सरकार के कड़े. निर्णयों और सेना को छूट देने जैसे निर्णयों ने ही आतंकवाद पर काबू पाया है। विधानसभा चुनाव से पूर्व शांति बहाली के प्रयास बेहद जरूरी हैं।

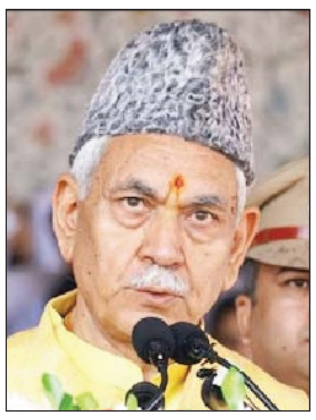

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है। इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए।

मामूली बारिश में शहर जलमग्न होना, व्यवस्था की नाकामी

निर्मल रानी

वर्षा ऋतु का सावन माह अपने शबाब पर है। देश के विभिन्न भागों में हलकी,तेज तो कहीं बहुत तेज बारिश के समाचार हैं। पिछले दिनों 10 -11 अगस्त को पंजाब,हिमाचल व हरियाणा के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। इसी बारिश का प्रकोप हरियाणा के भी कई जिलों में देखने को मिला।परन्तु अम्बाला शहर में 11 अगस्त रविवार की सुबह और दोपहर में केवल दो दो घंटे की बारिश ने तो लगभग पूरे शहर को ही डुबो कर रख दिया। न तो बारिश इतनी ज्यादा हुई व इतनी देर तक चली न कहीं से बाढ़ का पानी आया। परन्तु पूरा शहर पानी पानी हो गया। शहर का दृश्य ऐसा था गोया सड़कें नदी दिखाई दे रही थीं । हजारों घरों व दुकानों में पानी भरा हुआ था। अनेक बाजार बंद थे । अनेक वाहन सड़कों पर पानी में फंसे हुए थे। लोगों का कारोबार चौपट था। हद तो यह है कि रेलवे लाइन पर भी पानी भरा था और उसे पंप द्वारा निकालने की कोशिश की जा रही थी। बारिश के मौसम में अम्बाला शहर के एक बड़े इलाके को अक्सर ही इन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है।

परन्तु सवाल यह है कि ऐसा क्यों और शहरवासियों की यह दुर्दशा कब तक? और यह भी कि क्या इसके लिये सरकार व सम्बंधित व्यवस्था की कोई जिम्मेदारी भी है ? अम्बाला शहर में पिछले दस वर्षों से एक ही भाजपा विधायक निर्वाचित हो रहे हैं। इन्हें मनोहर लाल खट्टर के कार्यकाल में वर्ष 2022-23 में 14 वीं हरियाणा विधानसभा में हरियाणा के प्रथम सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में चुना गया था। यह विधायक प्रदेश के सभी 90 विधायकों में इसलिये भी प्रथम पाए गये थे क्योंकि वे सदन में जनहित के मुद्दे उठाते थे। शायद इसी योग्यता के चलते ही इन्हें वर्तमान नायब सिंह सरकार में मंत्री का पद भी मिल गया है । कुछ वर्ष पूर्व जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं को प्रधान सेवक कहलाने लगे थे उस समय इन विधायक जी ने भी अपने नाम में विधायक के स्थान पर नगर सेवक लिखवाना शुरू कर दिया था।

लिहाजा आज जब मात्र दो घंटे की बारिश में शहर में जल प्रलय हो जाता है तो लोगों का यह पूछना स्वभाविक है कि जिस विधानसभा क्षेत्र के जनहित के मुद्दे आप सदन में उठाते थे जिसके चलते आपको हरियाणा का प्रथम सर्वश्रेष्ठ विधायक चुना गया था वे मुद्दे आखिर क्या थे ? उन मुद्दों में प्रत्येक वर्ष बारिश में शहर में जल प्रलय हो जाने जैसा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा भी था अथवा नहीं ? यदि था तो आपके दस वर्षों के शासन काल में इसमें क्या प्रगति हुई ? पार्क, तालाब आदि जो बन रहे थे वे भी आधे अधूरे हैं। पूरे शहर जाम हैं व अभी से टूटने भी लगे हैं। इसी बारिश के पहले विधायक जी की टीम ने एक वीडियो वायरल की जिसमें दिखाई दिया कि मंत्री जी स्वयं नाले की सफाई का निरीक्षण कर रहे हैं और सफाई कर्मियों को सख़्त निर्देश दे रहे हैं। उस वीडिओ को देखकर ऐसा लगा कि शायद इस बार विधायक जी के मंत्री बन जाने के बाद नगर वासियों को बरसाती जलप्रलय रुपी नर्क से मुक्ति मिल जाएगी। परन्तु इस बार तो केवल दो घंटे में ही पूरा शहर पानी पानी हो गया ?

विधायक जी के हाथों से उद्घाटन किया हुआ सिटी रेल स्टेशन के साथ लगता सबसे व्यस्त रेल अंडरपास भी है। इसे विधायक जी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर पिछले साल ही उद्घाटित किया था। यह रेल अंडरपास बरसात में स्वीमिंग पूल बना रहता है। यहीं नहीं बल्कि बारिश में शहर के तीनों अंडर पास तालाब बन जाते हैं। गोया न ही अंडर पास के पानी की व्यवस्थित निकासी है न ही शहर के मुख्य नालों व नालियों की। परन्तु आपको विकास कार्य पूरे वर्ष होते दिखाई देगा। विकास कैसा ? कहीं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चौक, तो कहीं एल ई डी की चमकदार रौशनी ,कहीं कुछ चौक पर लगी लाल बत्तियां तो कहीं चौक चौराहों पर स्टील द्वारा की गयी सजावटें। कुछ ही दिनों बाद लाल बत्तियां भी बंद और एल ई डी भी गुल। निमार्णाधीन पार्कों में लगी पत्थरों की कीमती जालियां अभी से टूटने लगी हैं। परन्तु इनसबसे जनता को क्या दिलचस्पी। अम्बाला शहर की जनता की सबसे बड़ी समस्या है शहरी जल भराव। और इससे निजात पाने का एकमात्र उपाय है जल निकासी व इसका सुचारु निष्पादन और इसके लिये कारगर,समुचित व भ्रष्टाचार मुक्त योजना।

आज शहर के अधिकांश नाले न केवल जाम पड़े हैं बल्कि टूटे हुए भी हैं। कई जगह तो टूटे हुये नालों का लेवल साथ लगती कालोनियों की जमीन के बराबर है। परिणामस्वरूप नालों में जरा भी पानी ओवरफ़्लो होता है वह आगे बढ़ने के बजाये कॉलोनी में घुस आता है। शहर की सीवरेज व्यवस्था लगभग फेल हो चुकी है। जगह जगह सीवर के मेन होल ओवर फ़्लो हैं। ओवर फ़्लो सीवर का गंदा व बदबूदार पानी कालोनियों में फैल रहा है। कई जगह तो सीवर के मेन होल के या तो ढक्कन टूट गए हैं या फिर पूरा मेन होल ही धंस गया है। जिला प्रशासन सहित इस व्यवस्था से सम्बंधित अधिकारियों को स्थानीय समाजसेवियों व पत्रकारों द्वारा कई बार इस दुर्व्यवस्था व बारिश में होने वाले संभावित जलप्रलय के प्रति सचेत भी किया गया। परन्तु नतीजा वही है जो लगभग हर साल बारिश में दिखाई देता है। इसी दुर्व्यवस्था के चलते हरियाणा की सबसे बड़ी कपड़ा मार्किट प्रभावित होती है। तमाम दुकानों में पानी भरने से करोड़ों का नुक़्सान हो जाता है। दुकानें बंद,ग्राहकों का आवागमन बंद,सड़कें नदी बन जाती हैं। हद तो यह है कि जिलाधिकारी कार्यालय के चारों ओर कई कई दिन तक पानी भरा रहता है ,स्टेट बैंक की शहर की सबसे मुख्य ब्रांच में पानी घुसा रहता है ,नगर निगम के चौक जगाधरी गेट पर जलभराव ,धनाढ्यों व नव धनाढ्यों के रहने वाले कथित पॉश इलाके सेक्टर्स व मॉडल टाउन,इनको चौक,जंडली, प्रेम नगर, आदि सभी जगह पानी रुका रहता है। शुकुल कुंड रोड,बादशाही बाग ,सोनिया कॉलोनी,रणजीत नगर,महावीर नगर जैसे दर्जनों इलाके जलमग्न रहते हैं। लोगों के घरों के फर्नीचर और अनेक जरूरी सामान बरसाती पानी घुसने से खराब हो जाते हैं। लोगों का काम काज ठप्प हो जाता है। शहर में जब तक पानी की निकासी न हो तब तक दुर्गन्ध का साम्राज्य रहता है। मामूली सी बारिश में शहर का जलमग्न हो जाना निःसंदेह केवल संबद्ध व्यवस्था की नाकामी का ही परिणाम है जो जनता भुगतने के लिये मजबूर रहती है। जनता को हर साल बारिश में होने वाली ऐसी परेशानियों के लिये किसी न किसी को जिम्मेदार तो ठहरना ही पड़ेगा ?

उत्तराखंड : विकास मापने का नया आधार

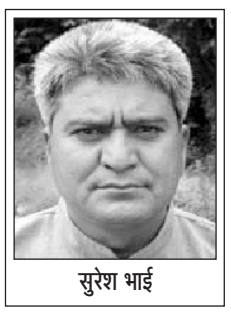

सुरेश भाई

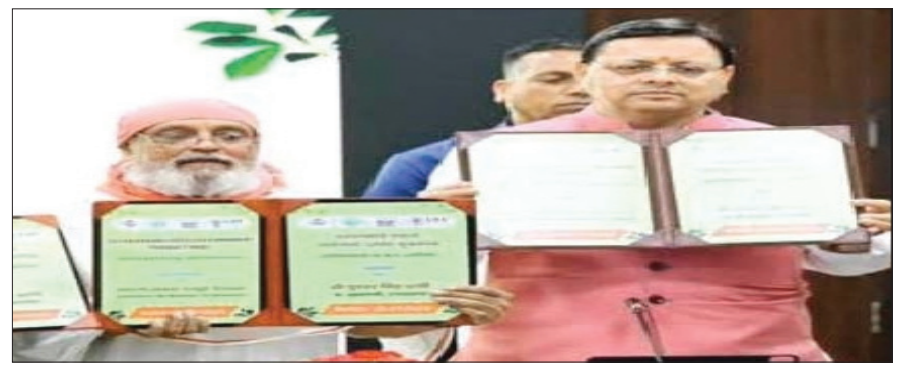

जुलाई के तीसरे सप्ताह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड सकल पर्यावरण उत्पाद सूचकांक (जीईपी) लॉन्च किया। इसका सरल अर्थ है कि उत्तराखंड जैसे संवेदनशील क्षेत्र में विकास कार्य से पहले मूल्यांकन करके जल, जंगल, जमीन, वायु पर उसके प्रभाव का आकलन होगा। यदि विपरीत प्रभाव की अधिक संभावनाएं होंगी तो निश्चित ही उसको रोकना भी पड़ेगा। यही बात 2007 की केंद्रीय पुनर्वास नीति में भी लिखी गई है।

5 जून, 2021 को तत्कालीन मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने भी यही ऐलान किया था कि उत्तराखंड पहला राज्य होगा जहां विकास को मापने के लिए जीईपी लागू किया जाएगा। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने भी यह आश्वासन दिया था क्योंकि उत्तराखंड हिमालय में तेजी से भोगवादी विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हो रहा है, उसे रोकने के लिए छोटे-बड़े आंदोलन चलते रहते हैं। इसके बावजूद अब हर वर्ष सकल पर्यावरण उत्पादन में हम कहां खड़े हैं उसका मूल्यांकन करके जीडीपी के साथ जीईपी का लेखा-जोखा भी राज्य को प्रस्तुत करना पड़ेगा। यह किसी एक राज्य के लिए ही नहीं अपितु देश के लिए भी स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इससे एक गंभीर आशंका भी पैदा होती है। यह कि संबंधित विभागों से प्रस्तावित विकास से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों के मूल्यांकन का आधार क्या होगा? क्या कोई मॉनिटरिंग प्रणाली होगी? यह भी कहा जा रहा है कि राज्य द्वारा 95,112 करोड़ के लगभग दी जाने वाली पारिस्थितिकीय सेवाएं क्या हरियाली बचाने वाले निवासियों को लाभ प्रदान करेंगी या सिर्फ केंद्र से बजट का दावा पेश किया जाएगा। नीति आयोग इस विषय पर किस आधार पर फैसला लेगा? इन सब के उत्तर भविष्य के गर्त में छिपे हैं।

वैसे भी समझने के लिए यह पर्याप्त है कि उत्तराखंड के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में से 71 प्रतिशत वन भूमि के अधीन है, जबकि सघन वन 40 प्रतिशत से अधिक नहीं है। लेकिन राज्य सरकार यही कह रही है कि जीईपी सूचकांक के आधार पर ग्रीन बोनस और केंद्र की सहायता लेने में यह लाभकारी साबित होगा। प्रति वर्ष जीईपी सूचकांक प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी उत्तराखंड के प्रमुख सचिव (वन) को दी गई है। इसका आंकलन मानवजनित और प्राकृतिक गतिविधियों के आधार पर होगा जिसमें जंगल, हवा, पानी, मृदा पर लगातार परिवर्तन जैसे-जंगल के संबंधित सूचकांक के लिए विभिन्न वर्षों में वन विभाग द्वारा रोपे गए पौधों की संख्या और इन्हीं प्रजातियों के वृक्षों के पातन की संख्या के आधार पर आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। इसमें यह भी पता हो पाएगा कि पातन के दौरान छोटी-छोटी वनस्पतियां, जीव-जंतु बुरी तरह प्रभावित होते हैं, लेकिन क्या हर वर्ष भीषण आग से जल रहे जंगल और रोपे गए पौधों के सापेक्ष प्राकृतिक वन संपदा की व्यावसायिक कटाई का मूल्यांकन करना आसान होगा? क्योंकि जिन पेड़ों को उसी वर्ष लगाया गया और यह मान लेंगे कि इतने ही इसी प्रजाति के पेड़ काटे गए तो यह अधूरी जानकारी होगी क्योंकि उत्तराखंड में हर साल चीड़, देवदार, कैल आदि प्रजातियों का बड़े पैमाने पर कटान हो रहा है। मृदा के बारे में संभव है कि बड़े निर्माण कार्यों से बेतरतीब ढंग से काटे जा रहे पहाड़ों से खिसक रही मिट्टी को सीधे नदियों में डाला जाता हो और कहीं भी मिट्टी को पुनः उपयोग में लाने के लिए डंपिंग जोन नहीं है जिसके ऊपर पौधे रोपे जा सकते थे। जब तक ऐसा नहीं होगा तब तक मिट्टी की बबार्दी का मूल्यांकन संभव नहीं। जल के मामले में उपलब्ध जल की गुणवत्ता और मात्रा में तेजी से बढ़ रहे प्रभाव का सबसे जीता जागता उदाहरण तो यही है कि पहाड़ी भू-भाग में भी 60 प्रतिशत जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके एवज में जो भी जल संरचनाएं बनी हैं, क्या उन्हें प्राकृतिक जल स्रोतों के समान स्वीकार किया जा सकता है? और कोई भी विकास संरचना यदि जल स्रोतों को बर्बाद करती है तो उसे न्यूनतम करने के क्या तरीके होंगे। जंगल के बारे में भी कहा जा सकता है कि विकास के नाम पर न्यूनतम वनों को ही नुकसान हो।

भौगोलिक संरचना के आधार पर विकास की संरचना निर्धारित हो। भारी-भरकम परियोजनाओं से हिमालय के प्राकृतिक संसाधनों का विनाश नहीं रोक पाएंगे तो जीईपी की हालत जीडीपी जैसी होगी। सकल पर्यावरण उत्पाद की मांग करने वाले पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी मानते हैं कि उत्तराखंड में .9 प्रतिशत जीईपी है, जिसे 4-5 तक ले जाना पड़ेगा। लेकिन राज्य व्यवस्था तो फंड के लिए मजबूत हथियार के रूप में इसे देख रही है जबकि ग्रीन बोनस की मांग करने वाले पर्यावरणविद् जगत सिंह ह्यजंगली' और रक्षा सूत्र आंदोलन की टीम का कहना है कि रसोई गैस पर लोगों को आधी से अधिक सब्सिडी दी जानी चाहिए। जल पुरु ष राजेंद्र सिंह कहते हैं कि पर्यावरणीय आर्थिकी वहां होगी जहां लोग अहिंसक होंगे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Trysts and Turns: Humanism on the Olympic scale

FOR me the biggest takeaway from the Paris Olympics was the voice of two women — two mothers, one an Indian and the other a Pakistani. Raziah Parveen, whose son Arshad Nadeem bested our hero Neeraj Chopra for the gold in the javelin throw, on being informed that her son had won the contest, said Neeraj was also her son and she would have been equally happy if the result had been the other way round.

That was a brave thing for a mother to say. But the other woman, too, expressed something similar. Suraj Devi, Neeraj's mother, said Arshad was also her son. Two mothers from two neighbouring countries, separated by a barricaded border and mutual hostility built up over 77 years or so, were not merely happy and proud of their respective son's performance at the Games but, even more importantly, exhibited a dignity and grace that only wisdom and gentility can evoke.Arshad and Neeraj have given their nations a lot to cheer about ahead of their respective Independence Days. If common citizens of the two perpetually warring countries can unite and drive some sense into the thoughts and actions of their rulers, poverty and misery — which is presently the lot of a sizeable proportion of their respective population — can be fought and conquered. Such a transformation may not result in top positions in the comity of nations but will certainly be good enough to assure both of a place at the high table. India, with a stronger economy, would most certainly get there.Parveen has invited Neeraj to her home at Mian Channu village in Khanewal district of Pakistani Punjab. Will the government of Pakistan give him a visa if he does accept the offer? That is a million-dollar question, very difficult to answer.Pakistan's Ambassador in Romania during my tenure there had a schoolgoing daughter whom I had met when my wife and I were invited for dinner at their home. Thirty years later, I received an e-mail from the girl saying that she was employed in a foreign country where she met and married a Hindu colleague from India. They wanted to meet the parents of their spouses but were finding it difficult to obtain visas. Could I help?I wrote to then External Affairs Minister Sushma Swaraj. She was an old acquaintance of mine from my Punjab days. A gracious lady, she replied the very next day that she had instructed her ministry to expedite the process. I heard nothing about that request thereafter, neither from the ministry nor from my young Pakistani friend.

Moving on to Bangladesh, micro-credit wizard Muhammad Yunus, now tasked with the difficult task of running a government in his native land, knows that his primary task is to restrain the proclivities of the religious extremists intent on decimating the minority Hindus. He has inducted their representative in his interim administration, probably to humour the hotheads. I doubt if that will work. Religious extremists of all creeds are a menace in any country and the Bangladesh ones find themselves unchained after 15 years of Sheikh Hasina's rule. That makes them doubly dangerous. The Nobel laureate has his work cut out.It is emotionally gratifying to humanists the world over that when these extremists threatened to destroy Hindu temples and homes, the students who propelled the ouster of India's friend Hasina took it upon themselves to mount a vigil and deployed volunteers to defend the temples, homes and shops from religion-inspired vandalism.

he student protesters of Bangladesh alleged that Hasina was an autocrat, a minor dictator who favoured her own party operatives with jobs in the government. These are as prized in Bangladesh as they are in ours. Government jobs ensure security of tenure even while the quality of service rendered is well below par.Many commentators from Bangladesh mentioned the close relations between their country and India as a grouse against Hasina! That comment was not well received in India. Here, the common man's view has always been that Bangladeshis should perpetually be beholden to India for helping them achieve independence from Pakistan.

The return of the Foreign Hand

The focus has to be on good governance rather than the search for an alibi to explain domestic failures

FROM Hindenburg and George Soros to international human rights organisations to an assortment of spooks and spies, the Foreign Hand is allegedly back in India. Despite the popular basis of the protests and the mass mobilisation by young persons that sent former Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina packing, there have been allegations that a Foreign Hand was behind her ouster.To be sure, South Asia may well be a playground in an unfolding New Cold War, as it was during the Old Cold War, so to speak. Many countries, big and small, have acquired a stake in the region. So, it would be tempting to see shadowy forces operating, more so when cataclysmic events like a regime change occur. However, more often than not, the sources of the problems countries in South Asia are having to deal with lie at home.

Every now and then, the Foreign Hand makes its appearance in Indian political discourse. In the run-up to the 2024 General Election, none other than the Prime Minister himself spoke about global threats to India's internal stability and progress and emphasised the need for a 'strong and stable' government with overwhelming parliamentary majority. In the event, the electorate did not take that threat seriously and gave him a sub-optimal result.Many political analysts have often remarked that Narendra Modi has borrowed much from the political toolkit of Indira Gandhi. Blaming the Foreign Hand for his political problems is one such borrowed idea. Except, that Indira was operating in an era wherein heads of government were bumped off by shadowy elements. Her media adviser, the late HY Sharada Prasad, has left behind notes suggesting that she may well have imposed Emergency rule in 1974 fearing that she was the next target of a Foreign Hand, after Chile's Salvador Allende was assassinated in 1973. Both Fidel Castro and Leonid Brezhnev had allegedly warned her as much.The 1960s and 1970s, the high noon of the Cold War, was indeed the era of the Foreign Hand. Both the US and the Soviet Union were seeking allies and puppets to bolster their own power. India was then on the wrong side of western powers. Today, India sees itself as a 'strategic partner' and a 'non-NATO ally' of the US. Yet, paranoia and the politics around the Foreign Hand, in which even the US is suspect, have not gone away.

With the end of the Cold War, the talk of a Foreign Hand subsided, though it never disappeared. With the implosion of the Soviet Union, India drifting closer to the US and a surge in the numbers of Indians heading West and seeking citizenship of Anglophone countries, the Foreign Hand receded from public discourse. It would make its appearance every now and then, as it did in 2012 when even a sober leader like then Prime Minister Manmohan Singh felt compelled to see the Foreign Hand behind the protests targeting the Russian-aided nuclear plant at Kudankulam in Tamil Nadu.

Given this background, it is not at all surprising that a political party like the BJP, under a leader like Modi, should see Foreign Hands behind every problem and challenge. For a decade now various agencies of the state have hounded all manner of organisations ranging from the Ford Foundation to the Centre for Policy Research alleging plots hatched by Foreign Hands. So, it is not surprising that many within the ruling dispensation in India see a Foreign Hand not just behind Hasina's ouster but also behind stock market analyst Hindenburg's research into the financial operations of the Adani Group.

Maybe there are many Foreign Hands at work in India, just as Indian 'hand' are at work overseas. That allegations about Indian agents being involved in assassination plots overseas are being taken seriously around the world point to the coming of age of the Indian hand. Even if elements outside a country are conspiring against one, the bottomline has to be that the government of each such country should look inwards and ask what actions it may or may not have taken that have helped Foreign Hands a play.In an uncertain and rapidly changing world, a major power like India must focus on internal security and governance so as not to create situations that open up space for the Foreign Hand to play around. It is easy to divert attention from misgovernance at home by alleging that a Foreign Hand is responsible for everything that goes wrong. The fact is that Hasina laid the foundation for her ouster. The fact also is that arbitrary actions of various institutions in India, from investigative agencies to regulatory ones, are responsible for questionable decisions.There is no denying that the Cold War era has left behind the memory of the unfriendly Foreign Hand destabilising the country. It is also understandable that in a post-colonial society that still has the memory of the East India Company morphing into the British State, the Foreign Hand is seen not merely in the suspected and alleged actions of spooks and fifth columnists but also in the actions of those in the corporate and financial world.

However, India has moved on. With the exception of less than a handful of countries, there are no others that would want to see India remain weak, backward and underdeveloped. Western powers have recognised that a developed and self-confident India is in their interests. Even as our foreign policy seeks an external environment conducive to the country's economic development, at home the focus has to be on good and transparent governance rather than the search for an alibi to explain domestic failures and bad governance

Bail under UAPA

Apex court rules in favour of personal rights

THE Supreme Court has been repeatedly asserting that 'bail is the rule and jail is the exception'. However, law enforcement and investigation agencies, in their occasional overzealousness, have apparently been under the impression that this legal principle is somehow not applicable to special statutes like the Unlawful Activities Prevention Act (UAPA), 1967. Clearing the air conclusively, the court has granted bail to a man who was booked under UAPA on the charge of being an active member of a banned organisation. The SC Bench has rightly stated that even if the allegations against the accused are serious, courts have the duty to grant bail when the conditions laid down under the law for the purpose are satisfied. There should be no quarrel with this argument.Considered draconian particularly by human rights activists, UAPA has often been associated with highhandedness and repression. It was in August 2019 that the Central Government amended the Act to include the provision of designating an individual as a terrorist. Prior to that, only organisations could be given the 'terrorist' tag. This important change has led to many individuals being booked for allegedly aiding and abetting terrorism. What's glaring is the poor conviction rate under UAPA — barely 3 per cent. In nearly every case, the accused are acquitted as the prosecution fails to prove their guilt. The acquittal, however, comes only after the persons have spent three or four years behind bars. At times, the trial begins several years after the arrest.

All these distressing factors make bail under UAPA highly significant. In the instant case, the court punched holes in the chargesheet, saying that there were no reasonable grounds to conclude that the charge of commission of offences punishable under the Act was prima facie true. The grant of bail is virtually a warning to the agencies that they should not misuse the dreaded UAPA. Hopefully, invoking the contentious Act at the drop of a hat will no longer be the norm.

Between philosophy and practise of reservation

The visible social inequalities and the fight for social justice underscore the need for reservations while the practice has often left a lot to be desired.

The Lok Sabha elections drew a sharp debate on reservation policies in general and caste census in particular. After the results, the formation of a coalition government with at least one key player, JD(U), having been supportive of a caste census, and the Lok Sabha leader of opposition's unequivocal statement on such a census kept the spotlight on the issue. Further, the Supreme Court recently placed both caste census and reservation on the Centre-state scale.One needs to add a caveat here. The demand for a caste census has distinctly different overtones as compared to the Supreme Court's stand on reservations, especially among the Scheduled Castes. This narrative focuses much more on the caste census and its linkages with the debate on Other Backward Classes' reservation.

To capture the public mood in the issue, we can draw on data from the Lokniti-CSDS pre-poll survey done during the run-up to the 2024 elections. When respondents were asked whether they thought the Congress and its allies were serious about a caste census or merely wished to use it as a political tool, around half the respondents felt there was a seriousness in the move. Close to a third (31 percent) felt it was being taken recourse to as a political tool. The rest were either unaware of the demand or did not take a stand on it.Looked more closely, there was a clear lens of partisanship with which the issue was viewed. More than a third of those who supported the Congress and its allies felt the parties were serious about the census. Among those who said that they would vote the BJP, over four of every 10 felt it was a political tool employed to garner OBC votes. Among the OBCs themselves, more were likely to say it was being harnessed politically rather than representing genuine sincerity. This trend is also linked to the wider support base for the BJP in the 2024 elections among the OBCs as compared to the Congress.Three other points merit attention, too. When it comes to reservation, one needs to make a categorical distinction between the philosophy of reservation and its practice. The visible social inequalities and the fight for social justice underscore the need for reservations. It is another matter that their practice has often left a lot to be desired.

This is especially true for OBC reservations. The Constitution permitted this reservation once the necessary steps were taken to identify who the OBCs were. The southern states took the initiative much earlier than the rest of the country. In many cases, this reservation preceded independence and the adoption of the Constitution. Providing OBC reservation at the national level took much longer and involved more than one backward class commission and intervention by the courts.Backward caste reservations were done on the basis of an extrapolation from the last caste census done close to a century ago in 1931. Further, the list of OBCs varies between the central government and states. Thus, a particular community may well be included in a state list and excluded in the national list. The argument for a caste census is made in the light of an absence of authentic numbers on the relative population of different OBC groups.

Second, the Supreme Court's 1992 judgement clearly underscored the need for excluding the creamy layer among the more socially, economically and educationally advanced OBCs. While the central and some state governments came out with criterions for defining the creamy layer, much of it has been whittled down over time or not been seriously adhered to. As a result, there are serious questions raised about the way in which reservation policies have been implemented.Third, a logical extension of the creamy layer concept has been the expectation that the benefit of a particular level of OBC reservation should be prioritised for a first-generation beneficiary; a similar point was made by one judge in the recent Supreme Court ruling. The argument is that in the absence of such a limit, the same set of families could continue to enjoy the benefits of reservation generation after generation. It is also felt that an 'elite capture' of reservation benefits has adversely impacted the true realisation of the goals of social justice, deepening the long years of social inequality.

I return to the principal argument this analysis began with. Does the route to social justice lie in ensuring meaningful justice to those who remain backward and have not benefited from reservation because of the policies' implementation? Would a caste census help identify such groups? Would the elite within each caste group favour the spread of reservation benefits to those who have been denied till now? The issue raises a complex web of challenges with no quick-fix solution.

Sandeep Shastri | Political scientist, National Coordinator of the Lokniti Network, and Director (academics) at the NITTE Education Trust

Anti-dumping probe against Vietnam steel imports

The Indian Steel Association (ISA) has raised concerns that imports from Vietnam could jeopardise local manufacturers.

NEW DELHI. The Directorate General of Trade Remedies (DGTR) has initiated an anti-dumping probe into imports of hot rolled flat products of alloy or non-alloy steel from Vietnam, following an application filed by the Indian Steel Association (ISA) on behalf of domestic steel producers, JSW Steel and ArcelorMittal Nippon Steel India.Probe was initiated after claims that imports of certain steel products from Vietnam are being sold at dumped prices, reportedly inflicting harm on domestic industry. The Indian Steel Association (ISA) has raised concerns that imports from Vietnam could jeopardise local manufacturers.The probe focuses on hot rolled flat products that are neither clad nor plated, with thicknesses reaching up to 25 mm and widths of up to 2,100 mm. This category includes a range of forms like coils and cut-to-length pieces including automotive production, oil and gas pipeline construction, general engineering, and building projects.Petitioners assert there are no major differences between the products produced in India and those imported from Vietnam. They argue both types of steel are interchangeable, sharing similar physical and chemical characteristics, manufacturing processes, and end-use applications. Consequently, domestic producers are seeking recognition of imported steel as 'like articles' under Anti-Dumping Rules. The DGTR has expressed prima facie satisfaction that JSW Steel and ArcelorMittal Nippon Steel constitute eligible domestic industry involved in production of these products.Political instability in Bangladesh will impact the industries dependent upon Indian steel raw material (sponge iron and pig iron), as per experts. Nearly 80% of steel exports to Bangladesh, Pakistan, Nepal and Srilanka is done to Bangladesh, as per experts. The Authority has considered the period of probe as January 1, 2023, to March 31, 2024.

Windfall tax on crude petroleum reduced to Rs 2,100 per tonne

NEW DELHI. The government has slashed windfall tax on domestically produced crude oil to Rs 2,100 per tonne, from Rs 4,600 per tonne with effect from Saturday.The tax is levied in the form of Special Additional Excise Duty (SAED). The SAED on the export of diesel, petrol and jet fuel or ATF, has been retained at 'nil'. The new rates are effective from August 17, an official notification said.India first imposed windfall profit taxes on July 1, 2022, joining a host of nations that tax supernormal profits of energy companies. The tax rates are reviewed every fortnight based on average oil prices in the previous two weeks.

RBI tightens P2P lending norms to bring transparency

MUMBAI. Citing some instances of violations of norms by some entities, the Reserve Bank has tightened regulations for peer-to-peer (P2P) non-bank lending platforms with a view to improve transparency and compliance, and to address concerns over their practices violating the 2017 guidelines. The revised guidelines come into force with immediate effect.

A P2P platform should not promote P2P lending as an investment product with features like tenure-linked assured minimum returns, liquidity options, etc, the RBI said Friday in the revised master directions.

As per the revised master direction, a non-banking P2P platform should not cross-sell any insurance product, which is in the nature of credit enhancement or credit guarantee. No loan should be disbursed unless the lenders and the borrowers have been matched/mapped as per the board-approved policy framed, it added..RBI had first issued P2P lending guidelines in 2017. A P2P platform acts as an intermediary providing online platform to the participants involved in P2P lending.

"It is observed that some of these platforms have adopted practices, which were violative of provisions of direction 2017," RBI said. "Such practices include violation of prescribed funds transfer mechanism, promoting P2P lending as an investment product with features like tenure linked assured returns, providing liquidity options and at times acting like deposit takers and lenders instead of being a platform," it added.

Manoj Govil appointed as expenditure secretary

NEW DELHI. In a major bureaucratic reshuffle, the government has changed several secretaries in the Ministry of Finance and Ministry of Commerce.

The government has also appointed Manoj Govil, currently secretary in the Ministry of Corporate Affairs as the new expenditure secretary. Govil will replace TV Somanathan, who has been recently appointed as the cabinet secretary.Govil is a 1991 batch Indian Administrative Services (IAS) officer who belonged to the Madhya Pradesh cadre. He has also served as principal secretary finance and Principal Secretary Commercial Taxes, government of Madhya Pradesh. Deepti Gaur Mukerjee, a 1993-batch MP cadre IAS, would take Govil's place in the Ministry of Corporate affairs.Current secretary, department of financial services, ministry finance, Vivek Joshi has been shifted to Ministry of personnel, public grievances and pension as secretary, department of personnel and training. Joshi would be replaced by Nagraju Maddirala, who is currently additional secretary at the Ministry of Coal. Maddirala is a 1993 batch Tripura cadre officer.

Acquisitions are key ingredient in growth path: Happiest Minds

BENGALURU. Acquisitions are a key ingredient in Happiest Minds' growth path, as it in Q1 alone acquired PureSoftware Technologies for Rs 779 crore and also US-based Azure native digital product engineering company Aureus Tech Systems.Talking about these acquired companies, Venkatraman Narayanan, MD and CFO, Happiest Minds told TNIE they expect in the next quarter bit more of a perk up in both BFSI (banking, financial services, and insurance) and healthcare verticals because both these acquired companies are largely BFSI.Through the acquisition of Aureus, the firm has strengthened its domain capabilities in insurance & reinsurance, healthcare and life sciences and strong product & digital wngineering services (PDES) business. The acquisition strengthens the firm's presence in the US. In case of PureSoftware, it helps augment the firm's presence in the US, UK and India, and it will get a near-shore presence in Mexico and offices in Singapore, Malaysia, and Africa. Happiest Minds' profit after tax stood at Rs 51 crore in Q1, down 29.1% sequentially. Revenue in Q1 stood at Rs 464 crore, up 11.2% sequentially."Our revenue in constant currency grew YoY 17.8% while EBITDA grew 13.3%. Variations in PBT and PAT are primarily on account of non-recurring expenses in the current quarter versus a large exceptional write-back in the previous, and increased amortisation and financing costs arising from acquisitions," Narayanan said.

Buyback tax rules inequitable: Industry

NEW DELHI. Industry representatives have recently submitted representations to the finance minister, urging a reconsideration of new taxation rules concerning the buyback of shares. The 2024 Union Budget imposed up to a 39% tax on shareholders who sell their shares back to the companies, treating this transaction as dividend income.

Previously, companies would face a buyback tax of 23%, but new provisions have shifted tax burden onto individual shareholders, which the industry claims to be unfair and inequitable. Experts argue new tax rate is disproportionately higher as gainst long-term capital gains tax (LTCGT) of 12.5% and short-term capital gains tax (STCGT) of 20%, which apply when shares are sold to other buyers.

The Direct Tax Committee of the PHD Chamber of Commerce and Industry has raised key concerns regarding implications of the new buyback tax. As per them, there is a major issue concerning tax classification. Share buyback is currently classified as a transfer of a capital asset, and many believe it should be taxed as capital gains rather than as income. This view holds that taxing buybacks as dividends contradicts established tax principles.

Another concern is unequal treatment of shareholders. The stark difference in tax rates is troubling; shareholders face up to 39% tax when selling shares back to the company. This discrepancy makes the buyback option less attractive for investors."Income realised consequent to shares being bought back should have been treated as capital gains income; this would align with underlying nature of transaction," said Lokesh Shah, partner, IndusLaw.He adds that in current framework to treat buyback as dividend, cost of share acquisition is available as deemed capital loss for shareholder. "Deemed capital loss is available for offset against eligible gain (long term/short term) that may be recognised in the future. In the event, no such gains occur to shareholder in next eight years, the loss recognised consequent to the buyback is a lost cost."'... the provision that in such a case the purchase price of `100 shall be treated as long-term/short-term capital loss to be offset against future capital gains is unjust and unfair because the person may not have any capital gains in future and may be too old to live long enough to earn the capital gains to offset his such capital loss," argued PHD Chambers of Commerce.

JSW Cement files paper to raise Rs 4,000 crore through public issue

NEW DELHI. Billionaire Sajjan Jindal-led JSW Cement has filed draft papers to launch a Rs 4,000 crore Initial Public Offering (IPO). The company would be raising Rs 2,000 crore through a fresh issue and another Rs 2000 crore via an offer for sale (OFS).

Under the OFS component, AP Asia Opportunistic Holdings, Synergy Metals and the State Bank of India will offload part of their stakes.

JSW Cement would become the latest JSW Group company to hit on the exchanges. Currently, the Group's listed entities included JSW Steel, JSW Energy and JSW Infrastructure. Parth Jindal, MD of JSW Cement, had last year stated their plans to list the cement units and use the proceeds to fund the ambitious goal of reaching a 60 million tonne capacity.As per the IPO paper, 50% of the public offer is reserved for qualified institutional buyers, 15% for non-institutional investors and 35% for retail investors. The company would the net proceeds for partly financing the proposed cement facility in in Nagaur, Rajasthan, repayment of debt and other general corporate purposes.The IPO paper showed JSW Cement's revenue from operations rose to Rs 6,028 crore in FY24 from Rs 5,837 crore a year ago.

However, net profit fell to `62 crore last fiscal from Rs 104 crore a year earlier. JM Financial Ltd, Axis Capital, Citigroup Global Markets India, DAM Capital Advisors, Goldman Sachs (India) Securities, Jefferies India, Kotak Mahindra Capital Company and SBI Capital Markets are responsible for managing the company's IPO process.Ecom Express files for Rs 2,600 cr IPO

NEW DLHI: Ecom Express has filed draft papers with capital markets regulator Sebi to raise Rs 2,600 crore through an initial share-sale. The company's initial public offering (IPO) comprises a fresh issue of equity shares worth Rs 1,284.50 crore and an offer for sale (OFS) of shares valued Rs 1,315.50 crore by promoters and other shareholders, according to the draft red herring prospectus (DRHP).Proceeds from the fresh capital to the tune of Rs 387.44 crore will be used for setting up new processing centres with automation and new fulfilment centres.

Fed rate cut hope triggers rally in equity market

NEW DELHI. On the back of strong global cues, the Indian equity market rallied sharply on Friday with the benchmarks – BSE Sensex and NSE Nifty50 – surging nearly 2% each. The Sensex added 1330.96 points, or 1.68%, to close at 80,436.84, while the Nifty50 advanced 397.40 points, or 1.65% to settle at 24,541.15.

In the broader market, BSE MidCap and SmallCap indices surged over 1.5% each. Investors added Rs 7.30 lakh crore on Friday as the market cap of BSE-listed firms rose to Rs 451.6 lakh crore. The rally was attributed to fresh hopes of an interest rate by the US Federal Reserve after consumer inflation in the economy fell to a 3-year low of 2.9% in July and retail sales grew stronger-than-expected in the same month. Domestically, the Indian CPI inflation rate also fell below the estimate, signalling optimism.Tech-heavy NASDAQ advanced 2.5% on Thursday. US benchmarks - Dow Jones and the S&P 500 - gained about 1.5% each. Stability in Yen prompted a rally in Asian markets. Japan's Nikkei rose 3.6%, Kospi and Taiwan were up 2% each."Stability of Japanese Yen has been instrumental in driving a global market recovery. Strong US retail sales and a fall in weekly jobless claims have helped alleviate fears of a US recession. Further, the market sentiment has improved due to a decrease in US CPI inflation. On the backdrop of these, the Indian IT firms exhibited strong buying interest," said Vinod Nair, head of research, Geojit Financial Services.Nair said challenges such as a drop in WPI inflation, weak IIP, and lukewarm Q1 corporate earnings suggest market gains may be limited, which is reflected by FIIs maintaining a net seller position. In the coming week, market will keenly watch Fed chair speech in Jackson Hole and FOMC minutes.

The major beneficiaries of an improving US economy were IT shares. The Nifty IT index rallied 3% on Friday with top gainers being Mphasis, L&T Technology Services, Wipro and Tech Mahindra. The heavyweights – Infosys and TCS – gained 2% and 3% each.

How Global Capability Centres are powering India's job market

NEW DELHI. Once they were considered back offices catering to Fortune 500 companies. But that was then. Global Capability Centres (GCCs) have since emerged from the shadows, expanding their sphere of influence within the Indian tech landscape. They have evolved into tech powerhouses, seamlessly integrating with their parent enterprises and becoming strategic assets providing access to digital talent at scale. This has reshaped the perception of GCCs within the Indian tech industry. From peripheral centres, GCCs have emerged as global hubs of strategic operations.Nearly 40 years after India's GCC poster boy, Texas Instruments, made Bengaluru its home for R&D operations, Indian GCCs have created a compelling story for global companies to acknowledge India's enviable tech talent pool. This has, a) created more tech jobs in India; and b) solidified India's position as a hub for advanced technological development.6 lakh new jobs in 5 years

Just consider these numbers: India now has about 1,600 GCCs. This is estimated to go up to 1,900 by next year. According to a Nasscom-KPMG report, their combined market size now is $60 billion. In 2014-15, it was $19.6 billion, which more than doubled to $46 billion in 2022-23, a compound annual growth rate (CAGR) of 11.4%. GCCs added over 6 lakh new jobs between 2018-19 and 2023-24, taking the total job count to over 16 lakh or 1.6 million.If this sounds good, here's some better news for the sector. The latest Economic Survey was upbeat about the future of GCCs. By 2030, the Survey projects, GCCs will contribute a total revenue of $121 billion - roughly 3.5% of India's current GDP. Of this, $102 billion will come from exports.

Take JPMorganChase, for instance. Its headcount in India grew to over 55,000 from 34,000 in 2018. Deepak Mangla, CEO, corporate centres, India, and Philippines at JPMorganChase, in a recent interaction with TOI, said its India operations are a microcosm of all lines of businesses and functions, not just technology. "We consider ourselves a technology-driven bank.

RIL layoffs raise concern over hiring in retail

BENGALURU: The recent layoffs within Reliance's retail division (about 38,029 job cuts) have raised many questions, especially the future of hiring with regards to retail opportunities.

As per the company's annual report, RIL has cut about 42,052 jobs (38,029 in retail alone) during FY24. Its total number of employees in retail arm stood at 2,07,552 in FY24 as against 2,45,581 in the previous fiscal. The annual report states that it hired 1.71 lakh new employees (1,05,047 in Reliance Retail) across diverse businesses in FY24. In FY23, the number of new hires in retail was 1,79,971. Total number of new hires in Reliance was 2,62,558 in Fy23.

Aditya Narayan Mishra, MD & CEO of CIEL HR, said the impact of RIL's layoffs will likely be multifaceted. "In the short-term, we might see a shift in operational dynamics, with a greater focus on efficiency and adoption of technology-driven solutions to maintain service levels. However, this creates opportunities for the remaining workforce to upskill and adapt to new roles within the evolving retail landscape," he said.

Reliance Retail recorded gross revenue of Rs 3,06,848 crore, a growth of 17.8% over last year.In the report, Mukesh Ambani, chairman and MD, RIL, said Reliance Retail's vision of inclusive development for millions of consumers and merchants, coupled with unprecedented growth of the Indian marketplace, has resulted in marquee names investing in RRVL at a $100 billion valuation milestone.

'Wasn't the night Shampa's too?' Bengal Police post on hospital mob attack slammed

The West Bengal Police shared a picture of their woman constable who was injured while she was on duty during a midnight march held in protest against the rape and murder of a trainee doctor at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital.

New Delhi. The West Bengal Police was criticised by social media users following a post on its woman constable suffering injuries during vandalism at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital while she was on duty when a midnight march was held in protest against the rape and murder of a trainee doctor at the state-run hospital.

Late on Wednesday night, unidentified miscreants, around 30-40 people, entered the hospital during the 'Reclaim the Night' protest and vandalised property. Police personnel fired teargas and resorted to lathicharge to disperse the mob.

In a tweet on Friday, the West Bengal Police said the woman constable, Shampa Pramanik, was on duty during the midnight protest, when a brick, thrown from the crowd, hit her, and resulted in injuries to her face. "It was meant to be a night for women, when they reclaimed the streets demanding safety at the workplace, in memory of a young woman who fell victim to a horrifying tragedy at her own workplace," the tweet read. The police said the incident occurred in the city's Baguiati area and five people were arrested in connection with the incident.

"Our colleague, Constable Shampa Pramanik, of the Bidhannagar Police Commissionerate, was in Baguiati on the night of August 14, ensuring the safety of those walking the streets," it said.

"Suddenly, unprovoked, several bricks came flying from the crowd toward the police, one of which hit Shampa in the face. The accompanying photo was taken in the minutes immediately after she was hit," it said."We have arrested five people in the case, and will try to ensure punishment for them, but this is peripheral information. The main question is: Wasn't the night Shampa's too?" the police further said.

'PLAYING VICTIM CARD'

Social media users slammed the West Bengal Police's post on the woman constable and accused the police force of playing the victim card.

"Hoping for her swift recovery, but why resort to playing the victim? The police were responsible for safeguarding both the protesters and their own officers. It failed at both. Women are demanding safety, and it is your obligation to ensure that. Instead, you play the victim and lay bare your incompetence so poetically," one user wrote.

"Your priorities are sorted! Instead of safeguarding citizens and helping the victims, you are crying victim yourself!" another tweeted. "Shameless police force. You guys intimidate common citizens for posts, cannot manage law and order in your state, and want to play victim? Leave your job if you can't do it," another user said.

ABOUT KOLKATA RAPE-MURDER

On August 9, the semi-naked body of a 31-year-old post-graduate trainee doctor was found in the seminar hall of the hospital. A civic volunteer, Sanjoy Roy, linked to Kolkata Police was arrested.

A postmortem report revealed that the trainee doctor was raped and throttled to death. Her thyroid cartilage was broken due to strangling and a deep wound was found in her private parts, the four-page autopsy report said. Injury marks were found on her belly, lips, fingers, face and left leg.

The rape-murder has sparked widespread outrage, with doctors and nurses leading protests in Kolkata and other parts of the country, demanding capital punishment against the accused and steps to improve doctors' security.

The Calcutta High Court has handed over the case to the CBI for further investigation.

The Indian Medical Association (IMA) called a 24-hour nationwide cease-work protest, halting most health services from Saturday morning to Sunday, demanding justice for the trainee doctor's rape-murder and improved working conditions for doctors.

Army issues Rs 6,500 crore tender to buy 400 Indian-made howitzer guns

New Delhi. As part of its major modernisation plan with regard to defence equipment, the Indian Army on Friday issued a tender worth around Rs 6,500 crore to buy 400 new howitzers (artillery guns).

As per the tender issued, the Army will buy the guns in the Indigenously Designed, Developed and Manufactured (IDDM) category from Indian firms.

The purchase would provide a major boost to the domestic firms in the defence sector, top defence sources told . A number of new howitzers have been procured by the force in the last decade, including gun systems like the Dhanush, Sharang, Ultra Light Howitzer (ULH) and K-9 Vajra Self Propelled Guns.

The Dhanush Guns are an electronic upgrade of the Bofors Guns, while the Sharang Guns have been upgraded from 130 mm to 155 mm calibre. The Seven and Five regiments have already been equipped with Self-Propelled guns.

155 mm will be the standard calibre of all artillery guns in the future, with automated systems and assemblies. The emphasis is on the development of new technologies in sighting systems, ammunition manufacturing, metallurgy, and networking of guns, the sources added.

India rubbishes Pak's claims of seizure of radioactive material

New Delhi. Days after Pakistan's foreign ministry spokesperson raised concerns over the seizure of alleged 'radioactive' material in India, the MEA on Friday said relevant Indian authorities had investigated the matter and found "no radioactive substance".

The Ministry of External Affairs (MEA) asserted that those making "baseless comments" are advised to desist from their "propaganda". In response to a question at his weekly briefing here, MEA spokesperson Randhir Jaiswal said India has a "robust legal and regulatory framework" for safety and security of radioactive material and its non-proliferation track records speak for itself. On August 9, officials said the Bihar Police arrested three people from the state's Gopalganj district and recovered 50 gm of a "radioactive substance" worth crores of rupees from their possession.

Pakistan's foreign ministry spokesperson Mumtaz Zahra Baloch in a statement on Tuesday had raised concerns over, effectiveness of the measures taken by New Delhi to ensure the safety and security of nuclear and radioactive materials, following the arrest.

The MEA spokesperson was asked to comment on the statement issued by Baloch in this connection. "On the question regarding the spokesperson of Pakistan's foreign ministry, yes, we have seen those reports, and also seen some of the comments that were made. Relevant Indian authorities have subsequently investigated the matter, and they have found no radioactive substance, as was claimed in the statement," Jaiswal said.In fact, India's Department of Atomic Energy (DAE) has "issued a statement", he said, and urged journalists to have a look at it.

"Those making baseless comments are advised to desist from their propaganda, for which obviously there are no takers. We also want to emphasise once again that India has a robust legal and regulatory framework for the safety and security of radioactive material. Our non-proliferation track record speaks for itself. As of those making these baseless allegations, the less said the better," the MEA spokesperson said.It is learnt that the DAE has said in a report that there was no presence of radioactivity around the seized substance.

Delhi Lt Governor calls on Assembly Speaker to act on pending reports from CAG

The Delhi government has yet to table these crucial reports on domains including state finances, pollution mitigation, liquor regulation, appropriation accounts, public sector undertakings (PSUs), and social and general sectors.

New Delhi. In a letter addressed to Delhi Assembly Speaker, Ram Niwas Goel, Delhi Lieutenant Governor (LG) VK Saxena on Friday raised serious concerns regarding eleven pending reports from the Comptroller and Auditor General (CAG) of India.

The Aam Aadmi Party (AAP) Government in Delhi has yet to table these crucial reports, which span various domains including state finances, pollution mitigation, liquor regulation, appropriation accounts, public sector undertakings (PSUs), and social and general sectors.

Additionally, a performance audit report on children in need of care and protection is also awaiting presentation.Several of these reports have been pending since 2022, with the "Performance Audit on Regulation and Supply of Liquor in Delhi" for 2017-18 to 2021-22, submitted to the Delhi Government on March 4, 2024, remaining with Delhi Finance Minister Atishi Marlena since April 11, 2024.This particular report holds significant importance due to the AAP Government's controversial excise policy that was marred by allegations of corruption and eventually retracted by the Kejriwal administration.

The LG's office revealed that the Controller of Accounts, GNCTD, had, on July 18, 2024, confirmed all the aforementioned CAG reports are awaiting action from Atishi Marlena.

In his letter, dated February 22, 2024, Saxena had previously addressed the issue with Chief Minister Arvind Kejriwal, urging expeditious laying of these reports.Reminding the constitutional mandate, Saxena cited Article 151 of the Constitution, Section 48 of the Government of NCT of Delhi Act, 1991, and Regulation 210 of the Regulations on Audit and Accounts, 2007, to stress the importance of tabling these reports. He highlighted that the delay in presenting the CAG reports not only evades legislative and public scrutiny but also undermines democratic accountability.Saxena's letter also alludes to past instances where critical reports on the performance of entities like the Delhi Jal Board and private power distribution companies were deliberately delayed by the AAP Government, leading VK Saxena to flag the issue.

The LG has called on Assembly Speaker Goel to ensure these reports are laid before the Delhi Legislative Assembly without further delay, underlining the urgency and the constitutional obligation involved.

22 coaches of Sabarmati Express derail in UP after engine hits 'object on track'

Sabarmati Express Train Derailed: According to the Railways, Sabarmati Express 19168 derailed after hitting a boulder, causing significant damage to the engine's cattle guard.

New Delhi. Twenty-two coaches of the Sabarmati Express, en route from Varanasi to Sabarmati, derailed on Saturday morning near Uttar Pradesh's Kanpur, triggering panic among passengers. The mishap occurred shortly after the train departed Kanpur, with the derailment taking place near Bhimsen.

North Central Railway (NCR) senior public relations officer Shashikant Tripathi told news agency PTI that the incident took place at 2:30 am. The passengers were asleep when the train halted after a loud noise.Emergency teams, including police and administrative personnel, are present at the site. All passengers were safely rescued, and no casualties were reported.

Taking to X, Railways Minister Ashwini Vaishnaw stated, "The engine of Sabarmati Express (Varanasi to Amdavad) hit an object placed on the track and derailed near Kanpur at 02:35 am today. Sharp hit marks are observed. Evidence is protected. IB and UP police are also working on it." However, the route has been completely blocked. This section is a key route for trains travelling from Kanpur towards Mumbai.

"Shortly after the train departed from the Kanpur railway station, we heard a loud noise and the coach started shaking. I got very scared, but the train stopped," one of the passengers, Vikas, told .The Railways stated that seven trains have been cancelled and three diverted due to the derailment.

Indian Railways has dispatched buses to the location to felicitate the passengers transfer to Kanpur.

According to Railways, Sabarmati Express 19168 derailed after hitting a boulder, causing significant damage to the engine's cattle guard.

The Indian Railways are currently probing the incident.Meanwhile, Railways has issued emergency helpline numbers for the concerned stations: Virangana Lakshmibai Jhansi Junction can be reached at 0510-2440787 or 0510-2440790. For Orai, the contact number is 05162-252206. Banda can be contacted at 05192-227543, and for Lalitpur Junction, the number is 07897992404.

Man scales wall, enters Parliament Annexe premises, arrested

New Delhi. In a major security breach, a man in his early 20s scaled the wall and jumped inside the Parliament Annexe building premises on Friday afternoon, official sources said.A purported video of the incident has also surfaced where the suspect, wearing a pair of shorts and a T-shirt, is seen being held by armed Central Industrial Security Force (CISF) personnel. Nothing incriminating was found from the man during frisking. He has been handed over to the Delhi Police, sources in the CISF said.They said the incident took place near the Imtiaz Khan Marg. The suspect scaled the wall and jumped inside the Parliament Annexe building premises around 2:45 pm. The man has been identified as Manish, a resident of Aligarh in Uttar Pradesh.The CISF personnel, who look after the security of the Parliament complex, made a PCR call after spotting the man inside the premises and informed the local police.A police team rushed to the spot and took the man to a nearby police station, where he was questioned by officials.

"We are trying to find out how he scaled the wall and went inside the premises", a senior Delhi Police officer was quoted as saying by news agency . The CCTV footage is being checked, the officer added.He said the man appeared to be mentally "unsound" as he could not tell his name properly. He was also questioned by central security agency officials, though nothing suspicious has come to light so far, an official source said.In a major security breach on the anniversary of the 2001 Parliament attack, two men jumped into the Lok Sabha chamber from the public gallery on December 13 last year and opened canisters that emitted a yellow-coloured szoke, triggering panic among the MPs.

After this incident, the Delhi Police and the CRPF were removed from the internal security of the Parliament complex but the police still have the responsibility to ensure safety from outside.The internal security of the complex, which houses the old and new Parliament buildings and their associated structures, including the annexe, is managed by the CISF.

Former Meghalaya Chief Minister Salseng C Marak passes away at 83

Marak was admitted to the Holy Cross Hospital on August 8, 2024 and was shifted to the Tura Civil Hospital on August 12.

- Salseng C Marak dies of age-related ailments
- Marak admitted to Tura Civil Hospital on August 12
- Marak be laid to rest in Resubelpara on Saturday

New Delhi. Former Meghalaya Chief Minister Salseng C Marak passed away aged 83 on Friday, August 16. Marak died due to age-related ailments at the Tura Civil Hospital in West Garo Hills district.

Marak was admitted to the Holy Cross Hospital on August 8, 2024 and was shifted to the Tura Civil Hospital on August 12. According to his family members, the veteran Congress leader from Garo Hills had been grappling with poor health for the last few weeks and became very weak, leading to his hospitalisation.His mortal remains have been taken to his home constituency of Resubelpara in North Garo Hills, where he will be laid to rest on Saturday.

Marak was also known as 'Mr Clean' for his relentless pursuit of a corruption-free and progressive Meghalaya.He was the chief minister of the state from 1993 to 1998, becoming the first leader to serve a full 5–year term without changing party. He became the Chief Minister when the state was going through political instability during the early 1990s, when regional forces were at the forefront of government formations and takedowns.

Despite multiple attempts to bring down his government by regional forces, he completed a full term as Chief Minister.

arak graduated from Kolkata's Scottish Church College. He was also made the president of Meghalaya Pradesh Congress Committee (MPCC) in 2003.

News box

Putin aide says US-led Nato and West helped Ukraine attack Russia

Moscow,UPDATED An influential aide to Russian President Vladimir Putin said on Friday that the West and the US-led Nato alliance had helped to plan Ukraine's surprise attack on Russia's Kursk region, something Washington has denied.The lightning incursion, the biggest into Russia by a foreign power since World War Two, began on August 6 when thousands of Ukrainian troops crossed Russia's western border in a major embarrassment for Putin's military.Ukraine said the incursion was needed to force Russia, which sent its forces into Ukraine in February 2022, to start "fair" peace talks.But the United States and Western powers, eager to avoid direct military confrontation with Russia, said Ukraine had not given advance notice and that Washington was not involved, though weaponry provided by Britain and the US is reported to have been used on Russian soil.Influential veteran Kremlin hawk Nikolai Patrushev dismissed the Western assertions in an interview with the Izvestia newspaper."The operation in the Kursk region was also planned with the participation of Nato and Western special services," he was quoted as saying, without offering evidence."Without their participation and direct support, Kyiv would not have ventured into Russian territory."

The remarks implied that Ukraine's first acknowledged foray into sovereign Russian territory carried a high risk of escalation.

Putin chaired a meeting of Russia's Security Council, including Patrushev, and said the discussion would focus on "new technical solutions" being employed in what Russia calls its special military operation.

Row over planned Ram Mandir float at upcoming India Day Parade in New York

New York. A carnival float featuring a Hindu temple that is planned for an upcoming India Day Parade in New York City has sparked controversy, with a number of groups calling it anti-Muslim and saying it should be removed from the event.The float depicts a temple to the Hindu god Lord Ram, which was consecrated earlier this year on a site in Ayodhya, India, believed to be his birthplace. But the temple site has long been bitterly contested between Hindus and Muslims, and in the early 1990s a mosque that stood there was razed by a Hindu fundamentalist mob.Some US-based organisations have written a letter to New York City Mayor Eric Adams and New York Governor Kathy Hochul, calling the float anti-Muslim and saying it glorified the mosque's takedown.Among the groups who signed the letter were the Council on American Islamic Relations, the Indian American Muslim Council and Hindus for Human Rights."This float's presence represents these groups' desire to conflate Hindu nationalist ideology with Indian identity, but India is a secular country," the letter said.The Vishwa Hindu Parishad of America, which is organising the float, says it represents a Hindu place of worship and aims to glorify a deity seen as an important part of Indian and Hindu identity. The Hindu American Foundation said it was an exercise of free speech.The Federation of Indian ssociations, which runs Sunday's event, said the parade represents India's cultural diversity and will feature floats from a range of communities.There's no room for hate," Adams said at a press conference earlier this week. "If there is a float or a person in the parade that's promoting hate, they should not."Adams' office later told the Associated Press that the US Constitution's First Amendment right to free speech prevents the city from denying a permit or requiring that a float or parade's message be changed simply because it does not agree with the content.

Bangladesh actor Rokeya Prachi attacked by mob, goes underground

Dhaka Popular Bangladeshi actor Rokeya Prachy was allegedly attack by a violent mob on August 15 when she was on her way to 32 Bangbandhu Road to pay respects to country's founding father Sheikh Mujibur Rehman on his martyrdom day.

Speaking exclusively to India Today TV, Prachy said that during the attack, an angered mob tore down posters, and talked about killing her."They were all supporters and workers of BNP and Jamaat Islami. They wanted to kill me. They danced after beating and throwing me out. The clothes were ripped, women were physically harassed," Prachy recalled.The famous Bangladeshi actress is a recent victim of the growing wave of violence that has engulfed Bangladesh over past few weeks.The crisis has become increasingly dangerous for the leaders of the Awami League and those who voiced their support for the former Prime Minister Sheikh Hasina, who fled the country on August 5 amid violent student protests.Many of the leaders of the former ruling party have gone underground in fear of their lives. Notably, this impediment is not only limited to politicians but has now also reached actors."I don't know if I am going to be safe tomorrow. I don't find anything meaningful with this new-found independence," Prachy said.To paint a better picture of the current situation, Prachi drew comparisons to Bangladesh's situation in 1971.

Mumbai terror attack accused Tahawwur Rana can be extradited to India: US court

Washington. In a major setback to Pakistani-origin Canadian businessman Tahawwur Rana, who is sought by India for his involvement in the 2008 Mumbai terror attack, the US Court of Appeals for the Ninth Circuit has ruled that he is extraditable to India under the extradition treaty between the two countries.

"The (India US Extradition) Treaty permits Rana's extradition," the court said in its ruling on August 15.Ruling on an appeal filed by Rana, a panel of judges of the US Court of Appeals for the Ninth Circuit affirmed the District Court in the Central District of California's denial of his habeas corpus petition challenging a magistrate judge's certification of his as extraditable to India for his alleged participation in terrorist attacks in Mumbai.Under the limited scope of habeas review of an extradition order, the panel held that Rana's alleged offence fell within the terms of the extradition treaty between the United States and India, which included a Non Bis in Idem (double jeopardy) exception to extraditability "when the person sought has been convicted or acquitted in the Requested State for the offence for which extradition is requested".

Relying on the plain text of the treaty, the State Department's technical analysis, and persuasive case law of other circuits, the panel held that the word "offence" refers to a charged crime, rather than underlying acts, and requires an analysis of the elements of each crime.The panel of three judges concluded that a co-conspirator's plea agreement did not compel a different result. The panel held that the Non Bis in Idem exception did not apply because the Indian charges contained distinct elements from the crimes for which Rana was acquitted in the United States.In its ruling, the panel also held that India provided sufficient competent evidence to support the magistrate judge's finding of probable cause that Rana committed the charged crimes. The three panel of judges were Milan D Smith, Bridget S Bade, and Sidney A Fitzwater.Rana, a Pakistani national, was tried in a US district court on charges related to his support for a terrorist organisation that carried out large scale terrorist attacks in Mumbai. A jury convicted Rana of providing material support to a foreign terrorist

organisation and conspiring to provide material support to a foiled plot to carry out terrorist attacks in Denmark.However, the jury acquitted Rana of conspiring to provide material support to terrorism related to the attacks in India. After Rana served seven years in prison for those convictions and upon his compassionate release, India issued a request for his extradition to try him for his alleged participation in the Mumbai attacks.Before the magistrate judge who initially decided Rana's extraditability (the extradition court), Rana argued that the US extradition treaty with India protected him from extradition because of its Non Bis in Idem (double jeopardy) provision. He also argued that India did not provide sufficient evidence to demonstrate probable cause that he committed the charged crimes.The extradition court rejected Rana's arguments and certified that he was extraditable. After Rana raised the same arguments in a habeas petition in district court (the habeas court), the habeas court affirmed the extradition court's findings of facts and conclusions of law.In his appeal, Rana argued that he cannot be extradited based on conduct for which he was acquitted in the United States because the word "offence" refers to underlying acts. The US government argued that "offence" refers to a charged crime and requires an analysis of the elements of each charged crime.

US Supreme Court junks plea for LGBT student protection in 10 Republican states

Washington The US Supreme Court declined on Friday to let President Joe Biden's administration enforce a key part of a new rule protecting LGBT students from discrimination in schools and colleges based on gender identity in 10 Republican-led states that had challenged it.The justices denied the administration's request to partially lift lower court injunctions that had blocked the entirety of the rule expanding protections under Title IX, a law that bars sex discrimination in federally funded education programs, while litigation continues.The lower court decisions had prevented the US Education Department from enforcing the new rule, announced in April and set to take effect on August 1, in Tennessee, Louisiana and eight other states.The administration had sought to restore a key provision of clarifying that discrimination "on the basis of sex" encompasses sexual orientation and gender identity, as well as the rule's numerous other provisions that do not address gender identity.Biden's administration had asked the Supreme Court to intervene on an emergency basis in a lawsuit by Louisiana, Mississippi, Montana, Idaho, and numerous Louisiana school boards, and another lawsuit by Tennessee, Kentucky, Ohio, Indiana, Virginia, West Virginia and an association of Christian educators."These final regulations clarify Title IX's requirement that schools promptly and effectively address all forms of sex discrimination," US Assistant Secretary for Civil Rights Catherine Lhamon said when the rule was announced. "We look forward to working with schools, students and families to prevent and eliminate sex discrimination."Louisiana Attorney General Liz Murrill called the rule a federal overreach that would eviscerate Title IX, and criticized what she called Biden's "extreme gender ideology.""This is all for a political agenda, ignoring significant safety concerns for young women students in pre-schools, elementary schools, middle schools, high schools, colleges and universities across Louisiana and the entire country," Murrill said of the federal rule when she announced the state's lawsuit."These schools now have to change the way they behave and the way they speak, and whether they can have private spaces for little girls or women. It is enormously invasive, and it is much more than a suggestion.

First case of polio confirmed in 10-month-old child in Gaza: Officials

Gaza city. Palestinian health officials on Friday reported the first case of polio in an unvaccinated 10-month-old child in the Gaza city of Deir al-Balah, the first case in years in the coastal enclave that has been engulfed in the Israel-Hamas war since October 7.

After discovering the child's symptoms, tests were conducted in Jordan's capital of Amman and the case was confirmed to be polio, the health officials said.The potentially fatal, paralysing disease mostly strikes children under the age of 5 and typically spreads through contaminated water. Pakistan and Afghanistan are the only countries where the spread of polio has never been stopped.The World Health Organization did not immediately respond to requests to confirm the case. However, UN health and children's agencies have called for seven-day pauses in the fighting, starting at the end of August, to vaccinate 640,000 Palestinian children against polio.They said the polio virus had been discovered in wastewater in two major cities last month in Gaza, which has been polio-free for the last 25 years, according to the United Nations.The humanitarian community has warned of the re-emergence of polio since the latest war erupted when Hamas attacked Israel on October 7, killing around 1,200 people and taking more than 250 hostage. Israel's devastating retaliatory offensive has killed more than 40,000 people in Gaza in the 10-month-long conflict and created a dire humanitarian situation, which health officials say has created a public health emergency.In July, WHO said a variant of type 2 was discovered in wastewater samples from southern Khan Younis and central Deir al-Balah, linked to a variant of the polio virus last detected in Egypt last year.While WHO did not confirm the polio case, it said earlier on Friday that three children in Gaza were found with acute flaccid paralysis — the onset of weakness or paralysis with reduced muscle tone, a common symptom of polio.

Congo's humanitarian crisis helped mpox spiral again into a global health emergency

GOMA, Congo: Sarah Bagheni had a headache, fever, and itchy and unusual skin lesions for days, but she had no inkling that her symptoms might have been caused by mpox and that she might be another case in a growing global health emergency.She also has no idea where to go to get medical help.

She and her husband live in the Bulengo displacement camp in eastern Congo, a region that is effectively ground zero for a series of mpox outbreaks in Africa.

This year's alarming rise in cases, including a new form of the virus identified by scientists in eastern Congo, led the World Health Organization to declare it a global health emergency on Wednesday. It said the new variant could spread beyond the five African countries where it had already been detected — a timely warning that came a day before Sweden reported its first case of the new strain.In the vast central African nation of Congo, which has had more than 96% of the world's roughly 17,000 recorded cases of mpox this year — and some 500 deaths from the disease — many of the most vulnerable seem unaware of its existence or the threat that it poses.

"We know nothing about this," Bagheni's husband, Habumuremyiza Hire, said Thursday about mpox. "I watch her condition helplessly because I don't know what to do. We continue to share the same room."Millions are thought to be out of reach of medical help or advice in the conflict-torn east, where dozens of rebel groups have been fighting Congolese army forces for years over mineral-rich areas, causing a huge displacement crisis. Hundreds of thousands of people like Bagheni and her husband have been forced into overcrowded refugee camps around Goma, while more have taken refuge in the city.Conditions in the camps are dire and medical facilities are almost nonexistent.

Hurricane Ernesto slams into Bermuda, causes power cuts, flooding

Hurricane Ernesto hit Bermuda late Friday with heavy winds and rain after officials in the tiny British territory in the middle of the Atlantic Ocean opened shelters and closed government offices.

Bermuda,UPDATED Hurricane Ernesto bore down on Bermuda on Friday as a Category 2 storm, threatening the British island territory with strong winds, a dangerous storm surge and potentially deadly flooding.

Ernesto, centered about 95 miles (150 km) south-southwest of the archipelago at 8 pm Atlantic Standard Time (0000 GMT on Saturday), was producing sustained winds of up to 100 mph (155 kph) and had the potential to drop up to 9 inches (230 mm) of rain, the US National Hurricane Center said.The center of Ernesto is expected to pass near or over Bermuda on Saturday morning, making conditions ripe for storm surges and flash flooding by the afternoon."Folks, be under no illusion. This storm is the real deal," said Michael Weeks, Bermuda's national security minister, at a press conference on Friday.He warned Bermudians to brace for 36 hours of hurricane- and tropical storm-force winds starting Friday afternoon.The winds had knocked out power for 5,400 of Bermuda's 36,000 customers, the power utility Belco said. The company added it had called its repair crews back from the field because it was too dangerous to work.Warren Darrell, 52, of Smith's Parish, said he had stocked up on

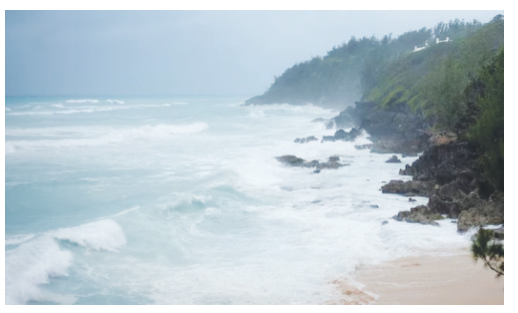

groceries for his family, battened down the hatches and removed furniture from the lawn in preparation for Ernesto's arrival."I'm ready to play games with my daughters and wait," he said. "I'm a bit worried, a little bit worried, but I think we'll overcome. I think we'll be fine."Winds, torrential rains and rip currents began picking up just before noon at John Smith's Bay on Bermuda's Main Island. The government planned to close a causeway bridge linking it to St. George's Island on Friday night. A number of tourists and locals were seen roaming around the south shore, while a person was windsurfing as waves grew in size before 2 pm.Bermuda, a collection of 181 small islands clustered more than 600 miles (965 km) off the Carolina coast, can expect hurricane conditions to persist until Sunday, National Hurricane Center Director Michael Brennan said in an online briefing.Fewer than a dozen hurricanes have made direct landfall on Bermuda, according to records dating to the 1850s.

PUERTO RICO POWER OUTAGES

Earlier this week, Ernesto grazed Puerto Rico as a tropical storm, bringing heavy rainfall to the US Caribbean territory and cutting power to about half of its 1.5 million customers.About 250,000 homes and businesses remained without power as of Friday morning, according to LUMA Energy, the island's main electricity distributor.

Puerto Rico's power grid is notoriously fragile. The island has experienced prolonged power outages in recent years when weather systems much more powerful than Ernesto rolled through.

Ernesto is the fifth named Atlantic storm of what is expected to be an intense hurricane season. Slow-moving Debby hit Florida's Gulf Coast as a Category 1 hurricane just last week before soaking some parts of the Carolinas with up to 2 feet of rain.

Blood on Turkey parliament floor as lawmakers trade punches

The Turkish parliament descended into chaos as lawmakers were involved in a brawl as they fistfought with each other over the move to strip parliamentary immunity to a jailed opposition leader. The brawl left two MPs injured.

Ankara,Ankara. Dozens of lawmakers became embroiled in a fisticuffs brawl in Turkey's parliament on Friday (local time) as they argued over a jailed opposition deputy stripped of his parliamentary immunity this year.The 30-minute ruckus, which left at least two lawmakers injured, forced the suspension of the hearing. Deputies eventually returned for a vote that rejected an opposition move to restore the parliamentary mandate of lawyer and rights activist Can Atalay.The parliamentary turmoil erupted after ruling Justice and Development Party (AKP) member Alpay Ozalan launched into Ahmet Sik, a member of the leftist Workers' Party of Turkey (TIP) who had condemned the government's treatment of Atalay.t's no surprise that you call Atalay a terrorist," he said."All citizens should know that the biggest terrorists of this country are those seated on those benches," he added, indicating the ruling majority.Ozalan, a former footballer, walked to the rostrum and shoved Sik to the ground, said an AFP journalist in parliament.Whilst on the ground, Sik was punced several times by AKP lawmakers. Dozens of lawmakers joined the fight.Footage posted online showed the brawl and then staff cleaning blood stains from the parliament floor. A deputy from the Republican People's Party

(CHP) and one from the Peoples' Equality and Democracy (DEM) party suffered head injuries.Ozgur Ozel, the head of the main opposition CHP party, denounced the violence."I am ashamed to have witnessed this situation," he added.The parliament speaker said the two deputies at the origin of the brawl would be sanctioned.COURT BATTLE

Atalay was deprived of his seat following an ill-tempered parliamentary session in January, despite efforts by fellow leftist deputies to halt the proceedings.He is one of seven defendants sentenced in 2022 to 18 years in prison following a controversial trial that also saw the award-winning philanthropist Osman Kavala jailed for life.From prison, Atalay, 48, campaigned for a parliament seat for the earthquake-ravaged Hatay province in a May 2023 election.He was elected as a member of the leftist TIP, which has three seats in the parliamentThe win led to a legal standoff between President Recep Tayyip Erdogan's supporters and opposition leaders that pushed Turkey to the verge of a constitutional crisis last year.Parliament's decision in January to oust Atalay came after a ruling by the Supreme Court of Appeals that upheld .

NEWS BOX

Carlos Alacaraz shatters racket in rage after losing in Cincinnati Open

New Delhi. Carlos Alcaraz was spotted in a fit of rage as he destroyed his racquet after losing against Gael Monfils in the round of 32 game at the Cincinnati Open on Friday, August 16. Notably, the match resumed on Friday after the rain had halted play on Thursday with Alcaraz leading Monfils 6-4, 6-6(1/3).However, the Frenchman made a brilliant comeback the next day to hand Alacaraz just the eighth defeat of the year by 4-6, 7-6(5), 6-4. Following his loss, the Spanish player looked visibly frustrated and let his emotions get the better of him as he repeatedly smashed his racquet at the court to break it.Speaking after the game, Alcaraz called it the worst match of his career and said that he will try to move on and focus on the upcoming US open."I felt like it was the worst match that I've ever played on my career. I've been practicing really well. I was feeling great. But I couldn't play. I want to forget it and try to move on to New York," said Alcaraz after the game.

Further speaking ahead, the 21-year-old opened up on expressing his raw emotions and said he failed to control his feelings and admitted his frustration."It never happened before, because I could control those feelings. Today I couldn't. I was feeling that I

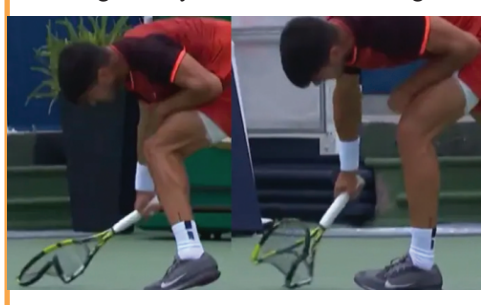

was not playing any kind of tennis. It was really frustrating for me. At some point, I didn't want to be on the court anymore," he added.Djokovic beat Alcaraz in Paris Olympics to clinch goldAlcaraz recently lost in the final of men's singles at the Paris Olympics against Novak Djokovic who won by 7-6 (7-3), 7-6 (7-2). Despite that the Spaniard has had a phenomenal year having won back-to-back grand slam titles at Roland Garros and Wimbledon. The World number 3 will now shift his focus on the US Open set to begin from August 26.

The 21-year-old won his first major singles title in New York in 2022 and became the youngest man and first male teenager in the Open era to top the singles rankings. Alcaraz will be eager to repeat his heroics to add another feather cap in the ongoing year.

Vinesh Phogat arrives in India after Paris heartbreak, breaks down in tears

New Delhi Indian wrestling star Vinesh Phogat arrived in India for the first time since her Paris Olympics heartbreak, and the star was given a grand reception which even reduced her to tears. After what had been a tumultuous and anxious week for the wrestler, Vinesh touched down at the Delhi International Airport on August 17, and was welcomed with loud cheers. Upon her witnessing the reception, Vinesh could not help but get emotional.Even ahead of Vinesh reaching back to Delhi, the Indian wrestler's fans, friends and family had already gathered in large numbers outside the Delhi

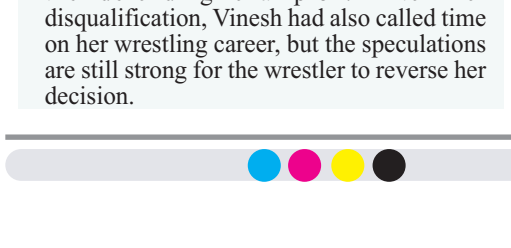

International Airport. Vinesh was also welcomed on her India return by former wrestler Sakshi Malik and Bajrang Punia, who greeted the Paris Games star with a hug. In what was an emotional moment, both Vinesh and Sakhi Malik could be seen reducing to tears while they exchanged a hug outside the airport.

The Court of Arbitration for Sports (CAS) finally denied Vinesh Phogat's appeal for a shared silver medal after the decision faced a deadline-deadly three times. The CAS ultimately released its operative verdict on Wednesday, 14 August, where it decided to uphold the decision of the International Olympic Committee. The wrestler had earlier appealed for a joint silver medal at the Paris Olympics after she was dismissed on the day of her gold medal match. Vinesh had weighed in at 50.100 kgs, which was 100 grams over the weight limit for her final bout.Vinesh's Paris Olympics campaign saw her showcase some tremendous grit, and shock everyone from the very get-go after defeating Yui Susaki, one of the greatest modern-day wrestlers from Japan, and also the defending champion. After her disqualification, Vinesh had also called time on her wrestling career, but the speculations are still strong for the wrestler to reverse her decision.

Premier League: Manchester United beat Fulham 1-0 after late Zirkzee debut goal

Manchester United ensured a winning start to their Premier League campaign with a slender 1-0 win over Fulham in their league opener on August 17, courtesy to a late goal by debutant Joshua Zirkzee.

New Delhi. The Premier League 2024-2025 opener saw Manchester United carve out a positive start to their campaign on top of a narrow 1-0 win over Fulham on August 17 at the Old Trafford stadium, courtesy of a late goal from the side's new signing, Joshua Zirkzee. After what had been a majorly tight game, United's new number 11, Zirkzee netted a goal in the 87th minute of the game to give Erik ten Hag's side a win over Marco Silva's Fulham.As far as the positives are concerned for the Red Devils, the match saw United boast a much more poised possession play in the match which Ten Hag had long been aiming to implement in the squad. United also featured their other two big summer signings, Noussair Mazraoui, who started the match at the left-back position, and also Matthijs De Ligt, who came on in the 81st minute of the game.

Ten Hag still mixing things up

On the other hand, United showcased a lack of clinical finishing to their game against Fulham, which saw them come close to scoring multiple times across the full-length of the game but struggle right in front of the goal. Surprisingly, Ten Hag had only brought on Zirkzee, their major forward option in the squad, only in the 61st minute of the game. Till then, United had been playing with Bruno Fernandes enjoying the more central attacking role along with the occasional Marcus Rashford filling in from the left.This might make one wonder whether Erik ten Hag is yet to have full trust in using Zirkzee as a starting option, specifically with Rasmus Hojlund yet to make a return from injury.

Defensive resilience

United boasted a rather composed backline, with the likes of Harry Maguire being the true standout of the match. After a couple of tumultuous years at United, Maguire seemed to have finally found his element under Erik ten Hag. Maguire often became the final and the most trustworthy man at the United defence against Fulham, and was also significantly impressive with his occasional forward runs.Although, United's other centre-back, Lisandro Martinez, did produce a few slips at the back in the match, the backlog was often covered by none other than Casemiro, who certainly started off his redemption journey on a strong foot forward. De Ligt, despite his short time on the field against Fulham, managed to show some promising touches. With Leny Yoro out injured, this United defence has given a good and confident highlight for coach Ten Hag to take breather out of.,

Want her to win Olympic medal: Vinesh Phogat's brother on star's retirement call

Vinesh Phogat's brother Harvinder Phogat revealed that the family will try to convince the India wrestler to reverse her retirement decision, which she took after her Paris Olympics disqualification. Vinesh is set to arrive in India for the first time since her tumultuous end at the Paris Games.

New Delhi Vinesh Phogat's brother, Harvinder Phogat, told India Today in an exclusive interaction that their family will try to make the Indian wrestling star reverse her decision to retire from the sport after her return to India. As a significant number of Vinesh's fans, friends and family waited at the Delhi International Airport to welcome the wrestler on her India return, Harvinder acknowledged the love and support the family had received.After what had been an anxious few days for not only Vinesh Phogat, but the entire sports fraternity of India, the wrestling star is finally set to make a return to her home from her disappointing end at the Paris Olympics. Amongst the long list of speculations around the future of Vinesh Phogat's career since the Court of Arbitration for Sports's (CAS) verdict went against her favour, her call to take retirement from the sport has definitely been at the top. However, Harvinder Phogat ensured that the entire Phogat family would try to explain to Vinesh, and make her reverse the call for the greater good.

"We will sit and explain to her. To come back from so close to being on the Olympic podium, it is difficult. But the entire family will try and explain to her. We all want to see Vinesh go on for long, we want to see her win an Olympic medal, so lets see what happens now," Harvinder told IndiaToday."I haven't had a talk about this with Vinesh. The frustration of being so close to a medal and missing out, that pain will stay for a long time. But, the sympathy and recognition and love from the people will help Vinesh's motivation for a long time going ahead," Harvinder added.Harvinder Phogat also revealed the excitement that fans have shown on welcoming Vinesh Phogat back to India, and how that means a lot to the wrestler's confidence."Everyone is excited. The entire India is waiting for Vinesh to return. Everyone is excited and also a bit gutted, but everyone has arrived at the airport to show their support for Vinesh and make her feel better so that she can perform well in the future and gain some confidence. That feels really good," Harvinder added.The wrestler had earlier appealed for a joint silver medal at the Paris Olympics after she was dismissed on the day of her gold medal match. Vinesh had weighed in at 50.100 kgs, which was 100 grams over the weight limit for her final bout.

Julian Alvarez aiming to find his 'best version' with Atletico Madrid challenge

Madrid. Atletico Madrid's new blockbuster summer signing, Julian Alvarez, believes that the La Liga giants will help him find a better version of himself and explained that his move from Manchetser City was aimed to find the best version of himself. Ahead of Atletico Madrid's La Liga 2024-2025 season opener against Villarreal on August 19, Alvarez revealed that he is all set to take the most out of his new challenge in Spain.

Argentina's 2022 FIFA World Cup winning power striker Julian Alvarez completed his long-anticipated transfer from Premier League giants Manchester City to La Liga's Atletico Madrid on August 12. Alvarez signed for the Diego Simeone-managed Spanish side for a whooping £82 million ($104.2 million), on a six-year-contract. Despite all his success with Pep Guardiola's City, Alvarez had been actively vocal about his desire to play more minutes.The 24-year-old explained at his Atletico Madrid presentation ceremony that despite his trophy-filled couple of seasons with City, Alvarez is eager to level-up his individual

career. The Argentine believes that the best place to make that happen is Deigo Simeone's Atletico Madrid.

"I felt I needed a change in my career, looking for a new challenge, and I feel this is a club that gives me the space to have my best version as a footballer... My objectives are to try to achieve my best version and to grow as a person as well as to help win," Alvarez said."I'd like to play, I'm always available in any position and as long as I'm on the pitch to help the team I'll be happy...You always dream of winning; you like to win and compete. I don't feel like a superhero for winning the World Cup... I'm here to do my bit and to fight for all the competitions," Alvarez added.Ever since his move to Manchester City from River Plate back in 2022, Alvarez has gone on to win the Premier League twice and the Champions League, one FA Cup, one UEFA Super Cup and a Club World Cup under Pep Guardiola. Now, Alvarez will be seen trying his feet at La Liga, which has already started to build up a strong hype after new names like himself and Kylian Mbappe have come into it.

Steve Smith sets sights on IPL comeback after prolific run in MLC

New Delhi Star Australia batter Steve Smith is eyeing a return to the Indian Premier League (IPL) after his prolific run with the bat in the Major League Cricket (MLC) 2024. Notably, Smith finished as the second-highest run scorer of the tournament with 336 runs to his name from nine innings at an average of 56 and a strike rate of 148.67 with three half-centuries.Leading Washington Freedom in the tournament, the right-handed batter played a match-winning knock of 88 (52) helping his team win their maiden MLC title. Following his remarkable run in the tournament, the 35-year-old is looking for an opportunity to play in the IPL."I'd certainly love another opportunity at IPL. I'll be throwing my name in the ring, and we'll see how we go. I feel like in every opportunity I've had in T20 cricket recently and franchise stuff, I've played quite nicely. So hopefully I just keep putting my name up there and enjoying it," Smith was quoted as saying by FOX Cricket.Notably, Smith last played in the IPL in 2021 for Delhi Capitals and didn't have a memorable outing in the tournament.

He could only amass 152 runs from eight matches at an average of 25.33 and a strike rate of 112.59. As a result, the star batter went unsold in the last two auctions.

Smith comments on his T20I snub

In his IPL career, Smith has scored 2485 runs from 103 matches at an average of 34.51 and a strike rate of 128.09 with one hundred and 11 fifties. Further speaking ahead, the Sydney-born cricketer commented on his snub from the T20I side and said that he's quite unsure of what's happening there but he will keep on improving himself."In terms of international T20s, I don't know what's going on there. They've obviously got some people they want to bring in, and that's fine. I understood the way that they wanted to stack up for the World Cup, with all the strong guys that smack it miles. I understood that. I'm not that fussed. I'll just go about my business, keep trying to improve and get better," he added.Smith last played a T20I back in February against New Zealand and missed out on the squad for the T20 World Cup and the upcoming tours of Scotland and England.

Steve Smith sets sights on IPL comeback after prolific run in MLC

Star Australia batter Steve Smith has set his sights on making a comeback in the Indian Premier League after having a prolific run in the Major League Cricket 2024.

New Delhi Star Australia batter Steve Smith is eyeing a return to the Indian Premier League (IPL) after his prolific run with the bat in the Major League Cricket (MLC) 2024. Notably, Smith finished as the second-highest run scorer of the tournament with 336 runs to his name from nine innings at an average of 56 and a strike rate of 148.67 with three half-centuries.Leading Washington Freedom in the tournament, the right-handed batter played a match-winning knock of 88 (52) helping his team win their maiden MLC title. Following his remarkable run in the tournament, the 35-year-old is looking for an opportunity to play in the IPL.

"I'd certainly love another opportunity at IPL. I'll be throwing my name in the ring, and we'll see how we go. I feel like in every opportunity I've had in T20 cricket recently and franchise stuff, I've played quite nicely. So hopefully I just keep putting my name up there and enjoying it," Smith was quoted as saying by FOX Cricket.

Notably, Smith last played in the IPL in 2021 for Delhi Capitals and didn't have a memorable outing in the tournament. He could only amass 152 runs from eight

matches at an average of 25.33 and a strike rate of 112.59. As a result, the star batter went unsold in the last two auctions.Smith comments on his T20I snubIn his IPL career, Smith has scored 2485 runs from 103 matches at an average of 34.51 and a strike rate of 128.09 with one hundred and 11 fifties. Further speaking ahead, the Sydney-born cricketer commented on his snub from the T20I side and said that he's quite unsure of what's happening there but he will keep on improving himself."In terms of international T20s, I don't know what's going on there. They've obviously got some people they want to bring in, and that's fine. I understood the way that they wanted to stack up for the World Cup, with all the strong guys that smack it miles. I understood that. I'm not that fussed. I'll just go about my business, keep trying to improve and get better," he added.

Smith last played a T20I back in February against New Zealand and missed out on the squad for the T20 World Cup and the upcoming tours of Scotland and England. He has 1094 runs to his name from 67 matches in the shortest format at an average of 24.86.

Raashii Khanna's

Black Crop Top Is Perfect Party Wear

Raashii Khanna is one of the promising actresses in the film industry with the film Madras Cafe and gradually established herself as a leading actress. She is also known for her sartorial choices and recently left social media users impressed with her looks. She shared her pictures on Instagram wearing a black crop top and colour-coordinated pants.The Madras Cafe actress opted for a no-makeup look in these pictures from her dance rehearsals and left her tresses loose. Flaunting her toned body in the pictures, she wrote in the caption," I promise, I rehearsed. Sort of. Mostly, I just laughed a lot and hoped for the best. Behind the scenes of the onstage chaos at the 69th SOBHA Filmfare Awards South 2024." She attached the song On The Floor by Jennifer Lopez to the photos.

Raashi's fans flocked to the comments section and praised the actress. "Hottest girl on earth", wrote one of the followers. "National Crush", read another comment. Others dropped heart emoticons in the comments.Some time back, the Madras Cafe had dropped a bunch of pictures that set the internet abuzz. In the photos, she can be seen donning a three-piece denim set including a coat, bralette and skirt. The 33-year-old girl accessorised the outfit with a pair of exquisite earrings and funky bangles. She opted for a subtle makeup look with pink eye makeup, mascara-laden eyelashes, contoured nose, perfectly drawn eyebrows, blush, and a shade of nude lipstick. Finishing it off, she let her tresses flow.

The caption of the post reads, "Painting the town blue". Followers have filled in the comment section with praises and adulation. One user wrote, "Just looking like a wow". Another user commented, "Most beautiful lady in the world". The third fan added, "What a look". "Stunning Looks," added another.

Raashii Khanna last acted in The Sabarmati Report directed by Ranjan Chandel. This film starred Vikrant Massey, Ridhi Dogra and others in important roles. Backed by Balaji Motion Pictures and Vikir Films Production, this film was scheduled to be released at the cinemas on August 2, 2024. She will next act in Talaakhon Mein Ek, written and directed by Bodhayan Roychaudhury.

Anushka Sharma

REACTS To Brutal Rape And Murder Of Female Doctor in Kolkata: 'What's Your Excuse…'

Anushka Sharma has condemned the horrifying rape and murder of a female trainee doctor at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital. She took to her Instagram stories and expressed her outrage. Anushka shared a post referring to the incident. To note, the incident has shocked the nation as other celebrities are also seen condemning the brutal crime.Taking to her Instagram stories, Anushka Sharma shared a post that says 'what's your excuse this time or is it her fault, because men will be men, right? On Thursday, Alia also shared an Instagram post. "Another brutal rape. Another day of realisation that women are not safe, anywhere," she wrote, drawing a direct comparison to the Nirbhaya tragedy that shook India over a decade ago. Despite the nationwide outcry and subsequent legal reforms, Alia emphasised that little has changed in terms of women's safety.

The actress supported her statement with alarming statistics from the National Crime Records Bureau (NCRB) 2022 report. She pointed out that 30% of India's doctors and 80% of the nursing staff are women, making them particularly vulnerable in an environment where violence against medical personnel is on the rise. She also highlighted the grim reality that since 2022, there has been a 4% increase in crimes against women, with over 20% of these involving rape and assault. Alia's post further noted that nearly 90 rapes were reported daily in India in 2022, underscoring the pervasive nature of this violence.Indo-Canadian Punjabi sensation AP Dhillon has expressed his anger and disappointment over the horrific rape and murder of the 31-year-old doctor in Kolkata. Dhillon took to his Instagram stories on Friday morning and wrote, "woke up today wanting to let my thoughts out the only way I know how…" along with a clip with a tribute song with heartbroken emojis. In the song, the "Excuses" hitmaker asked for justice for the victim and talked about the innate power of women and how society continues to fail.

Happy Birthday, Saif Ali Khan: Why Star's Children Cannot Reportedly Inherit His Pataudi Palace

Handsome hunk, Nawab and exceptionally talented actor – these words are synonymous with Bollywood star, Saif Ali Khan. On August 16, the actor rang in his 54th birthday. His family and fans have been pouring out their love for the actor. Saif Ali Khan is the 10th Nawab of Pataudi, a title he inherited from his late cricketer father, Mansoor Ali Khan Pataudi. While he is one of the richest celebrities in India, he also owns the Pataudi Palace and an ancestral home in Bhopal. Generally, properties or assets are inherited by the children. In his case, all his four children from two separate marriages cannot stake claim to the Pataudi Palace. Do you know why?Reportedly, Saif Ali Khan has two ancestral properties, including the famous Pataudi Palace, items which belong to the Pataudi Palace, and an ancestral home in Bhopal. The entire amount of both the properties and everything that belongs in the Pataudi Palace costs Rs 5,000 crore. The actor cannot divide his property among his four children – Sara Ali Khan, Ibrahim Ali Khan, Taimur Ali Khan and Jehangir Ali Khan.

As per reportedly, Saif Ali Khan's House of Pataudi falls under the Enemy Dispute Act, 1968 of the Government of India. Reportedly, nobody can claim the right over these properties and hence cannot be inherited. In fact, all the items in the luxurious palace come under this act. As per the act, all the immovable assets of those who went to Pakistan after the partition and took citizenship have been declared as Enemy Dispute Property. A person can go to the High Court, Supreme Court or President of India to claim the property, but it would be quite challenging.

Shabana Azmi Reveals Javed Akhtar Suggested 'Jwala Ali' As A Name for Richa Chadha-Ali Fazal's Baby Girl

Ali Fazal and Richa Chadha joyfully welcomed their baby girl on July 16. Shortly after her birth, actors Shabana Azmi, Urmila Matondkar, Tanvi Azmi, and Dia Mirza visited the new parents, and photos of their visit quickly went viral on social media.Reflecting on the experience, Shabana Azmi shared details of the visit in a recent conversation, revealing that her husband, Javed Akhtar, suggested the name 'Jwala Ali' for the newborn, inspired by Richa's fiery personality. However, the couple had already chosen a beautiful name for their daughter, "Javed suggested they name her Jwala Ali. When I asked him why, he said Richa herself is such a firebrand, her daughter should have an equivalent name. But they have given her a beautiful name already,' revealed Shabana Azmi.

Shabana also mentioned that Richa is part of a close-knit group called 'Dher Sara Pyaar,' which includes herself, Tanvi, Urmila, Dia, Vidya Balan, and Konkona Sensharma. Although some members were unable to attend, the visit felt like a family gathering filled with love and joy. Shabana Azmi recalled during an interview with Hindustan Times,"On that day, (actors) Sandhya Mridul, Konkona Sensharma and Vidya Balan were missing, as they weren't in town. We wanted to have a baby shower for Richa, but that couldn't happen. So, this was just a visit to see the child. This group is like a family.

The joys that you get with family is what you get in this group."Richa Chadha and Ali Fazal, who tied the knot during the pandemic, later hosted a grand reception in 2022 for their family and friends. Now, two years later, they are celebrating the arrival of their daughter, expressing their happiness in a joint statement, "We are tickled pink with joy to announce the arrival of a healthy baby girl on 16.7.24."

In a recent interview with HT City, Richa opened up about her aspirations for their child's upbringing. She shared her vision for the values and qualities she hoped to instill in their little one, emphasizing the importance of nurturing a well-rounded character.